फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 93 प्रभात जयपुर, मंगलवार, 4 नवम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Mandrake & Menstrual Blood And 10 Medieval Love Potions

A source of imagined moral panic and threatened masculinity, love potions were a fact of life and their use, or perceived use, is reflected in romantic epics, folklore, herbals and legal records

Durga Bhabhi

He Rose To Prominence And Influence

सभी राजनीतिक ग्रुपों ने अपने-अपने महारथी प्रचारक चुनाव प्रचार में झोंक दिए

प्रधानमंत्री मोदी ने सहरसा व कटिहार में रैलियों को संबोधित किया और कहा कि कांग्रेस कभी भी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री नहीं बनने देगी

- तेजस्वी यादव ने फतुआ चुनाव रैली में अपना वादा दोहराया कि हर परिवार में से एक को सरकारी नौकरी दी जाएगी, अगर महागठबंधन ने सरकार बनाई।
- राहुल गांधी ने बेगूसराय में गंदे पानी में उतरकर मछुआरों से बात की।
- अमित शाह ने शियोहर और सीतामढ़ी में याद दिलाया कि कोसी नीची में प्रतिवर्ष आने वाली बाढ़ की रोकथाम के लिए योजना की क्रियान्विति शुरु हो गई है।
- योगी आदित्यनाथ की सभाओं में भारी भीड़ उमड़ी और उन्होंने कांग्रेस, आरजेडी की सरकारों की कानून व्यवस्था की स्थिति को लक्ष्य बनाया।
- खड़गे ने प्रश्न किया कि नरेन्द्र मोदी के ग्यारह साल और नीतीश के बीस साल के शासन में कितने रोजगार सृजित हुए।
- लालू यादव ने पटना में रोड शो किया तथा सपा नेता अखिलेश यादव ने भी महागठबंधन के समर्थन में आज प्रचार किया।

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। 6 नवंबर को होने वाले पहले चरण के मतदान से एक दिन पहले बिहार की सियासत पूरी तरह गर्मा गई। राज्य भर में बड़े राजनीतिक दलों ने अपने-अपने स्टार प्रचारकों को मैदान में उतार दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहरसा और कटिहार में जनसभाओं को संबोधित करते हुए महागठबंधन को बेमेल पार्टियों का गठजोड़ बताया और कहा कि कांग्रेस कभी भी राजद के तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री नहीं बनने देगी। उन्होंने राजद पर पुराने भ्रष्टाचार के आरोपों की याद दिलाते हुए कहा, यही कारण है कि आज पार्टी के पोस्टरों में उसके पुराने नेता दिखाई नहीं देते।

दूसरी ओर, तेजस्वी यादव ने पटना के फतुहा में एक रैली को संबोधित किया और दोहराया कि अगर महागठबंधन की सरकार बनी तो हर परिवार को एक सरकारी नौकरी दी जाएगी। एक दिन पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर की सुविधाओं पर हाई कोर्ट ने निगम आयुक्तों से जवाब मांगा

- अदालत ने जेडीए तथा हाउसिंग बोर्ड से भी 13 नवम्बर तक हलफनामा पेश करने को कहा।

जयपुर, 3 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पार्किंग, सफाई सहित शहर की अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मामले में, हैरिटेज और ग्रेटर नगर निगमों में आयुक्तों सहित अन्य जिम्मेदार अफसरों को 13 नवंबर को व्यक्तिशः पेश होने को कहा है। अदालत ने दोनों अफसरों से सड़क, पार्किंग और वेंडिंग जोन से संबंधित कार्यों से जुड़े रिकॉर्ड भी पेश करने को कहा है। अदालत ने ट्रैफिक मैनेजमेंट और पब्लिक यूटिलिटी के साथ-साथ, स्वच्छता के संबंध में गठित कमेटियों को लेकर भी जानकारी पेश करने को कहा है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने जयपुर विकास प्राधिकरण के वकील अमित कुडी को कहा है कि वे इस संबंध में जेडीए के क्षेत्राधिकार को लेकर हलफनामा पेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस व चीन के प्रधानमंत्रियों ने डॉलर मुक्त करेंसी में आपसी व्यापार करने का निर्णय लिया

मुख्य रूप से व्यापार चीनी करेंसी रेनमिन्बी में हुआ करेगा

- एक बार पहले भी यह प्रयास हुआ था तथा ब्रिक्स देश इस मुहिम में शामिल होने का मन बना रहे थे।
- पर, ट्रंप ने ब्रिक्स देशों पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की धमकी दी तथा ब्रिक्स देश पीछे हट गये थे।
- भारत भी चीन की करेंसी को डॉलर की जगह व्यापार की वैकल्पिक करेंसी स्वीकार करने को तैयार नहीं, क्योंकि चीन की सरकार अपनी करेंसी को कभी भी अपने मन के अनुसार घटा-बढ़ा देती है। इससे भारत को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है।
- रेनमिन्बी वैसे भी सौ प्रतिशत कन्वर्टिबल नहीं है। अतः अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए उपयुक्त नहीं है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की नाराज़गी के बावजूद, चीन और रूस ने अपने आपसी व्यापार में अमेरिकी डॉलर के इस्तेमाल को खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन ने एक नाटकीय बयान में कहा कि दोनों देशों के बीच डॉलर में होने वाला व्यापार "अब सांख्यिकीय त्रुटि" (स्टैटिस्टिकल एरर) जितना रह गया है।

रूस और चीन के बीच मजबूत आर्थिक संबंध बनाने के लिए रूसी प्रधानमंत्री चीन में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वे रूस और चीन के बीच जनसंपर्क और आपसी सहयोग को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

इससे पहले ट्रंप ने उन देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी थी, जो अपने अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन में डॉलर के उपयोग से दूर जाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने विशेष रूप से ब्रिक्स देशों (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) को चेतावनी दी थी, जिन्होंने गैर-डॉलर व्यापार का विचार आगे बढ़ाया था।

इस धमकी ने ब्रिक्स के बढ़ते हुए सदस्य आधार में खलबली मचा दी थी, जिसमें बाद में कई उभरती अर्थव्यवस्थाएँ भी शामिल हुईं। ट्रंप पहले ही चीन पर कई व्यापारिक शुल्क लगा चुके थे, और उनकी नई धमकी ने कई देशों को डरा दिया था।

लेकिन अब, जबकि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, चीन ने खुले तौर पर रूस के साथ रुबल और रेनमिन्बी (चीनी मुद्रा) में व्यापार करने की पेशकश कर दी है, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि ट्रंप इस खुले विरोध पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। संभव है कि हमेशा की तरह वे चुपचाप अपनी धमकी को भुला दें और यह स्वीकार कर लें कि अब अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का बड़ा हिस्सा अन्य मुद्राओं में हो रहा है।

रूस और चीन की यह पहल निश्चित रूप से दुनिया के बाकी देशों को गैर-डॉलर व्यापार से परिचित कराएगी। रूसी प्रधानमंत्री ने चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से हांगझोउ शहर में मुलाकात की, जिसे चीन के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है।

चीन की प्रशंसा करते हुए रूसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर में तेज रफ्तार डंपर ने 14 लोगों को कुचला

हरमाड़ा में लोहा मंडी कट पर नशे में धुत्त चालक ने बाइक-कार सवारों को रौंदा

- जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया, दोपहर एक बजे डंपर लोहा मंडी से रोड नम्बर 14 होते हुए हाईवे की ओर जा रहा था कि चालक ने नियंत्रण खो दिया और 500 मीटर दूरी तक एक दर्जन से अधिक वाहनों को कुचलता हुआ एक दीवार से जा टकराया। हादसे में 14 लोगों की मौत हुई व 20 से अधिक घायल हुए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 3 नवंबर। राजधानी जयपुर के हरमाड़ा इलाके में सोमवार दोपहर तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से 14 राहगीरों की मौत हो गयी, जबकि करीब 20 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शराब के नशे में धुत्त डंपर चालक ने लोहामंडी कट पर करीब 17-18 गाड़ियों को जोरदार टक्कर मारी। हादसा इतना भयावह था कि सड़क पर ही क्षत-विक्षत शव बिखर गए और मौके पर कोहराम मच गया। सीसीटीवी फुटेज में साफ नजर आया है कि ड्राइवर डंपर को तूफानी गति से दौड़ाते हुए राहगीरों और बाइक-कार सवारों को कुचलता हुआ आगे बढ़ा। इसके बाद वह एक कार पर पलट गया। बताया जा रहा है कि घटनास्थल से करीब डेढ़ किलोमीटर पहले डंपर चालक की किसी कार सवार से कहासुनी भी हुई थी।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि डंपर सोमवार दोपहर 1 बजे लोहा मंडी से रोड नंबर-14 होते हुए हाईवे की ओर जा रहा था। उसी दौरान, अचानक चालक ने डंपर पर नियंत्रण खो दिया और करीब 500 मीटर दूरी तक एक दर्जन से अधिक वाहनों को कुचलता हुआ एक दीवार से टकरा गया। डंपर द्वारा कुचले गए वाहनों में करीब 50 लोग सवार थे, जिनमें से 14 की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हैं।

चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने 14 लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं, उनका एसएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा है। दो घायल सीकेएस अस्पताल में भर्ती हैं और दो घायल कांवटिया अस्पताल में हैं। गंभीर रूप से घायल लोगों के इलाज की लगातार की निगरानी जा रही है। इस हादसे में गुजरात के भी दो लोगों की मौत हुई है। गुजरात का यह परिवार एक कार में सवार था। उनमें से दो की मौत हो गई, जबकि अन्य दो घायल हैं। ये लोग कार से खाटूश्यामजी दर्शन करने जा रहे थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगस्त के बाद राजस्थान में 52 हजार कुत्तों की नसबंदी हुई

- राज्य सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा पेश किया गया।

जयपुर, 3 नवंबर। आवारा कुत्तों के आमजन पर हमला करने से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान मामले में अदालती निर्देश के पालन में प्रदेश के मुख्य सचिव अदालत में पेश हुए तथा राज्य सरकार की ओर से हलफनामा पेश कर सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी गई, जिसे अदालत ने रिकॉर्ड पर ले लिया।

एएजी शर्मा ने बताया कि ग्रेटर जयपुर व जयपुर हेरिटेज नगर निगमों ने नसबंदी केन्द्र, भोजन क्षेत्र और सीसीटीवी वाले शेल्टर हाउस स्थापित किए हैं। वहीं जोधपुर नगर निगम ने सूरसागर क्षेत्र में 850 कुत्तों की क्षमता वाला शेल्टर हाउस स्थापित किया है, जहां पशु चिकित्सा सुविधाएं निरंतर उपलब्ध हैं। उदयपुर नगर निगम ने भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फलोदी के सट्टा बाज़ार के अनुसार नीतीश मुख्यमंत्री बनकर पुनः लौटेंगे

सट्टा बाज़ार के अनुसार, भाजपा 68 सीटें जीत सकती है और जदयू 54-56 सीटें प्राप्त कर सकती है

- अतः 128-134 सीटें जीतकर 240 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए गठबंधन सरकार बनाएगा।
- सटोरिओं के अनुसार, महागठबंधन को 93-99 सीटें मिल सकती हैं, जिसमें आरजेडी को 69-71 सीटें मिलने की संभावना है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवंबर। राजस्थान के जोधपुर जिले के फलोदी कस्बे के सट्टा बाजार में यह अटकलें तेज हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए बिहार विधानसभा चुनाव में वापसी कर सकती है। सट्टेबाजों के अनुसार, एनडीए को 243 सदस्यीय विधानसभा में 128 से 134 सीटें मिलने की संभावना है।

सट्टा बाजार के अनुसार, भाजपा को 66 से 68 और जनता दल (यूनाइटेड) को 54 से 56 सीटें मिल सकती हैं, जबकि दोनों पार्टियाँ 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं। सरकार बनाने के लिए कुल 122 सीटों की आवश्यकता है।

फलोदी के सटोरिए महागठबंधन को 93 से 99 सीटें दे रहे हैं, जिनमें से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को 69 से 71 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। राजद कुल 143 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है।

सट्टा बाजार में नीतीश कुमार सबसे आगे हैं। उनका रेट 40 से 45 पैसे के बीच चल रहा है, जिसका मतलब है कि उनके फिर से मुख्यमंत्री बनने की संभावना सबसे अधिक मानी जा रही है। किसी उम्मीदवार का भाव जितना कम होता है, सटोरिए उसके जीतने की संभावना को उतना ही पक्का मानते हैं। इसलिए वो उस पर ज्यादा दांव नहीं लगाते, क्योंकि कम भाव वाले उम्मीदवार पर सट्टा लगाने से कम मुनाफा होता है। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी ने नीतीश कुमार पर 45 पैसे के रेट से दांव लगाया है, तो हर 100 रुपये पर उसे 45 रुपये का लाभ होगा।

हालांकि सट्टा बाजार अवैध है, लेकिन मारवाड़ क्षेत्र का फलोदी बाजार चुनावों के साथ-साथ क्रिकेट, मौसम, शेयर बाजार की ऊँच-नीच और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर भी दांव लगाने के लिए मशहूर है। दिल्ली के पिछले विधानसभा चुनावों में भी फालोदी सट्टा बाजार ने 15 साल बाद भाजपा की जीत का अनुमान लगाया था, जब आम आदमी पार्टी सत्ता में थी।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी की पत्नी का निधन

इंदिरा देवनानी

- अंतिम संस्कार कल अजमेर में होगा।

जयपुर/अजमेर, 3 नवम्बर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष एवं अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से विधायक वासुदेव देवनानी की धर्मपत्नी इंदिरा देवनानी का सोमवार को निधन हो गया।

जानकारी के अनुसार, 74 वर्षीय इंदिरा देवनानी कुछ दिनों पहले अजमेर स्थित अपने निवास पर अचानक बेहोश हो गई थीं। उन्हें तुरंत जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने सोमवार को अंतिम सांस ली। उनका पार्थिव शरीर जयपुर स्थित एसएमएस अस्पताल से सिविल लाइंस स्थित राजकीय निवास पर ले जाया गया। मंगलवार सुबह 6 बजे पार्थिव देह को जयपुर से अजमेर के लिए रवाना किया जाएगा। अजमेर स्थित निवास से प्रातः 10.30 बजे उनकी अंतिम यात्रा निकलेगी, जिसके बाद ऋषि घाटी श्मशान में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निवास स्थान पर पहुंचकर अपनी शोक संवेदना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छात्रसंघ चुनाव की याचिका पर सुनवाई 10 नवम्बर को

- राज्य सरकार ने याचिका पर कई प्रारंभिक सवाल उठाये।

जयपुर, 3 नवंबर। राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव को लेकर दायर याचिका में राज्य सरकार ने प्रारंभिक सवाल उठाए हैं। वहीं, अदालत ने मामले में दस नवंबर तक सुनवाई टाल दी है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश जय राव व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद अदालत में पेश हुए। उनकी ओर से याचिका दायर करने पर आपत्ति उठाते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता ने सीधे ही हाईकोर्ट में याचिका दायर की है, जबकि इसके लिए पहले डीन, स्टूडेंट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी के पटना के रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी, पटना सदा से भाजपा का गढ़ रहा है

रोड शो में नीतीश कुमार की अनुपस्थिति ने विपक्ष को भारी मौका दे दिया, एनडीए पर आक्रमण करने का

- तेजस्वी यादव, कन्हैया कुमार, आरजेडी नेता मीसा भारती आदि ने कहा, भाजपा को नीतीश की आवश्यकता नहीं है, वो केवल उनका वोट बैंक लूटना चाहते हैं।
- भाजपा बार-बार स्पष्टीकरण देती रही कि यह पहले से ही तय था कि नीतीश दो तारीख की रात को पटना नहीं आएंगे, बल्कि अपना चुनाव प्रचार कार्यक्रम अगले दिन मधेपुरा से जारी रखेंगे।
- भाजपा का यह भी कहना है कि नीतीश कुमार का रोड शो में न होना एक शैड्यूल का कारण है, कोई राजनीतिक विरोध नहीं।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। राज्य की राजधानी पटना में रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोड शो में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की गैरमौजूदगी ने सभी को चौंका दिया है। विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग में अब केवल चार दिन बचे हैं, ऐसे में मुख्यमंत्री का इस कार्यक्रम से नदारद रहना कई सवाल खड़े कर रहा है। रोड शो में नीतीश की अनुपस्थिति से विपक्ष को भाजपा पर यह आरोप लगाने का अवसर मिल गया है कि वह मौजूदा मुख्यमंत्री के साथ राजनीतिक खेल खेल रही है।

मोदी ने भोजपुर और नवादा जिलों में लगातार दो जनसभाएँ कीं और उनके बाद पटना में एक विशाल रोड शो किया। लेकिन इन कार्यक्रमों में नीतीश कुमार की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बन गई।

पटना, जो दशकों से भाजपा का गढ़ रहा है, वहाँ प्रधानमंत्री का रोड शो भारी भीड़ को आकर्षित करने में सफल रहा। बाद में मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए पटना की जनता को उसके "प्यार और आशीर्वाद" के लिए धन्यवाद दिया।

विपक्ष ने तुरंत मुख्यमंत्री और जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार की अनुपस्थिति को मुद्दा बना लिया। प्रधानमंत्री के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और केन्द्रीय मंत्री व जदयू नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह मौजूद थे।

राजद नेता और विपक्ष की ओर से मुख्यमंत्री पद के दावेदार तेजस्वी यादव ने सोमवार को कहा कि उन्हें नीतीश कुमार की अनुपस्थिति पर कोई आश्चर्य नहीं है, उन्होंने कहा कि जाहिर है, जे डी यू का मुख्यमंत्री बनाने का भाजपा का कोई विचार नहीं है।

तेजस्वी ने मीडिया से कहा, "सबको पता है कि भाजपा नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी।"

तेजस्वी यादव पहले भी कई बार यह कह चुके हैं कि एनडीए जानबूझकर मुख्यमंत्री नीतीश को हाशिए पर डाल रहा है। उन्होंने पहले यह भी कहा था कि मुख्यमंत्री को शायद एनडीए के घोषणापत्र की "जानकारी तक नहीं है।"

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि उन्होंने और कांग्रेस पार्टी ने पहले ही भाजपा-जदयू गठबंधन में मतभेदों की ओर इशारा किया था।

कन्हैया ने कहा, "उन्होंने 2020 में चिराग पासवान के जरिए भी यही कोशिश की थी, पर योजना सफल नहीं हुई। अब वे दोबारा वही कर रहे हैं।"

कन्हैया के अनुसार, भाजपा ने बिहार में अपनी उस रणनीति में बदलाव किया है, जो उन्होंने महाराष्ट्र में शिव सेना को तोड़ने के लिए अपनाई थी।

उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में उन्होंने पहले एकनाथ शिंदे को अपने कब्जे में लिया और फिर शिवसेना को तोड़ा। बिहार में उन्होंने जदयू को अपने कब्जे में लिया है और अब उसी के जरिए नीतीश कुमार को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। हर चीज भाजपा-जदयू खेमे की बेचैनी की ओर इशारा कर रही है। लेकिन मीडिया का ध्यान अभी भी महागठबंधन पर ही है।"

कन्हैया ने कहा कि भाजपा और जदयू के बीच मतभेदों के संकेत तो चुनाव कार्यक्रम घोषित होने से पहले ही मिलने लगे थे। उन्होंने कहा, "अमित शाह ने कहा था कि चुनाव परिणामों के बाद विधायक ही अपना नेता चुनेंगे। भाजपा और जदयू ने अभी तक सीट बंटवारे को सार्वजनिक नहीं किया है। हाल ही में प्रधानमंत्री ने कह ही दिया है कि बिहार का असली विकास तभी शुरू होगा जब एनडीए का खुद का मुख्यमंत्री होगा।"

राजद नेता मीसा भारती ने कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अज्ञानी होना मनुष्य का असाधारण अधिकार नहीं है बल्कि स्वयं को अज्ञानी जानना ही उसका विशेषाधिकार है। -राधाकृष्णन

जवाबदेही के बिना सुशासन संभव नहीं

वैसे तो सुशासन के संबंध में कई विशेषज्ञों ने शोध किया है और विभिन्न प्रकार के सुझाव भी समय-समय पर दिए हैं, किंतु सबसे बड़ी समस्या जो सरकारी धन के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है, वह है जवाबदेही का नितांत अभाव। जिस प्रकार की घटनाएं निरंतर देश में घटित हो रही हैं, उनको देखकर तो यही लगता है कि जिन व्यक्तियों की अकर्मण्यता या भ्रष्टाचार के कारण करोड़ों-अरबों का नुकसान सरकार को होता है या जिनके कारण लोगों की जान तक चली जाती है, उनके ऊपर न तो किसी तरह की कोई कार्रवाई होती है न उन्हें सजा मिलती है। हाल ही की कुछ घटनाओं के उदाहरण देना उपयुक्त होगा।

भारत में 8000 विद्यालय ऐसे हैं जिनमें एक भी बालक का नामांकन नहीं है, किंतु वहां पर 20000 शिक्षक पद स्थापित हैं। स्वाभाविक है, इनके पास कोई काम नहीं है। यदि एक शिक्षक का औसत वेतन 40000 महीना भी मान लें (वैसे तो यह इससे कहीं अधिक है) तो भी प्रति माह सरकार को लगभग 80 करोड रुपए का चूना लग रहा है। यदि एक साल इसी प्रकार निकल जाए तो पैसे की बर्बादी, लगभग 1000 करोड़ की होती है। यह दुरुपयोग किसी को दिखता नहीं है, इसलिए जिम्मेदारी भी तय नहीं होती। एक ओर जहां लाखों विद्यालयों में शून्य या एक-एक शिक्षक पद स्थापित है, वहीं बिना विद्यार्थियों के शिक्षकों का पदस्थापन अक्षम्य अपराध होना चाहिए, जिसके लिए जिम्मेदार को कठोर दंड दिया जाना चाहिए। किंतु, ऐसा होता नहीं है ।

जयपुर में लंबे-लंबे बीआरटीएस कॉरिडोर बनाए गए, जिन पर करोड़ों का खर्च किया गया। कई वर्षों तक इनके कारण सड़कों की चौड़ाई कम हुई और ये कॉरिडोर कभी काम भी नहीं आए। बाद में इन्हें तोड़ने का निर्णय लिया गया। जिन अधिकारियों ने बीआरटीएस बनाने का निर्णय लिया क्या उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई नहीं होनी चाहिए?

अजमेरी गेट के लगभग तीस साल पहले बनाए गए पैदल भूमिगत पथ (pedestrian subway) के खराब अनुभव के बावजूद इसी प्रकार का एक सब वे जवाहर सर्किल के नीचे भी बनाया गया है। यहां केवल मलमूत्र और गंदगी पड़ी रहती है और आवारा कुत्ते घूमते रहते हैं। इसके निर्माण के समय कई महीनों तक सड़क को अवरूद्ध किया गया तथा लाखों रुपए इस पर खर्च हुए।

क्या जेडीए के उन अधिकारियों से यह पैसा वसूल नहीं किया जाना चाहिए जिन्होंने इस प्रकार के सबवे को बनाने की स्वीकृति दी? सामान्यतया राजनीतिज्ञों को दोष दिया जाता है किंतु जो लोग तकनीकी रूप से शिक्षा प्राप्त हैं और विशेषज्ञ हैं वे इस प्रकार का कार्य करने में क्यों सहयोगी बन जाते हैं, यह विचारणीय है ।

यही हाल पूरे जयपुर शहर में बने फुट ओवरब्रिज का है। उदाहरण के लिए कलेक्टरेट बनीपार्क सर्किल, नारायण सिंह सर्किल और लक्ष्मीमंदिर तिराहे पर बड़े, ऊंचे पैदल ओवरब्रिज बनाए गए जिन पर करोड़ों रुपए खर्च हुए। इन्हें बने सालों हो गए किंतु इनका उपयोग नगण्य है।

रोड अंडरपास या सबवे की हालत तो और भी खराब है। अजमेरी गेट पर सबवे लगभग तीस वर्ष पूर्व बनाया गया किंतु आज तक काम नहीं आया। यहां लाइट बंद रहती है, इसके कारण यह आसामाजिक तत्वों का अड्डा बन कर रह गया है। अब अगर कोई चाहे तो वहां की गंदगी और आवारा लोगों के बीच में किसी का भी निकलना असंभव है।

डी ओ आई टी में हजारों एटीएम, डिजिटल पेमेंट मशीन, स्कैनर आदि खरीदे गए किंतु बिना किसी उपयोग के ये वैसे ही पड़े पड़े कबाड़ हो गए । इनका कोई उपयोग नहीं हुआ। इस कारण लगभग 2000 करोड़ से अधिक की बर्बादी हो गई। यह वही पैसा है जो देश के प्रत्येक नागरिक से, यहां तक कि गरीबों से भी किसी न किसी टैक्स के रूप में वसूल किया जाता है। क्या सरकारी धन का इस प्रकार दुरुपयोग होने पर किसी जिम्मेदार अधिकारी को दंड का भागी नहीं बनना चाहिए? किसी को ऐसा दंड नहीं मिलता है तो इसका केवल एक ही कारण है, किसी की जवाबदेही निश्चित नहीं की गई। क्या जवाबदेही तय नहीं करने वालों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं होनी चाहिए?

राज्य की अधिकतर महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ गरीबों को नहीं मिल पा रहा है। इस कारण जहां एक ओर सरकार की बदनामी होती है, वहीं गरीब लोग इलाज प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं। सरकारी खरीद की दवा पीकर बच्चे मर गए किंतु किसी को दंड नहीं मिला। ऐसा प्रक्रिया में जटिलता के कारण और अधिकारियों की लापरवाही के कारण हो रहा है। किसी के विरुद्ध जिम्मेदारी निर्धारित नहीं होगी तो लोग क्यों अपनी जिम्मेदारी समझ कर जनता के हित में काम करने की कोशिश करेंगे?

सरकारी धन का जिस प्रकार से निर्दयतापूर्वक दुरुपयोग किया जा रहा है उसको देखकर तो यही कहावत याद आती है, ''मुफ्त का चंदन घिस मेरे नंदन ''। यदि सरकारी धन के दुरुपयोग की वसूली संबंधित अधिकारियों से होगी तो इस प्रकार की प्रवृत्ति पर भविष्य में रोक अवश्य लगेगी। आवश्यकता केवल इच्छा शक्ति की है। यदि सरकारी धन का इसी प्रकार दुरुपयोग होता रहा तो जनता संभव है, टैक्स देना ही बंद कर दे, जैसा कि गांधी जी ने अंग्रेजों के जमाने में असहयोग आंदोलन के दौरान किया था।

कुछ दिनों में ही कई बसों में आग लगने से अनेक लोग जलकर मर गए। एक ए सी बस में आपातकालीन निकास के दरवाजे को बंद कर रखा था जिसके कारण आग लगने पर लोग बाहर निकल ही नहीं पाए। इस बस दुर्घटना में 21 लोगों की जान जलने से चली गई और कई झुलस गए। इनकी गलती केवल इतनी थी कि उन्होंने सरकारी सिस्टम पर भरोसा किया कि बसों की सुरक्षा संबंधित जांच के बाद ही उन्हें सड़क पर चलने की अनुमति दी गई होगी। वे यह भूल गए कि सरकार में जवाब देही के अभाव में किसी की कोई जिम्मेदारी तय नहीं होती। केवल कुछ छोटे अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया जाएगा और वे भी कुछ दिनों बाद पुनः पूरी वेतन के साथ नौकरी में आ जाएंगे। किसी को जेल भेजा गया हो अथवा उनकी सेवा तत्काल समाप्त कर दी गई हो, ऐसी कोई जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।

एक और बस में आग इसलिए लग गई कि वहां बस के ऊपर भरे हुए गैस सिलेंडर और मोटर साइकिल रखी हुई थी । इस कारण बस की ऊंचाई निर्धारित सीमा से अधिक हो गई। जैसे ही बस करंट वाले बिजली के तारों के संपर्क में आई, उसमें आग लग गई और वह पूरी तरह जलकर खाक हो गई । इसमें भी दो व्यक्तियों की मौत हो गई। इस दुर्घटना का एक कारण यह भी था कि बिजली के तार जितने ऊंचे होने चाहिए थे, वे लटक कर नीचे आ गए थे और बस में रखे सिलेंडरों के संपर्क में आने से सिलेंडर में विस्फोट हो गया । प्रतिदिन इस प्रकार के वाहन चलते हैं, किंतु शायद विभाग के अधिकारियों को दिखाई नहीं देते हैं या उनकी आंखों पर रिश्वत की पट्टी बंधी होने के कारण उन्हें कुछ दिखाई नहीं देता है। जिन व्यक्तियों के ऊपर अधीनस्थ अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की जिम्मेदारी है, वे स्वयं ही अपने कर्तव्य को भूल कर उनसे मंथली वसूल करने लगें तो सजा कौन देगा? कानून तो इतने कड़े हैं कि शोरूम से निकली नई बस का भी फिटनेस सर्टिफिकेट रोका जा सकता है। किंतु चलती बसों की फिटनेस केवल कागज़ों में ही होती है।

उच्च नैतिकता का एक उदाहरण तत्कालीन रेल मंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने प्रस्तुत किया था। एक रेल दुर्घटना होने पर रेल मंत्री के रूप में लाल बहादुर शास्त्री ने अपनी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था । बार-बार हो रहे बड़े हादसों के बावजूद न तो परिवहन मंत्री ने अब तक कोई जिम्मेदारी ली न किसी उच्च अधिकारी की जवाबदेही निर्धारित की गई।

सड़कें बनने के कुछ ही समय बाद उनमें गड्ढे पड़ जाना, पुल बनने के बाद पहली बारिश में टूट जाना, स्कूल की छत गिरने से बच्चों का मर जाना, किसी स्थान पर भीड़ के कारण भगदड़ में मर जाना, ऐसी घटनाएं हैं जो टाली जा सकती हैं, यदि जवाबदेही निर्धारण करने का काम सख्ती से हो। नदियों में बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था या लाइफ जैकेट के, नावें चलने देने के कारण कई लोग मर जाते हैं किन्तु इसके लिए जिम्मेदार के विरुद्ध कभी कोई कार्रवाई नहीं होती।

बिना लाइसेंस के पटाखे की बिक्री करना कानूनन अपराध है, किंतु अधिकांश पटाख़ों की दुकानें बिना लाइसेंस के अनाधिकृत चल रही हैं। जहां लाइसेंस मिल भी जाता है तो वह भी सुरक्षा की पूरी जांच के बिना केवल कुछ राशि लेकर दे दिया है। इससे उस क्षेत्र के लोगों की जान को कितना खतरा होता है इसकी किसी को परवाह नहीं है।

सरकारी धन का जिस प्रकार से निर्दयतापूर्वक दुरुपयोग किया जा रहा है उसको देखकर तो यही कहावत याद आती है, **''मुफ्त का चंदन घिस मेरे नंदन ''**।

लगभग यही स्थिति न्यायालयों की भी है । कई सालों तक जेल में रहने के बाद अभियुक्त को दोष मुक्त करके बरी कर दिया जाता है। ऐसे उदाहरण हैं, जहां झूठे मुकदमों में लोगों को फंसा कर सालों तक जेल में रखा गया और बाद में बिना किसी सबूत के उन्हें छोड़ना पड़ा। ऐसे किसी प्रकरण में किसी पुलिस अधिकारी पर कोई सजा हुई हो या किसी अधीनस्थ न्यायाधीश द्वारा गलत निर्णय देने के कारण उन पर कोई कार्रवाई हुई हो, यह ज्ञात नहीं है । जब किसी की जवाबदेही होगी ही नहीं तो फिर लोग जिम्मेदारी के साथ काम क्यों करेंगे? यही कारण है कि इस प्रकार के घटनाएं और जनता की जान के साथ खिलवाड़ निरंतर चलता रहता है।

यदि सरकारी धन के दुरुपयोग की वसूली संबंधित अधिकारियों से होगी तो इस प्रकार की प्रवृत्ति पर भविष्य में रोक अवश्य लगेगी। आवश्यकता केवल इच्छा शक्ति की है। यदि सरकारी धन का इसी प्रकार दुरुपयोग होता रहा तो जनता संभव है, टैक्स देना ही बंद कर दे, जैसा कि गांधी जी ने अंग्रेजों के जमाने में असहयोग आंदोलन के दौरान किया था। लोगों को लगेगा कि उनके पैसे का उनके हित में सही तरह से उपयोग नहीं हो रहा है तो वे टैक्स क्यों दें? आशा की जानी चाहिए कि ऐसे स्थिति होने से पूर्व सरकार चेते और लापरवाही, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने हेतु जवाबदेही सुनिश्चित करे। अंत में यही कह सकते हैं कि सुशासन का मूल मंत्र ही जवाबदेही है।

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

एक भी पात्र का नाम न छूटे, न ही अपात्र वोट दे पाए, यही लोकतंत्र है

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम - 2026
चार नवंबर से चार दिसंबर तक चलेगा गणना प्रपत्र भरवाने का चरण

डॉ. बनवारी लाल यादव

मंगलवार से बीएलओ आपके घर आएंगे, इन्हें सही जानकारी दें ताकि राज्य में एक भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में जुड़ने से वंचित न रहे, किसी भी घुसपैठिये का नाम सूची में हो तो कट जाए, इसी लक्ष्य को पूरा करने के लिए चुनाव आयोग देशभर में मतदाता सूचियों का एसआईआर करवा रहा है। बिहार से इसकी शुरुआत हो चुकी है।

राजस्थान सहित 12 राज्यों में मंगलवार से विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर के तहत बीएलओ घर-घर जाकर सर्वेक्षण का काम शुरू करेंगे। 4 नवबंर से 4 दिसंबर तक की यह अवधि काफी अहम है क्योंकि इसमें राज्य के सभी बीएलओ मतदाताओं के घर-घर पहुंचकर उनसे 2 प्रतियों में गणना प्रपत्र भरवाएंगे जिसमें से एक प्रति रसीद के तौर पर मतदाता के पास ही रहेगी।

प्रदेश में वर्ष 2025 की वर्तमान मतदाता सूची के अनुसार 5 करोड़ 48 लाख 84 हजार 827 मतदाता हैं। इसमें 2.84 करोड़ पुरूष, 2.65 करोड़ महिला और 681 अन्य मतदाता हैं। इनकी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बूथ लेवल अधिकारियों के द्वारा गणना प्रपत्र भरवाकर जांच की जानी है।

क्या है गणना प्रपत्र-

भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत गणना प्रपत्र काफी आसान बना दिया है। अब यह एक ही पृष्ठ का है और उसमें भी मतदाता से संबंधित सूचनाएं जैसे- नाम, ईपिक नंबर, पता एवं वर्तमान मतदाता सूची के अनुसार भाग एवम क्रमांक संख्या पहले से ही भरी हुई आ रही हैं। साथ ही मतदाता की फोटो भी गणना प्रपत्र पर छपी हुई है।

बीएलओ घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे और उसे भरने में सहायता भी करेंगे। प्रपत्र में मतदाता को जन्म तिथि, आधार संख्या (वैकल्पिक), पिता या अभिभावक का नाम व ईपिक नंबर (वैकल्पिक), माता का नाम व ईपिक नंबर (वैकल्पिक), मोबाइल नंबर जैसी मूल जानकारियां भरनी होंगी। इसके साथ ही एक नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो चिपकानी होगी।

■ एसआईआर का फॉर्म भरना होगा आसान, बीएलओ घर-घर पहुंचाएंगे प्रपत्र : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

गणना प्रपत्र में ही विगत एसआईआर की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाताओं की सूचनाएं लेकर भरी जानी है जिन मतदाताओं का स्वयं का नाम विगत एसआईआर में शामिल नहीं है किंतु उनके रिश्तेदार जैसे माता-पिता/ दादा-दादी / नाना-नानी आदि का नाम शामिल है तो गणना प्रपत्र में उक्त रिश्तेदार का विवरण भरा जाकर मैपिंग की जाएगी।

वर्तमान मतदाताओं की विगत एसआईआर मतदाता सूची के साथ मैपिंग जारी

सभी राज्यों की मतदाता सूचियां अपलोड कर दी गयी है। साथ ही यह लिंक मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है। विगत एसआईआर की मतदाता सूची में अगर किसी वर्तमान मतदाता के माता-पिता/ दादा-दादी / नाना-नानी आदि का नाम शामिल है तो सटीक और सत्यापित पारिवारिक संबंध के माध्यम से वंशावली मानचित्रण (मैपिंग) की जा रही है। जिससे अधिकांश मतदाताओं से किसी भी प्रकार के दस्तावेज लेने की आवश्यकता ही नहीं रहेगी। राज्य में 40 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या लगभग 2.61 करोड़ है, जिसमें से 83 प्रतिशत की मैंपिंग की जा चुकी है। वहीं 2.88 करोड़ मतदाता 40 वर्ष से कम आयु के हैं इनकी भी अब तक 50 प्रतिशत मैपिंग का कार्य किया जा चुका है। अब तक कुल 65.3 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग का कार्य बीएलओ ऐप पर भी किया जा चुका है। गणना चरण के दौरान यह मैपिंग और अधिक हो जाएगी।

क्या करेंगे बीएलओ?

- घर-घर जाकर आंशिक रूप से भरे गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) की दो प्रतियां आपको देंगे।
- विगत एसआईआर की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाताओं की सूचनाएं लेकर मैपिंग में मतदाता की सहायता करेंगे। समस्त राज्यों की विगत एसआईआर की मतदाता सूची भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाईट या मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पोर्टल पर उपलब्ध है।
- आपके द्वारा भरे हुए गणना प्रपत्र को एकत्रित करेंगे और उसे ऐप पर अपलोड करेंगे।

क्या करेंगे आप?

- विगत एसआईआर की मतदाता सूची से मैपिंग हेतु आवश्यक सूचनाएं बीएलओ को उपलब्ध करावें।
- गणना प्रपत्र की दोनों प्रतियों को भरें
- भरे हुए गणना प्रपत्र को जमा करावें एवं 1 प्रति रसीद के रूप में अपने पास रखें।

चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं की सुविधा के लिए वॉलंटियर एवं हेल्प की सुविधा।

4 दिसंबर से पहले अपना गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को जमा करावे, ताकि आसानी से अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकें। इस अवधि के बाद भी आप अपना नाम दर्ज करा पाएंगे, इसके लिए आपको अतिरिक्त फॉर्म 6, घोषणा पत्र (घोषणा प्रपत्र) के साथ भरना होगा।

बीएलओ एडवायजरी :- निर्वाचन विभाग राजस्थान ने सभी बीएलओ के लिए एडवाइजरी जारी की है, जिसमें मुख्य एसआईआर के कार्य के दौरान आईडी कार्ड पहनने, कार्य का समयबद्ध निष्पादन करने, दैनिक प्रगति का अभिलेखन बीएलओ सारांश शीट में करने, मैपिंग में सहायता करने, बूथ लेवल एजेंटों के साथ समन्वय बनाने, आईटी हेल्प डेस्क एवं ईआरओ से आवश्यकता पड़ने पर परामर्श लेने से संबंधित बिंदु है।

राज्य के मतदाताओं से अपेक्षा है कि 4 दिसंबर तक अपना गणना प्रपत्र नवीनतम फोटो एवं सूचनाओं के साथ अपने बीएलओ को दें। शीघ्र ही इसके लिए ऑनलाइन व्यवस्था प्रारंभ होने जा रही है।

डॉ. बनवारी लाल यादव
जनसंपर्क अधिकारी,
निर्वाचन विभाग, राजस्थान

एक कुलपति का सफर : पद की गरिमा और सेवानिवृत्ति की कसक

अशोक कुमार

जब कोई व्यक्ति कुलपति बनता है, तो समाज और अकादमिक जगत में उसे एक विशेष पहचान मिलती है। उनके फैसलों का सीधा असर हजारों छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के जीवन पर पड़ता है। इस पद पर रहते हुए उन्हें विशेष सम्मान, प्रोटोकॉल और सुविधाएँ मिलती हैं, जो उनके प्रभाव और कद को दर्शाती हैं। वे विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे उनका व्यक्तिगत और व्यावसायिक सम्मान कई गुना बढ़ जाता है। यह अवधि उनके जीवन की सबसे प्रतिष्ठित और संतोषजनक अवधि में से एक हो सकती है, जहाँ वे अपने अनुभवों और दृष्टिकोण से शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

कार्यकाल की चुनौतियाँ और दबाव :-सम्मान के साथ-साथ कुलपति के कार्यकाल में अनेक चुनौतियाँ भी आती हैं। उन्हें अकादमिक उत्कृष्टता बनाए रखने, वित्तीय प्रबंधन, अनुसंधान को बढ़ावा देने, छात्रों और कर्मचारियों के मुद्दों को हल करने, और विभिन्न हितधारकों (सरकार, नियामक निकाय, पूर्व छात्र) के साथ संबंधों को संतुलित करने जैसे कई मोर्चों पर काम करना होता है। राजनीतिक दबाव, बजटीय सीमाएँ, और कभी-कभी संस्थान के भीतर ही आंतरिक विरोध का सामना करना भी उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा होता है। यह पद चौबीसों घंटे की मांग करता है, जहाँ उन्हें व्यक्तिगत जीवन को भी नजरअंदाज करना पड़ता है।

प्रत्येक कुलपति अपने कार्यकाल के अंतिम क्षणों में हमेशा एक विचार रखता है कि उसका कार्यकाल बढ़ जाए और इस कारण से विरोधी दल जो कि कुलपति के कार्य से खुश नहीं होते या जो स्वयं कुलपति बनना चाहते हैं, जो पहले कुलपति नहीं बने , तब किसी भी कुलपति के लिए अंतिम समय बहुत ही विरोधाभास रहता है और जितनी शिकायतें हैं उसकी पूरे कार्यकाल में नहीं होती वह सारी शिकायत कुलपति के कार्यकाल के अंतिम पड़ाव में होती हैं जिससे कुलपति को दूसरा अवसर न मिले !

एक विचित्र बात यह भी है कि कुलपति की नियुक्ति एक संवैधानिक नियुक्ति होती है, लेकिन कार्यकाल के अंतिम तीन महीनों में यह आदेश मिलता है कि कुलपति किसी भी प्रकार के वित्तीय, शैक्षिणक नियुक्ति आदि नहीं कर सकते। मेरे विचार से कुलपति को अपने कार्यकाल के अंतिम दिवस तक पूरी मेहनत और ईमानदारी से कार्य करते रहना चाहिए। शिक्षक और शिक्षण संस्था के उत्थान के लिए, उसकी प्रगति के लिए अंतिम दिवस तक कार्य करते रहना चाहिए।

सेवानिवृत्त कुलपति की मानसिकता :-एक सेवानिवृत्त कुलपति की मानसिकता कई कारकों पर निर्भर करती है, जैसे उनके व्यक्तित्व, कार्यकाल के अनुभव, सेवानिवृत्ति की तैयारी और व्यक्तिगत परिस्थितियों पर। हालाँकि, कुछ सामान्य भावनाएँ और विचार उनमें देखे जा सकते हैं। कई सेवानिवृत्त कुलपति अपने कार्यकाल के दौरान किए गए योगदानों और उपलब्धियों पर गर्व महसूस करते हैं। उन्होंने एक विश्वविद्यालय का नेतृत्व किया होता है, अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया होता है, और छात्रों व संकाय के जीवन को प्रभावित किया होता है। यह भावना उन्हें संतुष्टि और पूर्णता का अनुभव कराती है। जब कोई व्यक्ति उच्च पद (जैसे कुलपति का पद) से अपने मूल संस्थान में वापस आता है और सम्मान तथा सुविधाओं से वंचित होता है, तो उसे कई तरह की नकारात्मक भावनाएं महसूस हो सकती हैं : निराशा और हताशा। कई कुलपति सेवानिवृत्त होने के बाद अपने संस्थान में वापस नहीं जाते क्योंकि वे अपने संस्थान से भी सेवानिवृत्त हो जाते हैं और अपने विशाल अनुभव और ज्ञान को समाज हित में प्रस्तुत करने का प्रयास करते हैं। ऐसा करने के कई तरीके हैं और इसके पीछे कई प्रेरणाएँ होती हैं:

प्रेरणाएँ -समाज को लौटाना: लंबे समय तक शिक्षा और प्रशासन के क्षेत्र में रहने के बाद, बहुत से कुलपतियों में यह भावना होती है कि उन्होंने समाज से बहुत कुछ पाया है। वे अपने ज्ञान और अनुभवों को साझा करके समाज के विकास में योगदान देना चाहते हैं। अनुभवों का सदुपयोग: कुलपति का पद एक अद्वितीय दृष्टिकोण और अनुभव प्रदान करता है। सेवानिवृत्ति के बाद इस अनुभव को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहते। वे इसे नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक के रूप में उपयोग करना चाहते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में आजीवन काम करने के बाद भी उनका जुनून बरकरार रहता है। वे सक्रिय रूप से शिक्षा के सुधार, नीतियों के निर्माण और युवाओं के मार्गदर्शन में अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उनका अनुभव और सीख आने वाली पीढ़ियों के लिए एक विरासत बने। वे अपने विचारों और कार्यों के माध्यम से समाज में एक स्थायी प्रभाव छोड़ना चाहते हैं।

समाज हित में योगदान के तरीके

वे अपनी आत्मकथाएँ, संस्मरण, अकादमिक लेख या नीतिगत पुस्तकें लिख सकते हैं। वे विभिन्न शैक्षिणक संस्थानों, सार्वजनिक मंचों या सम्मेलनों में व्याख्यान दे सकते हैं। कई कुलपति विभिन्न सरकारी समितियों, शैक्षिणक परिषदों, या गैर-लाभकारी संगठनों के लिए सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं। वे अपनी विशेषज्ञता का उपयोग नीति-निर्माण और संस्थागत विकास में मदद करने के लिए करते हैं। वे युवा शिक्षाविदों, प्रशासकों या छात्रों को सलाह और मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं। कुछ कुलपति सामाजिक विकास के लिए स्वयंसेवी संगठनों से जुड़ते हैं या अपनी खुद की पहल शुरू करते हैं। वे शिक्षा के प्रसार, ग्राामीण विकास, स्वास्थ्य या पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में काम कर सकते हैं। वे समाचार पत्रों, टीवी चैनलों या ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर लेख या साक्षात्कार के माध्यम से शिक्षा से संबंधित मुद्दों पर अपने विचार साझा कर सकते हैं, जिससे जन जागरूकता बढ़ती है। यह प्रवृत्ति समाज के लिए बहुत लाभदायक है, क्योंकि यह अनुभव, ज्ञान और नेतृत्व को एक नए रूप में प्रस्तुत करती है, जिससे शिक्षा प्रणाली और व्यापक समाज दोनों को फायदा होता है।

पद-आधारित सम्मान की कड़वी सच्चाई : यह बात कुछ हद तक सच है कि हमारा समाज अक्सर पद और सत्ता में बैठे व्यक्ति को अधिक सम्मान और ध्यान देता है। जब कोई व्यक्ति किसी उच्च पद से सेवानिवृत्त होता है, खासकर कुलपति जैसे प्रतिष्ठित पद से, तो उन्हें यह महसूस हो सकता है कि अब उन्हें वह पहले जैसा सम्मान और सुविधाएँ नहीं मिल रही हैं। यह उनके लिए अत्यंत कष्टदायक हो सकता है। लोग उन्हें अब कुलपति के रूप में नहीं देखते, बल्कि एक सेवानिवृत्त व्यक्ति के रूप में देखते हैं, जिससे उन्हें अपनी महत्ता में कमी महसूस हो सकती है। सेवानिवृत्ति के बाद जब व्यक्ति किसी को लाभ देने की स्थिति में नहीं रहता, तो अक्सर ऐसे संबंध फीके पड़ जाते हैं, जिससे सेवानिवृत्त व्यक्ति को अकेलापन और उपेक्षित महसूस होता है।सामाजिक अपेक्षाएँ और तुलना: समाज अक्सर सफल या शक्तिशाली व्यक्तियों को ही देखता और सराहता है। सेवानिवृत्ति के बाद जब वे उस दायरे से बाहर आते हैं, तो उन्हें यह महसूस हो सकता है कि उनकी सामाजिक प्रासंगिकता कम हो गई है। वे अक्सर दूसरों के साथ अपनी तुलना करने लगते हैं, जिससे हीन भावना आ सकती है। हालांकि यह एक स्वाभाविक भावना है, लेकिन कई सेवानिवृत्त कुलपति इस कष्ट से उबरने और अपने जीवन को फिर से सार्थक बनाने के तरीके ढूंढते हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि समाज की यह मानसिकता एक बड़ी चुनौती है, और सेवानिवृत्त कुलपतियों का कष्ट वास्तविक है। लेकिन, कई व्यक्ति अपनी अंतरात्मा और अनुभवों के बल पर इस चुनौती को पार कर एक नया, सम्मानजनक और संतोषजनक जीवन पाते हैं।

अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विवि, विभागाध्यक्ष
राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

राशिफल मंगलवार 4 नवम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, रेवती नक्षत्र दिन 12:35 तक, वज्र योग दिन 3:43 तक, गर करण दिन 12:21 तक, चन्द्रमा आज दिन 12:35 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मीन, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग दिन 12:31तक है। सर्वार्थ सिद्धि और अमृत योग दिन 12:35 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 10:32 से आरम्भ होगी। आज काशी विश्वनाथ प्रतिष्ठा दिवस, बेकुण्ठ चतुरदशी है। पंचक दिन 12:35 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:26 से 10:48 तक, लाभ-अमृत 10:48 से 1:32 तक, शुभ 2:54 से 4:16 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:42, सूर्यास्त 5:38 तक

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

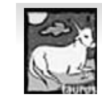

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

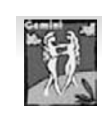

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक/वित्तीय मामलों में प्रगति होगी।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

सिंह
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

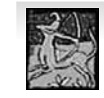

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में आपसी वाद-विवाद टालने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक विवादों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मीन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्य में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

‘काल’ बनकर दौडा डंपर, सड़क पर कोहराम

मृतकों-घायलों के लिए बिलखते रहे परिजन; सड़क पर बिखरा वाहनों का कबाड़, ट्रैफिक जाम लगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। हरमाड़ा क्षेत्र में ‘‘काल’’ बनकर दौड़े तेज रफ्तार डंपर ने 14 लोगों की सांसे थाम दी। नशे में धुत्त चालक एक के बाद एक राहगीर और वाहनों को रौंदता हुआ आगे बढ़ा तो सड़क पर कोहराम मच गया। इस भयावह हादसे ने पूरे प्रदेश के रौंगटे खड़े कर दिए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों और मृतकों को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अस्पताल पहुंचाया। उधर राहगीरों को रौंदने वाले डंपर ड्राईवर को भीड़ ने पकड़कर जमकर धुनाई के बाद पुलिस को सौंपा है। हादसे के बाद मौके पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया, पुलिस ने सड़क से वाहनों को कबाड़ हटाकर आम रास्ता खुलवाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक डंपर चालक नशे की हालत में था। हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है, क्योंकि वह खुद गंभीर रूप से जख्मी है। पुलिस उसका मेडिकल मुआयना करवाएगी, उसके बाद ही वास्तविकता सामने आएगी। इस हादसे के जो वीडियो सामने आए हैं वो दिल को दहला देने वाले हैं। इसमें डंपर, तूफानी गति से राहगीरों और बाइक-कार सवारों को रौंदता हुआ दिख रहा है।

हादसे के बाद लोहा मंडी और विश्वकर्मा इलाके में लंबा जाम लग गया। ऐसे में पुलिस को ट्रैफिक को दूसरे मार्ग की ओर मोडना पड़ा। पुलिस ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद क्रेन की मदद से डंपर और अन्य क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर ट्रैफिक सुचारू कराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद का मंजर काफी भयानक था। सड़क पर क्षतिग्रस्त वाहन और क्षत-विक्षत शव बिखरे पड़े थे। हर कोई सोचकर ही सिहर उठा।

हरमाड़ा के लोहामंडी कट पर सोमवार दोपहर तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से सड़क पर क्षत-विक्षत शव बिखर गए। मौके पर जुटी भीड़ ने तुरंत दौड़कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया और डंपर चालक को दबोचकर पुलिस को सौंपा। फोटो-दिनेश भारद्वाज

■ पुलिस जांच में सामने आया है कि घटनास्थल से डेढ़ कि.मी. पहले डंपर चालक की किसी कार सवार से कहासुनी हुई थी, उसके बाद से वह डंपर को 100 कि.मी. प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ाता हुआ भाग रहा था।

प्रोबेशनल आईपीएस उषा शर्मा ने बताया कि यह डंपर कहां से आया था और कहां जा रहा था, इसका अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। इस हादसे की भयावहता देखकर लोग कांप गए। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस-प्रशासन के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। जहां घायलों को हाथों-हाथ ग्रीन कॉरिडोर बनाकर एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। बाकी 11 ने अस्पताल पहुंचने के दौरान और इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा तफरी मच गई।

हरमाड़ा थाने के हैड कांस्टेबल रविंद्र ने बताया कि पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि घटनास्थल से करीब डेढ़ किलोमीटर पहले एक पेट्रोल पंप के बाहर डंपर चालक राजेश मीणा (35) निवासी चौमूं की, एक कार सवार से कहासुनी हुई थी। इसके बाद नशे में ड्राइवर डंपर को भगाकर ले गया था। रॉन्ग साइड में डंपर दौड़ाते हुए उसने बाइक को टक्कर मारी। तभी कुछ लड़के उसके पीछे लग गए। चालक ओवर स्पीड में डंपर भगाने लगा और गाड़ियों को टक्कर मारते हुए अजमेर-दिल्ली हाईवे के लोहा मंडी कट के पास ट्रेलर से टकराकर रुक गया। हादसे के दौरान कई लोगों के कपड़े तक फट गए थे। ऐसे में आस-पास के लोगों ने सभी शवों को एक तरफ किया। इसके बाद जिन लोगों के कपड़े तक फट गए थे। उनके शरीर को उनके पास रखे कपड़े और गमछों से ढका। पुलिस का कहना है कि हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें डंपर चालक 100 कि.मी. प्रति घंटे से अधिक की स्पीड में था है। शराब के नशे में मिले डंपर चालक को लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया था और उसकी जमकर पिटाई कर दी, पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर उसे अस्पताल में भर्ती कराया है, अब मेडिकल के बाद उससे पूछताछ होगी।

हरमाड़ा क्षेत्र में लोहा मंडी रोड पर उस समय चीख-पुकार मच गई, जब एक बेकाबू डंपर ने सड़क किनारे खड़े दो सगे भाइयों को रौंद डाला। हादसे में मुरली (32) और सुरेश (28) नामक दोनों हलवाई भाइयों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दोनों पूरे दिन एक शादी समारोह में मिठाई बनाने का काम निपटाकर घर लौट रहे थे।इसी दौरान दोनों गुटखा खाने के लिए दुकान के पास रुके, यह उनके जीवन का आखिरी पल साबित हुआ।

हादसे के बाद मृतकों व घायलों के परिजनों की रूलाई फूट पड़ी, जिन्हें अन्य परिवारजन सांत्वना दिलाते रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुनी आमजन की समस्याएं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की।

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। उन्होंने जनसुनवाई में आई महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को सबसे पहले सुना और अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का संतोषजनक निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ीह उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें तथा अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता से काम करते हुए लोगों को राहत दें। उन्होंने ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई करें तथा आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का निस्तारण प्राथमिकता से हो। सिकराय के नरेन्द्र के बड़े भाई रामअवतार सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित हैं, जिनका सिलिकोसिस कार्ड नहीं

■ सीएम ने निर्देश दिए कि, अधिकारी, लोगों की परिवेदनाओं को प्राथमिकता से निस्तारित करें

बनने से योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। इस संबंध में नरेन्द्र ने जब मुख्यमंत्री के सामने यह पीड़ा रखी, तो शर्मा ने तुरंत अधिकारियों को रामअवतार का सिलिकोसिस कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। नरेन्द्र ने अपनी समस्या के समाधान पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। शर्मा ने इस दौरान कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया।

खनिज प्रधान राज्यों की अनुमतियां जल्द लेने की कवायद पर मंथन

उडीसा, छत्तीसगढ़, गुजरात और मध्यप्रदेश से अनुमति प्राप्ति में लगने वाले समय व इस प्रक्रिया के सरलीकरण पर अध्ययन कर रहा खनन विभाग

जयपुर । देश के खनिज प्रधान प्रमुख प्रदेशों की नीलाम खानों को शीघ्र परिचालन में लाने के लिए आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने की बेस्ट प्रेक्टिसेज को अपनाया जाएगा। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने यह जानकारी सोमवार को सचिवालय में निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में दी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा खनिज प्रधान प्रमुख प्रदेश उडीसा, छत्तीसगढ़, गुजरात और मध्यप्रदेश आदि में अनुमतियां प्राप्ति में लगने वाले समय और आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने की व्यावहारिक प्रक्रिया का अध्ययन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राप्त अध्ययन रिपोर्ट का विश्लेषण कर व्यावहारिक प्रक्रिया को अपनाया जायेगा।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार विभाग व संबंधित विभागों से एसओपी जारी कराई जाएगी ताकि एलओआई धारक अनुमतियों के लिए आवश्यक दस्तावेज एसओपी के अनुसार प्रस्तुत कर सके। उन्होंने बताया कि इससे आवश्यक अनुमतियों के लिए प्राप्त आवेदनों में अपूर्ण या आवश्यक दस्तावेजों का अभाव नहीं रह सकेगा और इस कारण से आवेदन पर त्वरित निर्णय किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अनावश्यक देरी को निरुत्साहित किया जाएगा। एम्पेनल्ड विशेषज्ञों द्वारा भी आधी अधूरी सूचनाओं के साथ आवेदन प्रस्तुत नहीं करवाया जा सकेगा।

रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा नीलाम खानों को तय समय सीमा में आवश्यक अनुमतियां उपलब्ध कराकर परिचालन में लाने पर जोर दिया जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा भी इसकी नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिस तरह से खान विभाग नीलाम खानों को शीघ्र परिचालन में लाने के लिए समग्र व समन्वित प्रयास कर रहा है उसी तरह से एलओआई धारकों और संबंधित विभागों व संस्थाओं को भी आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि यह निवेश, रोजगार और रेवेन्यू से जुड़ा है और प्रदेश के समग्र आर्थिक विकास में भागीदारी का प्रयास है।निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि विभाग स्तर से संबंधित विभागों और एलओआई धारकों से समन्वय बनाया जा रहा है और नीलाम खानों को शीघ्र परिचालन में लाने के लिए अनुमतियां दिलाने के लिए तकनीकी सहयोग व मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है।

बैठक में अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर, अतिरिक्त निदेशक आईटी शीतल शर्मा, अधीक्षण खनि अभियंता एनएस शक्तावत, प्रभारी फेसिलिटेशन सेल प्रताप मीणा, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, अधीक्षण भूविज्ञानी एरियल सर्वे सुनील वर्मा और डेलाइट के प्रतिनिधियों ने आवश्यक सुझाव दिए।

खनन विभाग के प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने सोमवार को सचिवालय में निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

कृषि मण्डियों में 13 करोड़ रुपये के विकास कार्य होंगे

जयपुर । राज्य सरकार किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कृषि से संबंधित सेवाओं और सुविधाओं का निरंतर विस्तार कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की विभिन्न मण्डियों में विकास कार्यों के लिए 13 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री की स्वीकृति के अनुसार कृषि उपज मण्डी समिति, अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर), पूगल रोड-अनाज (बीकानेर) और मालपुरा (टोंक) इत्यादि में 13 करोड़ 45 लाख से अधिक की राशि से मण्डी यार्ड के निर्माण कार्य, विद्युत संबंधी कार्य एवं सम्पर्क सडकों के निर्माण कार्य करवाये जायेंगे।

इसी प्रकार, कृषि उपज मण्डी समिति, सुमेरपुर की गौण मण्डी फल-सब्जी, सिरोही में प्रथम चरण के तहत भूखण्ड आवंटन हेतु आरक्षित दर का निर्धारण एवं कृषि उपज मण्डी समिति, बस्सी (जयपुर) के गौण मण्डी यार्ड तूंगा में चिन्हित और रिक्त भूखण्डों का प्रथम चरण के तहत आवंटन किये जाने का अनुमोदन भी किया गया है।

इससे मण्डी क्षेत्रों में व्यापार प्रारम्भ होने पर किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य उत्पादन क्षेत्र के नजदीक ही मिल सकेगा। साथ ही, उनके परिवहन खर्चे में कमी भी आएगी।

चिकित्सा मंत्री में घायलों के बेहत्तर उपचार के निर्देश दिए

जयपुर । चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को सीकर रोड पर हरमाड़ा में हुए सड़क हादसे पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में दिवंगत हुए व्यक्तियों की आत्मा की शांति एवं उनके परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति देने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। साथ ही, हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

घटना की जानकारी मिलते ही चिकित्सा मंत्री सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे और हादसे के मृतकों तथा घायलों के बारे में जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रशासन से पूरी जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों को त्वरित एवं बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, कांवटिया एवं अन्य अस्पतालों में भर्ती घायलों को भी बेहतर उपचार के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि घायलों के उपचार में किसी तरह की कमी नहीं रहे। इससे पहले घटना की जानकारी मिलते ही चिकित्सा मंत्री ने दूरभाष पर वार्ता कर सवाई मानसिंह अस्पताल एवं कांवटिया अस्पताल प्रशासन को अलर्ट करते हुए घायलों के उपचार के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिए थे। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों का जीवन बचाने के लिए उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने के भी निर्देश दिए हैं।

चिकित्सा मंत्री ने सवाई मानसिंह अस्पताल में हादसे को लेकर जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों से विस्तृत चर्चा भी की। इस दौरान खाद्य मंत्री सुमित गोदारा, जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, उद्योग राज्यमंत्री केके विश्नोई, सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, संभागीय आयुक्त पूनम, पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल, कलेक्टर जितेन्द्र सोनी, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी, ट्रोमा सेंटर के प्रभारी डॉ. बीएल यादव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को हरमाड़ा हादसे के बाद सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचकर मृतकों तथा घायलों के बारे जानकारी ली और घायलों का बेहत्तर उपचार करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पतंजलि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बांटी उपाधियां

पतंजलि विवि. का हर विद्यार्थी ‘जॉब सीकर’ नहीं बल्कि ‘जॉब क्रिएटर’ है : स्वामी रामदेव

हरिद्वार । पतंजलि विश्वविद्यालय में आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विश्वविद्यालय के स्नातक, परास्नातक एवं शोधार्थियों को उपाधियाँ और स्वर्ण पदक प्रदान किए। राष्ट्रपति से पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में साध्वी देवपूजा, देवेन्द्र सिंह (स्वामी इन्द्रदेव), मानसी (साध्वी देववाणी), अजय कुमार (स्वामी आर्षदेव), रीता कुमारी (साध्वी देवसुधा), शालू भदौरिया (साध्वी देवशीला), अंशिका, प्रीति पाठक, पूर्वा तथा मैत्रेई रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस दीक्षांत समारोह में 64 प्रतिशत स्वर्ण पदक छात्राओं ने प्राप्त किए हैं। हमारी यही बेटियां भारत का गौरव बढ़ा रही हैं और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। राष्ट्रपति ने कहा कि योग, आयुर्वेद और अध्यात्म के क्षेत्र में पतंजलि ने जो कार्य किया है, वह महर्षि पतंजलि की परंपरा को आगे बढ़ाने का महान प्रयास है। विशिष्ट अतिथि एवं उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने कहा कि योग और आयुर्वेद के माध्यम से पतंजलि ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई क्रांति ला दी है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति को लागू कर उत्तराखंड को शोध, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि सर्वश्रेष्ठ उत्तराखंड के निर्माण के इस संकल्प में पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पतंजलि विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने किया।

■ पतंजलि विश्वविद्यालय को विश्व के श्रेष्ठतम विश्वविद्यालयों की श्रेणी में लेकर जायेंगे : आचार्य बालकृष्ण

पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन से पूरा पतंजलि परिवार गौरवान्वित है। पतंजलि विश्वविद्यालय का हर विद्यार्थी ‘जॉब सीकर’ नहीं बल्कि ‘जॉब क्रिएटर’ है। यहां शिक्षा का आधार किसी जाति या धर्म पर नहीं बल्कि सनातन सिद्धांतों पर आधारित है।

कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सफलतापूर्वक लागू किया है। यह नीति शिक्षा को रोजगारपरक, बहुविषयक और मूल्य-आधारित बनाने का लक्ष्य रखती है।

उन्होंने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से 3.48 ग्रेड पॉइंट के साथ ग्रेड प्राप्त किया है, जो इस संस्थान की उच्च गुणवत्ता का प्रमाण है।

राज्यपाल गुरमीत सिंह द्वारा फ्लोरा ऑफ राष्ट्रपति भवन और मेडिसिनल प्लांट ऑफ राष्ट्रपति भवन पुस्तकों का विमोचन किया गया, जिनकी प्रथम प्रतिलिपि राष्ट्रपति को भेंट की गई। दीक्षांत समारोह में कुल 1424 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं, जिनमें 54 स्वर्ण पदक विजेता, 62 शोधार्थी (पीएच.डी.), 3 डीलिट उपाधिधारी, 744 स्नातक और 615 परास्नातक विद्यार्थी शामिल रहे।

कोरियाई दल ने जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी

कोरिया एम्पलायमेन्ट एजेन्सी फॉर पर्सन्स विथ डिसेबिलिटी के एक दल ने जयपुर जयपुर फुट की निर्माण विधि का अवलोकन किया।

जयपुर। कोरिया के विकलांगों को रोजगार उपलब्ध कराकर उनका पुर्नवास करने वाली संस्था कोरिया एम्पलायमेन्ट एजेन्सी फॉर पर्सन्स विथ डिसेबिलिटी (के.इ.ए.डी) के एक दल ने विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस) में जयपुर फुट की निर्माण विधि का अवलोकन किया।

के.इ.ए.डी की जयपुर यात्रा का उद्देश्य विश्व की विकलांगो के पुर्नवास के लिए किए जा रहे प्रयासों का अध्यन करना और किस बी.एम.वी.एस.एस प्रकार विकलांगों को रोजगार उपलब्ध कराया जाता है इसको जानकारी लेना था।

के.इ.ए.डी के अध्यक्ष जॉग सियोंग ली के नेतृत्व में आए पॉच सदस्यों दल का बी.एम.वी.एस.एस को संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर.मेहता और सचिव (तकनीकी) डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने स्वागत किया और दल को जयपुर फुट की निर्माण विधि की जानकारी दी।

दल को यह जानकरी प्रसन्न हुए कि बी.एम.वी.एस.एस विकलांगो को अपने समिति साधनों के बावजूद ट्राइसाईकिल, व्हीलचेयर, बैशाखियाँ, श्रवण यंत्र आदि के अलावा रोजगार के लिए चाय का स्टाल लगाने के लिए बर्तन आदि उपलब्ध कराता है।

दल को बताया कि ट्रायसाईकिल पर विकलांग फेरी लगाकर सब्जी आदि बेचकर आमदानी कैस करते है। यह सभी सामान विकलांगो को निरूशुल्क उपलब्ध कराए जाते है।

दल ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त कि बी.एम.वी.एस.एस के कई कर्मचारी स्वयं विकलांग है, जिन्हें प्रशिक्षित कर रोजगार दिया गया।

दल नायक जॉग सियोंग ली ने बताया कि के.इ.ए.डी और कोरिया की नैशनल एबिलिम्पिक एसोसिएशन बी.एम.वी.एस.एस के साथ सहयोग कर विकलांगो को रोजगार उपलब्ध कराने में सहयोग देगा। इस दल के के.इ.ए.डी के प्रमुख पदाधिकारी शामिल थे।

एएसआई पदोन्नति परीक्षा के लिए दौड़ लगा रहे पुलिसकर्मी की मौत

हेड कांस्टेबल जब्बर सिंह की उदयपुर पुलिस लाइन में दौड़ लगाते समय तबियत बिगड़ गई थी

- **चिकित्सकों ने कार्डियक अरेस्ट की आशंका जताई है, झाड़ोल थाने में हेडकांस्टेबल पद पर तैनात थे जब्बर सिंह**
- **पानरवा थाना क्षेत्र के बिरौडी गांव निवासी जब्बर सिंह के परिवार में पत्नी, बच्चे, माता-पिता और बहनें है, पिता जेल विभाग से सेवानिवृत्त हुए हैं, जब्बर सिंह परिवार का इकलौता सहारा थे**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल से एएसआई पदोन्नति परीक्षा के दौरान सोमवार सुबह 44 वर्षीय हेड कांस्टेबल जब्बर सिंह की मौत हो गई। पुलिस विभाग की ओर से आयोजित फिजिकल परीक्षा के तहत जब्बर सिंह अन्य प्रतिभाग हेड कांस्टेबल के साथ रानी रोड पर दौड़ लगा रहे थे। इस दौरान उनकी अचानक तबियत बिगड़ गई। उन्हें तत्काल एमबी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने कार्डियक अरेस्ट की आशंका जताई है।

एडी. एसपी गोपाल स्वरूप मेवाड़ ने बताया कि जब्बर सिंह झाड़ोल थाने में हेडकांस्टेबल पद पर तैनात थे। 2011 में वे पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे। सोमवार को एएसआई पदोन्नति के लिए फिजिकल परीक्षा चल रही थी जिसमें 507 हेड कांस्टेबल परीक्षा में शामिल हुए थे। फिजिकल परीक्षा के तहत रानी रोड पर दौड़ आयोजित की गयी थी। 12 मिनट में 2 किलोमीटर की दौड़ पूरी करनी थी। सुबह जब दौड़ शुरू हुई सभी प्रतिभागी स्वस्थ थे। समूह बनाकर प्रतिभागी हेडकांस्टेबल की दौड़ करायी गयी। अंतिम समूह में जब्बर सिंह दौड़ लगा रहे थे। दौड़ पूरी होने वाली थी कि अचानक रास्ते में उनकी तबितय बिगड़ गयी और वे बेहोश हो गए। उन्होंने तत्काल एमबी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम करा पुलिस ने शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। उदयपुर के पानरवा थाना क्षेत्र के बिरौडी गांव निवासी जब्बर सिंह के परिवार में पत्नी, बच्चे, माता-पिता और बहनें है। पिता जेल विभाग से सेवानिवृत्त हुए हैं। जब्बर सिंह परिवार का इकलौता सहारा था।

खेत में बुजुर्ग महिला की संदिग्ध लाश मिली : - देवगढ़ थाना क्षेत्र के पितामपुरा गांव में एक बुजुर्ग महिला का शव उसके ही खेत पर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। घटना की सूचना मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है। ग्रामीणों ने बताया कि 65 वर्षीय मांगी बाई रेगर (पत्नी गणेशराम रेगर), निवासी पितामपुरा, रविवार को अपनेखेत पर गई थी। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। सोमवार सुबह उनका शव अपने ही खेत पर मृत अवस्था में मिला। मृतका के दो बेटे और एक बेटी हैं, जो बाहर रहते हैं। सूचना मिलने पर देवगढ़ थानाधिकारी संगीता बंजारा पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंची। प्रथम दृष्टया जांच में मृतका खेत पर औधे मुंह पड़ी मिलीं। उनके कपड़े, जेवरात और चप्पल सुरक्षित थीं। हालांकि, उनके चेहरे पर खून के निशान थे और हाथ की मुट्ठी में कुछ लकड़ियां थीं।पुलिस ने शव को देवगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

वाहन चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार, 15 बाइक बरामद

भीलवाड़ा की भीमगंज थाना पुलिस ने वाहन चोरी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की भीमगंज थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामलों का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की गई 15 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारसमल जैन और वृताधिकारी मनीष बड़गुर्जर के सुपरविजन में थानाधिकारी गजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। प्रकरण की शुरुआत तब हुई जब कृष्ण कुमार चौधरी निवासी टोंक ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 18 अक्टूबर को उनकी बाइक महात्मा गांधी अस्पताल परिसर से चोरी हो गई। शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर संदिग्धों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध सत्यनारायण उर्फ विक्रमसिंह (32), निवासी थाना माण्डल को हिरासत में लिया। राजकॉप ऐप की सहायता से उसकी पहचान की गई, जिससे पता चला कि उसके खिलाफ पूर्व में भी चोरी के मामले दर्ज हैं। पूछताछ में सत्यनारायण ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात स्वीकार की और बताया कि उसने साथी सम्पतसिंह चौहान (31) निवासी हमीरगढ़ के साथ मिलकर 12 बाइकें चोरी की, जबकि तीन मोटरसाइकिलें अकेले चोरी कर गणेश गुर्जर (24) निवासी नीमच, मध्य प्रदेश को बेच दी। तीनों आरोपियों से 15 मोटरसाइकिलें बरामद की गई, जिन्हें विभिन्न स्थानों से जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह महात्मा गांधी अस्पताल एवं आसपास के क्षेत्रों में वाहनों की रेकी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है।

चलती ट्रेन में सेना के जवान की चाकू मारकर हत्या

- **साबरमती एक्सप्रेस में लूणकरणसर और बीकानेर के बीच जवान का कुछ युवकों से विवाद हो गया था**
- **झगड़ा करने वाले फरार, रेलवे के कुछ संविदा अटेंडेंट हिरासत में**

बीकानेर, (निसं)। चलती ट्रेन में सेना के जवान की चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना लूणकरणसर से बीकानेर स्टेशन के बीच साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन की रात 11:30 बजे की है। मामले में रेलवे पुलिस ने कुछ ट्रेन अटेंडेंट को हिरासत में लिया है।

जीआरपी बीकानेर इंचार्ज आनंद कुमार ने बताया कि साबरमती एक्सप्रेस में सेना का जवान जिगर कुमार चौधरी फिरोजपुर (पंजाब) से सवार हुआ था। उसे साबरमती (गुजरात) पहुंचना था। रास्ते में लूणकरणसर और बीकानेर के बीच उसका कुछ युवकों से विवाद हो गया।युवकों ने जिगर कुमार के शरीर पर चाकू से वार कर दिया, जिससे उसका काफी खून बह गया। डिब्बे में खून ही खून हो गया। वह ट्रेन में तड़पता रहा। रात करीब 12:15 बजे ट्रेन बीकानेर पहुंची। यहां पहले से जीआरपी और रेलवे के डॉक्टर मौजूद थे। डॉक्टर ने चेक किया और जिगर कुमार को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल रेफर किया, जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। शव मोर्चरी में रखा गया है। परिजनों के आने के बाद पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। झगड़ा करने वाले फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने रेलवे के कुछ संविदा अटेंडेंट को हिरासत में लिया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि अटेंडेंट के साथ ही सेना के जवान का झगड़ा हुआ था। जीआरपी बीकानेर इंचार्ज आनंद कुमार ने बताया कि साबरमती एक्सप्रेस के जिस एसी कोच (डिब्बे) में जवान को चाकू मारा गया, उस डिब्बे में घटनास्थल की एफएसएल जांच भी होगी। चूंकि ट्रेन को रोका नहीं जा सकता था, इसलिए आरपीएफ के जवानों को इसी डिब्बे में रवाना किया गया।

सड़क हादसे में शाहपुरा (जयपुर) क्षेत्र के चार लोग गंभीर घायल

मांडल नेशनल हाइवे पर भदालीखेड़ा ओवरब्रिज के पास हादसा हुआ

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र से गुजर रहे नेशनल हाइवे-48 पर सोमवार सुबह भदालीखेड़ा रेलवे ओवरब्रिज के समीप एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में शाहपुरा (जयपुर) क्षेत्र के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना इतनी भयावह थी कि कार ट्रेलर के पिछले हिस्से में जा घुसी और करीब 100 मीटर तक घसीटती चली गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए।

हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

सूचना मिलते ही मांडल पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत उपजिला अस्पताल मांडल पहुंचाया गया, जहां सभी का उपचार जारी है। घायलों की पहचान अर्जुन पुत्र ग्यारसीलाल (28), उसकी पत्नी ऋतू (39), पुत्री सुमन (22) और अर्जुन यादव पुत्र बंसीधर (45) निवासी अमरपुरा, शाहपुरा (जयपुर) के रूप में हुई है। ये सभी सांवरिया सेठ के दर्शन कर लौट रहे थे। हादसे के बाद हाइवे पर अफरा-तफरी मच गई और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाकर जाम को सुचारू करवाया। करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रेलर के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे आ रही कार नियंत्रण खो बैठी और यह भीषण टक्कर हो गई।

मंदिर से लाखों के जेवर चोरी

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाडा थाना क्षेत्र के गोवाडी गांव में स्थित बैराज माता मंदिर में चोरी की घटना सामने आई है। देर रात चोरों ने मंदिर से लाखों रुपए के सोने और चांदी के आभूषण चुरा लिए। यह पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सागवाडा थाना पुलिस के अनुसार, यह घटना देर रात करीब एक बजे की है, चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर प्रवेश किया। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि चोरों ने पहले माताजी को ढोक लगाई और फिर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने चांदी की गणेश जी की मूर्ति, छत्र, सोने की बाली, पायल और तलवार सहित कई आभूषण चुराए। सुबह जब मंदिर के पुजारी पहुंचे तो उन्होंने ताला टूटा हुआ देखा, जिससे चोरी का खुलासा हुआ। सूचना मिलने पर सागवाडा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION DHOLPUR

File No 6045-59 Date 27.10.2025

Notice Inviting Bid

NIB code PWD2526A4030 and UBN is: PWD2526WSOB15607
NIB code PWD2526A4030 and UBN is: PWD2526WSOB15608
NIB code PWD2526A4030 and UBN is: PWD2526WSOB15609
NIB code PWD2526A4030 and UBN is: PWD2526WSOB15610
NIB code PWD2526A4030 and UBN is: PWD2526WSOB15611

Bids For NIT No. 10/2025-26 Misc. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 29.10.2025 11.00 AM to Date 10.11.2025 upto 6.00 Noon. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 88.82 Lacs.

(Naresh Chand Meena)
Excutive Engineer
PWD Division Dholpur

DIPR/C/15940/2025

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, संभाग प्रथम जोधपुर

क्रमांकः 11865 दिनांकः 27.10.2025

निविदा सूचना संख्या : 26 वर्ष 2025-26

NIB No. PWD2526A4019

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जालोर एवं सिरोही जिलों में विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु कन्सलटेन्सी कार्यों के लिए डीपीआर तैयार करने हेतु अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में तीन कार्यों के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।
निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।
1. PWD2526SLOB15541, 2. PWD2526SLOB15542
3. PWD2526SLOB15543

(नेमी चन्द शर्मा)
अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता,
सा.नि.वि. संभाग प्रथम, जोधपुर

DIPR/C/15921/2025

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

विशेष छात्रवृति एवं अनुदान योजना EWS (GEN) Fresh 2025 एवं Renewal 2024 छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

राजस्थान सरकार के जन घोषणा – पत्र के बिन्दु संख्या 23.28 के अनुसार शुरू की गई सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से पिछडे प्रतिभावान छात्र/छात्राओं की सहायता के लिए 'विशेष छात्रवृति एवं अनुदान योजना' हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। ये आवेदन छात्रवृति **(Fresh)** 2025 एवं **(Renewal)** 2024 के **EWS (GEN)** के विद्यार्थियों से आमंत्रित किये जाते हैं। राजस्थान के सामान्य वर्ग के **EWS (GEN)** प्रमाण–पत्र धारक ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने मा.शि.बोर्ड राजस्थान की माध्यमिक परीक्षा के बोर्ड आवेदन फार्म में **EWS** कैटेगरी कोड (14) को चिन्हित किया हो एवं माध्यमिक परीक्षा 2025 में **80%** या **80%** से अधिक तथा वर्ष 2024 (Renewal) के लिए कक्षा 11 में **55%** या **55%** से अधिक प्राप्तांक अर्जित विद्यार्थी ही पात्र हैं। आवेदन दिनांक 06.11.2025 से 05.12.2025 तक संबंधित विद्यालय के संस्था प्रधान के माध्यम से बोर्ड की वेबसाइट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन ही किया जा सकेगा। ऑफलाईन आवेदन पत्र स्वीकार्य नहीं हैं। अधिक जानकारी व आवश्यक दिशा निर्देश हेतु बोर्ड की वेबसाइट व दूरभाष नं:– 0145–2632025 व 0145–2632854 पर सम्पर्क करें।

सचिव

12 साल की बेटी से दुष्कर्म, आरोपी पिता गिरफ्तार

आरोपी पिता 36 घंटे में गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। यहां 12 साल की बेटी से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आरोपी पिता को 36 घंटे में गिरफ्तार कर लिया है।

थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने बताया कि आरोपी की चाची ने 31 अक्टूबर को इस संबंध में मुकदमा दर्ज करवाया था। पीड़िता को जन्म के समय ही आरोपी के चाचा-चाची ने गोद ले लिया था। शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि उसके जेठ के बेटे, जो पीड़िता का जैविक पिता है, ने उसकी गोद दी हुई 12 वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म किया। महिला के अनुसार, जब नाबालिग बेटी घर के पास से गुजर रही थी, तब आरोपी ने उसे सरसों का बैग रखवाने के बहाने अपने घर बुलाया। वहां उसने बच्ची को कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया। जब बच्ची ने विरोध किया और घटना के बारे में परिजनों को बताने की बात कही तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। एसएचओ ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने बताया कि जैसे ही यह मामला दर्ज हुआ तो तुरंत विशेष टीम का गठन कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई थी। पुलिस ने आरोपी पिता को 36 घंटे में गिरफ्तार कर लिया है।

ट्रेन में महिला की मौत

उदयपुर, (निसं)। अहमदाबाद से उदयपुर लौटते समय ट्रेन में सवार महिला की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार नरसिंगपुरा थाना सिटी कोतवाली मंदसोर निवासी चन्द्रा उर्फ दिलखुश (30) पत्नी अनिल कुमार अहीरवार की ट्रेन में मौत हो गई। चन्द्रा की तबीयत ठीक नहीं होने से परिजन उपचार के लिए उसे अहमदाबाद ले गए थे। जहां से वापस लौटते समय रेलवे स्टेशन पर तबीयत जयादा खराब होने पर उसे उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जीआरपी थानाधिकारी गोवर्धनसिंह भाटी ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

श्रीकरणपुर बॉर्डर पर 2.5 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद

- **अधिकारियों का मानना है कि हेरोइन को सीमा पार से ड्रोन के जरिए गिराया था, श्रीकरणपुर थाने में अज्ञात तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया**

श्रीकरणपुर, (निसं)। श्रीकरणपुर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में लगभग 2.5 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन बरामद की। यह खेप श्रीकरणपुर सेक्टर के गांव 23ओ पोस्ट के पास एक खेत में मिली। अधिकारियों का मानना है कि इसे सीमा पार से ड्रोन के जरिए गिराया गया था

अधिकारियों ने बताया कि रात सीमा क्षेत्र में संदिग्ध आवाज सुनाई दी थी। इसके बाद बीएसएफ ने तुरंत अलर्ट जारी कर आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। सुबह तलाशी के दौरान रामकिशन के खेत में पॉलिथीन में लिपटा एक पैकेट बरामद हुआ। जांच करने पर इसमें हेरोइन होने की पुष्टि हुई। बरामद हेरोइन का वजन लगभग 500 ग्राम है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 2.5 करोड़ रुपए है। घटना की सूचना मिलते ही श्रीकरणपुर के सीआई रामप्रताप मौके पर पहुंचे। उन्होंने सीमा क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से नशा तस्करी की आशंका को देखते हुए बीएसएफ और पुलिस को सघन अभियान जारी रखने के निर्देश दिए। इस मामले में पुलिस, बीएसएफ, सीआईडी और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने संयुक्त कार्रवाई की है। श्रीकरणपुर थाने में अज्ञात तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में सीआई रामप्रताप, कॉन्स्टेबल कन्हैया, कॉन्स्टेबल कृष्ण, कॉन्स्टेबल राजेश, कॉन्स्टेबल सुखदीप सिंह, कॉन्स्टेबल भानुप्रताप और सीआईडी के कॉन्स्टेबल रोहिताश की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांक : 1108-14 दिनांकः 27/10/2025

ई-निविदा सूचना संख्याः 06/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में सड़क/भवन कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

NIB Code PWD2526A4018
1- UBN No. PWD2526WSOB15537
2- UBN No. PWD2526WSOB15540

(के. के. मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/15902/2025

भगवान बिरसा मुंडा को 150वीं जयंती पर श्रद्धा से नमन किया

भव्य रंगा रंग प्रस्तुतियों से सजी वागड महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या

स्कूलों की बालिकाओं ने विभिन्न प्रकार के नृत्य पेश किये।

चरी नृत्य, कालबेलिया, घूमर आदि नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां पेश की गई।

डूंगरपुर, (निसं)। वागड महोत्सव 2025 एवं जनजातीय गौरव वर्ष 2025-भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं गरीबों के उत्थान में योगदान के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

रविवार देर सायं सांस्कृतिक कार्यक्रम जिला प्रशासन डूंगरपुर, पर्यटन विभाग विभाग, नगर परिषद के संयुक्त तत्वाधान में शहर के लक्ष्मण मैदान में जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, अतिरिक्त कलेक्टर दिनेशचंद्र धाकड, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमानसिंह राठौड़, आयुक्त नगरपरिषद प्रकाश डूडी ने मां सरस्वती की तस्वीर के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महारावल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना का प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम में पर्यटन विभाग पश्चिमी संस्कृति केंद्र के कलाकारों ने चरी नृत्य, कालबेलिया, घूमर आदि नृत्य के माध्यम से मनमोहक आकर्षक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। इसी क्रम में कई स्कूलों की बालिकाओं ने सामूहिक नृत्य, शिव शंकर आराधना की आकर्षित प्रस्तुतियों से मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालक व्याख्याता वैभव पाठक एवं भूपेंद्रसिंह देवला ने किया। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक जितेंद्र सिंह माली, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सहायक निदेशक श्रीमती छाया चौबीसा, सहायक जनसंपर्क अधिकारी मोहन खराडी, स्काउट सीईओ भाविक सुथार, डूंगरपुर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विमल साद, भोगीलाल पंड्या राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य गणेश लाल निनामा, किशन लाल गर्ग उप प्राचार्य विनय चौबीसा सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

- **दिवाली के दो दिन बाद अहमदाबाद जाने के लिए घर से निकला था**

डूंगरपुर, (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र के सेलज गांव के दर्रे में एक पेड़ से 6 से 7 दिन पुराना युवक का शव लटका हुआ मिलने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। युवक की पहचान सेलज गांव निवासी मुकेश डामोर के रूप में की गई है, जो कि दिवाली के दो दिन बाद अहमदाबाद जाने के लिए घर से निकला था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वरदा थाने के एएसआई ने बताया कि सेलज गांव के एक दर्रे में पेड़ से एक युवक का शव लटका होने की सूचना मिली थी, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि पेड़ से युवक का शव लटका हुआ था। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने शव के शिनाख्तगी के प्रयास किये तो मृतक की पहचान सेलज गांव निवासी मुकेश डामोर के रूप में हुई। मुकेश अहमदाबाद में काम करता था और दीवाली पर घर आया था। दिवाली के दो दिन बाद घर से अहमदाबाद जाने के लिए निकला था। 24 अक्टूबर को मुकेश की अपनी पत्नी से लास्ट मोबाइल पर बात हुई थी। उसके बाद से उसका परिजनों से कोई सम्पर्क नहीं हुआ था। पुलिस ने शव को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)
पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर
टेलीफैक्स : 0141 – 2201489, इमेलः zcejz@jvvnl.org

ई– निविदा सूचना

ई–निविदा दो भागों में (तकनीकी–वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के जेपीडीसी उत्तर वृत के क्षेत्र में सहायक अभियंता (HTM), जेपीडी, चोमू के अधीन प्रस्तावित 132 केवी जीएसएस गोविंदगढ़ व कालाडेरा से 33 केवी लाईन हस्तेड़ा, अलीसर और सांदरसर का स्थानांतरण का कार्य टीएन –153 के तहत एआरसी, 2025 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई–प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 01.11.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई– पोर्टल पर दिनांक 13.11.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी । निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

UBN:VVN2526WSOB00480
जेपीआर–3075 (2025)
राज.संवाद/सी/25/13015

संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-दुदू

ई-टेन्डिरिंग सूचना संख्या 15/2025-26

क्रमांक-711 दिनांक-24.10.2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

FINANCE (G&T) DEPARTMENT NOTIFICATION Jaipur, October 22, 2021 (75A. Additional Performance Security. (1) In addition to Performance Security as specified in rule 75, an Additional Performance Security shall also be taken from the successful bidder in case of unbalanced bid. The Additional Performance Security shall be equal to fifty percent of Unbalanced Bid Amount. The Additional Performance Security shall be deposited in lump sum by the successful bidder before execution of Agreement. The Additional Performance Security shall be deposited through e-Grass, Demand Draft, Banker's Cheque, Government Securities or Bank Guarantee.)

निविदा का कार्य	Permanent Restoration work of Various CD Works under PWD Dn Dudu (10 Nos)
कुल राशि (रूपयों में)	रुपये 180.30 लाख
कुल धरोहर राशि (रूपयों में)	अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत
निविदा आवेदन / डाउनलोड करने की तारीख	मंगलवार, 28 अक्टुबर, 2025 प्रातः 9.30 बजे से गुरुवार, 06 नवम्बर, 2025 सांय 6.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की तारीख	मंगलवार, 28 अक्टुबर, 2025 प्रातः 9.30 बजे से गुरुवार, 06 नवम्बर, 2025 सांय 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	शुक्रवार, 07 नवम्बर, 2025 को सायः 3.00 बजे
प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.6 (5) / वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई ग्रास पर आनलाईन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) 1. प्रोसेसिंग शुल्क 8658-00-102-16-02 निर्माण विभाग 2. निविदा शुल्क 0075-00-800-52-01 3. धरोहर राशि 8443-00-108-00-00 ऑफिस आई.डी. 8346

UBN No:
(1) PWD2526WSOB15445, (2) PWD2526WSOB15446, (3) PWD2526WSOB15447, (4) PWD2526WSOB15448, (5) PWD2526WSOB15449, (6) PWD2526WSOB15450, (7) PWD2526WSOB15451, (8) PWD2526WSOB15452, (9) PWD2526WSOB15453, (10) PWD2526WSOB15454

(संदीप टाटीवाल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड-दुदू (जयपुर)

DIPR/C/15880/2025

गोली मारकर युवक की हत्या करवाने वाला बदमाश एक साल बाद गिरफ्तार

करधनी पुलिस ने हत्या के मामले में 25 हजार रु. के इनामी बदमाश जयसिंह पीडवा को दबोचा

जयपुर (कासं)। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए निवारू रोड स्थित रेस्टोरेंट के बाहर दो अक्टूबर 2024 को गोली मारकर प्रतीक सिंह उर्फ मोनू की हत्या के मामले में वांछित पच्चीस हजार रुपये के इनामी बदमाश जयसिंह पीडवा को गिरफ्तार किया गया है। वहीं इस मामले में पूर्व में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए निवारू रोड स्थित रेस्टोरेंट के बाहर दो अक्टूबर 2024 को गोली मारकर प्रतीक सिंह उर्फ मोनू की हत्या के मामले में वांछित पच्चीस हजार रुपये के इनामी बदमाश जय सिंह राठौर उर्फ जय सिंह पीडवा निवासी निवासी खुनखुना जिला डीडवाना-कुचामन हाल करधनी जयपुर को गिरफ्तार किया है।

आरोपित एक साल से फरार चल रहा था और पुलिस टीम ने जय सिंह पीटवा की गिरफ्तारी के लिए भरसक प्रयास किये गए। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए जयपुर, सीकर, नागौर, कुचामन - डीडवाना, बीकानेर में संभावित स्थानों पर दबिश दी गई। परंतु अपराधी जयसिंह पीडवा पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था।

इस पर आरोपित पीडवा की गिरफ्तारी पर पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) की ओर से 25 हजार के ईनाम की घोषित किया गया। आरोपित

करधनी थाना पुलिस ने निवारू रोड स्थित रेस्टोरेंट के बाहर युवक की हत्या करके फरार हुए बदमाश जयसिंह को गिरफ्तार किया।

जयसिंह वर्तमान में थाना खोराबीसल का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। जिसके खिलाफ थाना करधनी व झोटवाड़ा में हत्या, हत्या का प्रयास, गम्भीर मारपीट व आर्म्स एक्ट के 15 प्रकरण दर्ज है। आरोपित से पूछताछ पर सामने आया कि घटना के बाद पहले गांव के आसपास फरारी काटी और उसके बाद अपने किसी परिचित के माध्यम से तमिलनाडु में सेलम जिले में फरारी काटी और

- आरोपी ने निवारू रोड स्थित रेस्टोरेंट के बाहर गोली मारकर हत्या की वारदात की थी
- पुलिस इस मामले में तीन बदमाशों को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी

वहां पर किसी रेस्टोरेंट पर काम किया। वहीं इस मामले में राहुल मीणा निवासी निवारू रोड करधनी जयपुर, प्रतीक सिंह उर्फ उदय सिंह उर्फ प्रिंस निवासी ठीठवाना जिला नागौर, दीपेन्द्र सिंह उर्फ दीपू निवासी सूरजगढ़ जिला झुंझुनू को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। गौरतलब है कि दो अक्टूबर 2024 को अभय सिंह, प्रीतम सिंह, कुसवंत सिंह, देवेंद्र भाटी, राहुल सिंह, अजय सिंह, लक्की, प्रतीक सिंह उर्फ मोनू निवारू रोड पर स्थित एक रेस्टोरेंट पर बैठे थे। उसी दौरान तीन लडके स्कूटी से आये और बाहर खड़ी बोलेरो गाड़ी के कांच तोड़ने लगे। इस पर वहाँ मौजूद प्रतीक सिंह उर्फ मोनू ने उनको रोकने का प्रयास किया तो उन लडको ने प्रतीक सिंह उर्फ मोनू पर फायर कर दिया जिसकी दीराने ईलाज मृत्यु हो गई। इसके बाद से पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी थी।

सवाई जयसिंह द्वितीय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विद्वानों ने साझा किए विचार

जयपुर। महाराजा सवाई मान सिंह (एमएसएमएस) द्वितीय संग्रहालय की ओर से जयपुर के संस्थापक महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय की जयंती पर सोमवार को सिटी पैलेस में संगोष्ठी एवं काव्य पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्वानों ने महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और राजस्थानी कवियों ने ढुंढाडी भाषा में सुंदर काव्य पाठ से समां बांध दिया।

- राजस्थानी कवियों ने ढुंढाड़ी भाषा में सुंदर काव्य पाठ से समां बांधा

कार्यक्रम की शुरुआत एमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय की कार्यकारी ट्रस्टी, रमा दत्त ने कहा कि महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय हमारी समृद्ध संस्कृति के संस्थापक रहे हैं। उन्होंने कई कुप्रथाओं पर रोक लगाकर समाज सुधार का कार्य भी किया।

पूर्व प्रिंसिपल और वरिष्ठ साहित्यकार राजेंद्र सिंह खंगारोत ने कहा कि महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। वे एक कुशल योद्धा होने के साथ-साथ वास्तुकार, ज्योतिष, चिंतक और विचारक भी थे। खंगारोत ने इस पर प्रकाश डाला कि जयपुर शहर को किस प्रकार चारदीवारी से निकालकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाया जा सकता है। उन्होंने इंटरनेशनल कोलेबोरेटिव रिसर्च पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने सुझाव दिया कि सिटी पैलेस में प्रकाशन और शोध की व्यवस्था के लिए महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय के नाम पर इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर की स्थापना की जाए। वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार, जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि मुगलों को भारत से बाहर खदेड़ने में महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय का बड़ा योगदान था। उन्होंने सभी हिंदू शासकों को एकजुट कर मुगलों को बाहर का रास्ता दिखाया। अकबर महान की जगह हमें महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय को महान की उपाधि देनी चाहिए। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार गोविंद शंकर शर्मा, सिटी पैलेस के कला एवं संस्कृति, ओएसडी एवं कार्यक्रम संयोजक रामू रामदेव ने भी सवाई जयसिंह द्वितीय के जीवनी पर प्रकाश डाला। ढुंढाडी भाषा को प्रोत्साहन देने के उदेश्य से आयोजित काव्य पाठ में राजस्थान के जाने-माने कवियों ने हिस्सा लिया, इनमें जयपुर से कल्याण सिंह शेखावत, शोभा चंदर, विनय शर्मा, प्रहलाद चंचल, भगवान सहाय पारीक, वेद प्रकाश दाधीच, बीकानेर से हिंगलाजदान रतनू और करौली से राव शिवराज पाल ने काव्य पाठ किया। कवियों ने अपनी अपनी कविताओं के माध्यम जयपुर की परंपरा, संस्कृति और इतिहास से दर्शकों को रु-ब-रु कराया।

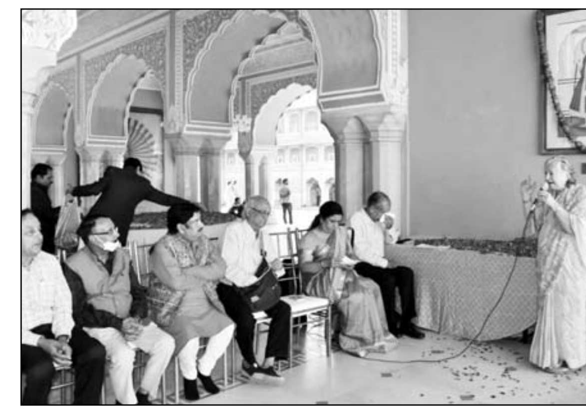

सिटी पैलेस में जयपुर के संस्थापक महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय की जयंती मनाई गई।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'जैक्टर' जल्द लॉन्च होगा

नई दिल्ली। सॉफ्टा इंडिया के सीईओ सुनील कुमार सिंह ने घोषणा की कि उनका नया सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैक्टर जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च किया जाएगा।

यह प्लेटफॉर्म भारत की डिजिटल आज़ादी और डेटा सुरक्षा के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। जैक्टर एक पूर्णतः एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म है जो उपयोगकर्ताओं के डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। हाइपरलोकल एड यह प्लेटफॉर्म स्थानीय व्यवसायों और ब्रांडों को उनके शहर के लोगों से जोड़ता है। महिला सुरक्षा : जैक्टर "फीमेल फायरवॉल" महिलाओं की निजता की रक्षा करती है और उन्हें सुरक्षित रखती है। एआई आधारित सुरक्षा : प्लेटफॉर्म का एआई फेक न्यूज, नग्नता और घृणा भाषण जैसे कंटेंट को स्वचालित रूप से फ़िल्टर करता है। जैक्टर का उद्देश्य भारत को एक डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है, जहां डेटा सुरक्षा और उपयोगकर्ता की निजता सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यह प्लेटफॉर्म भारतीय मूल्यों और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया हैजैक्टर के भविष्य के बारे में बात करते हुए, सीईओ सुनील कुमार सिंह ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म भारत के डिजिटल भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा किजैक्टर न केवल एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, बल्कि एक ऐसा मंच है जो भारत की डिजिटल आज़ादी और आत्मनिर्भरता की दिशा में काम करेगा।

राज्यपाल ने निराश्रित बच्चों से संवाद किया

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे सोमवार को अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए स्थापित सुरमन संस्थान बाल आश्रम पहुंचे। उन्होंने वहां परित्यक्त, वंचित बच्चों से संवाद किया और उन्हें खूब पढ़ने और जीवन में निरंतर आगे बढ़ने का आव्हान किया। उन्होने बच्चों को चॉकलेट और उपहार बांटे। राज्यपाल ने कहा कि बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। उन्हें सभी स्तरों पर विकास के समान अवसर कैसे मिले, इसके लिए समाज में मिलकर प्रयास करने चाहिए। उन्होंने निराश्रित बच्चों के चारित्रिक और बौद्धिक विकास के लिए भी सतत कार्य किए जाने पर जोर दिया। इससे पहले सुरमन संस्थान पहुंचने पर राज्यपाल बागडे का संस्था की अध्यक्ष मनन चतुर्वेदी ने अभिनंदन किया। राज्यपाल ने संस्था के प्रयासों की सराहना की।

स्कूल में 9वीं क्लास के छात्र की मौत

जयपुर। जामडोली थाना इलाके के एक स्कूल में सोमवार सुबह 9वीं क्लास के छात्र की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह स्कूल मैदान में क्लासमेट के साथ हैंडबॉल खेल रहा था। खेलते समय प्ले ग्राउंड में लगे पोल से टकराने पर उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। सूचना पर पुलिस ने एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। थानाधिकारी प्रहलाद नारायण ने बताया कि इस हादसे में नदबई भरतपुर के रहने वाले सुरेंद्र शर्मा के बेटे आयुष शर्मा (14) की मौत हो गई। राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल के पद पर तैनात सुरेन्द्र शर्मा अपने परिवार के साथ हरिहंत नगर जामडोली में रहते हैं। उनका बेटा आयुष शर्मा जामडोली स्थित केशव विद्यापीठ स्कूल में 9वीं क्लास में पढ़ता था। जो सोमवार सुबह करीब 9 बजे स्कूल के प्ले ग्राउंड में आयुष अपने क्लासमेट के साथ हैंडबॉल खेल रहा था। खेलते समय अचानक प्ले ग्राउंड में लगे लोहे के पोल से टकरा गया। पोल से सिर टकराने से गंभीर चोट लग गई और आयुष लहूलुहान होकर गिर गया। स्कूल प्रशासन ने तुरंत सूचना देकर गंभीर हालत में आयुष को एसएमएस अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान आयुष की मौत हो गई। मेडिकल सूचना पर पुलिस एसएमएस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

- छात्र मैदान में क्लासमेट के साथ हैंडबॉल खेल रहा था
- खेलते समय प्ले ग्राउंड में लगे पोल से टकराने पर सिर में लगी थी गंभीर चोट

जयपुर में डीलशेयर की सेवाएं शुरू

जयपुर (कासं)। भारत के होमग्रोन वैल्यू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, डीलशेयर ने कोलकाता, लखनऊ और दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों (गाजियाबाद और गुरुग्राम) में विस्तार के बाद जयपुर में अपनी सेवाएं शुरू कीं। इसके साथ ही कंपनी ने अगले दिन डिलीवरी सेवाओं के मुकाबले ग्राहकों पर केंद्रित, ज्यादा बचत प्रदान करने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के रूप में काम करना शुरू कर दिया है। यह मॉडल शहर में बचत पसंद करने वाले परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाईन किया गया है। कंपनी ने ये सेवाएं भारत में ई-कॉमर्स क्षेत्र में मौजूद एक बड़ी कमी को देखकर शुरू की हैं। डीलशेयर के सीईओ, कमलदीप सिंह ने बताया कि ग्रोसरी, दैनिक सामग्री और पारिवारिक वस्तुओं में प्राईवेट लेबल ब्रांड्स का डीलशेयर का बढ़ता पोर्टफोलियो इस मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डीलशेयर ने अपना लेटेस्ट ब्रांड कैम्पेन, "मेहनत की कमाई, हक से बचाओ" शुरू किया है।

सार-समाचार

बीएसएनएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह

जयपुर। बीएसएनएल राजस्थान परिमंडल ने 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। मुख्य महाप्रबन्धक दूर संचार, विक्रम मालवीय ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा दिलवाई एवं बीएसएनएल के सभी व्यावसायिक-परिचालन क्षेत्रों के कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा ली। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान सतर्कता शाखा राजस्थान द्वारा बीएसएनएल सीडीए नियमों पर क्विज प्रतियोगिता,दैनिक जीवन मे सतर्कता की भूमिका पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त,व्यावसायिक-परिचालन क्षेत्रों के ग्राम पंचायतों पर ग्राम सभाएं आयोजित कर लोगों को भ्रष्टाचार को रोकने के बारे में जागरूक किया गया तथा अलग अलग शहरों के विद्यालयों/महाविद्यालयों में छात्र/छात्राओं को भ्रष्टाचार के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया गया एवं सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गयी। प्रधान महाप्रबंधक (सतर्कता) जयंत राज दीन ने कार्यस्थल पर ईमानदारी, पारदर्शिता एवं निष्ठा के वातावरण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार विक्रम मालवीय ने निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की। कार्यक्रम का समापन सहायक महाप्रबंधक सतर्कता मान सिंह रावत ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया।

गुरुनानक देव का 556 वां प्रकाश पर्व कल

जयपुर। सिख धर्म के प्रथम गुरु नानक देव का 556 वां प्रकाश पर्व बुधवार को मनाया जाएगा। सभी गुरुद्वारों में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सभी गुरुद्वारे रंग-बिरंगी रोशनी से अपनी चमक बिखेरेंगे। बुधवार को गुरुद्वारों में शबद कीर्तन, लंगर सहित अनेक आयोजन होंगे। गुरुद्वारों में फूलों से आकर्षक सजावट की जाएगी। श्रद्धालु गुरु ग्रन्थ साहिब के सामने मत्था टेककर सरबत के भले की अरदास करेंगे। इसी के साथ ही देश के नामचीन रागी जत्थे शबद कीर्तन से संगत को निहाल करेंगे। बुधवार को हीदा की मोरी, सेठी कॉलोनी, कंवर नगर, वैशाली नगर और राजा पार्क, जवाहर नगर सहित अन्य गुरुद्वारों में विशेष कार्यक्रम होंगे। यहां गंगानगर और पंजाब समेत विभिन्न स्थानों से प्रसिद्ध रागी जत्थे शबद-कीर्तन गायन करेंगे। राजापार्क गुरुद्वारे में विशेष दीवान सजेगा। इस दौरान गुरु नानक देव के उपदेशों पर विशेष प्रवचन होंगे। वहीं मालवीय नगर, पानीपेच, जगतपुरा, ट्रांसपोर्ट नगर सहित अन्य गुरुद्वारों में भी दीवान सजेगा। मानसरोवर अग्रवाल फार्म सेक्टर 112 स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक सिख सभा की ओर से नगर कीर्तन निकाला जाएगा। प्रधान प्रीतम सिंह ने बताया कि बुधवार को सुबह 10 बजे अखंड पाठ साहिब की समाप्ति की जाएगी। मानसरोवर के हीरा पथ स्थित गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में सोमवार को नगर कीर्तन निकाला गया। पंच प्यारों की अगुवाई में निकाले गए नगर कीर्तन में बड़ी संख्या में साध संगत शामिल हुई। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर नगर कीर्तन का स्वागत किया गया। अमृतसर स्थित दरबार साहिब से आए गुरजिन्दर सिंह समेत अन्य रागी जत्थे ने संगत को निहाल किया।

मां भगवती विद्यालय में स्वेटर वितरित

जयपुर। शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में मानसरोवर स्थित वेदना निवारण केन्द्र परिसर में संचालित निशुल्क मां भगवती विद्यालय के 225 विद्यार्थियों को भारत विकास परिषद की ओर से सोमवार को स्वेटर वितरित किए गए। भारत विकास परिषद के संरक्षक हरिशंकर गोयल ने शिक्षा के क्षेत्र में गायत्री परिवार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा भारत विकास परिषद की ओर से विद्यालय के लिए 15000 रुपए का योगदान देने की घोषणा की। गोयल ने बालकों को संस्कार युक्त शिक्षा देने का आ ान किया। मानसरोवर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष रामगोपाल सिंगल ने भी विद्यालय के लिए 15000 रुपए दिए। वार्ड 70 के पार्षद राम अवतार गुप्ता, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष ईश्वर दास गोयल, कोषाध्यक्ष अतुलाल गुप्ता, दिनेश गुप्ता, रामबाबू सिंगल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। वेदना निवारण केन्द्र की व्यवस्थापक आर डी गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए शिक्षा समिति के अध्यक्ष केदार शर्मा ने बताया कि विद्यालय में समाज के वंचित वर्ग के बच्चों को निजी विद्यालय की तर्ज पर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा दी जाती है। जितना शिक्षा पर जोर दिया जाता है उतना ही ध्यान संस्कारों पर दिया जाता है।

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर को पकडा है और उसके पास से एक चोरी का वाहन भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले शातिर वाहन चोर विवेक मीना निवासी टोडाभीम जिला करौली को गिरफ्तार किया गया है। जिसके पास से एक चोरी की बाइक भी बरामद की है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

आर. ए. पोद्दार संस्थान में व्याख्यान

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के अंतर्गत आने वाले आर. ए. पोदार इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा डॉ. राजेश कुमार, आईपीएस, डीजीपी (पश्चिम बंगाल कैडर, 1990 बैच) के साथ एक प्रेरक इंटरएक्टिव सैशन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 400 से अधिक विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों तथा अतिथियों ने भाग लिया। संस्थान के निदेशक प्रो. अनुराग शर्मा ने डॉ. राजेश कुमार का हार्दिक स्वागत किया और उनके आने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संवाद छात्रों को प्रेरित करने और कक्षा के अध्ययन को नेतृत्व एवं सार्वजनिक जीवन के अनुभवों से जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम हैं। डॉ. राजेश कुमार ने तीन प्रकार के व्यक्तियों के बारे में विभिन मार्गदर्शक सिद्धांतों का उल्लेख किया - पहला, जो असफलता के भय से कुछ नया आरंभ ही नहीं करते; दूसरा, जो आरंभ तो करते हैं पर कठिनाइयों से घबराकर रुक जाते हैं; और तीसरा, जो हर चुनौती के बावजूद अपने लक्ष्य की ओर डटे रहते हैं। उन्होंने कहा, श्रेष्ठ वही हैं जो अपने विश्वास के मार्ग पर अडिग रहते हैं। स्वामी विवेकानंद के विचार उठो, जागो और जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो, रुकना मत का उल्लेख करते हुए उन्होंने छात्रों को जीवन में दृढ़ संकल्प बनाए रखने का संदेश दिया। मुख्य सत्र के बाद एक पॉडकास्ट आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. राजेश कुमार ने छात्रों के साथ करियर, नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास पर विचार-विमर्श किया। उन्होने विद्यार्थियों से यह आव्हान किया कि यह समय कुछ बनने के बजाय कुछ करने के सपनों के सपनों का हैं।

जेडीसी आकर बताए प्रवर्तन शाखा के अफसरों क्या कार्रवाई की : हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर के गांधी पथ पर अतिक्रमण से जुडे मामले में जेडीसी को 8 दिसंबर को पेश होकर बताने को कहा है कि प्रवर्तन शाखा के कर्मचारियों को नोटिस देने के बाद क्या कार्रवाई की गई है। वहीं अदालत ने डीजीपी को कहा कि वे फील्ड में केवल सक्षम अधिकारियों की नियुक्ति करें। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने हैरिटेज और ग्रेटर नगर निगम से भी इस संबंध में शपथ पत्र पेश करने को कहा है। अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि नगर निगम ठेले वालों को तो हटा देता है, लेकिन पक्के निर्माण पर कार्रवाई नहीं की जाती।

- गांधी पथ पर अतिक्रमण से जुड़े मामले में हाईकोर्ट ने जेडीसी को 8 दिसंबर को पेश होने के आदेश दिए
- अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि नगर निगम ठेले वालों को तो हटा देता है, लेकिन पक्के निर्माण पर कार्रवाई नहीं की जाती।

सुनवाई के दौरान अधिवक्ता कुड़ी ने अदालती आदेश की पालना में जेडीए की ओर से शपथ पत्र पेश किया। जिसमें बताया गया कि बार-बार अतिक्रमण होने को लेकर प्रवर्तन शाखा के 22 कर्मचारियों को नोटिस जारी किए हैं। इस पर अदालत ने पूछा कि नोटिस जारी करने के बाद इन पर क्या कार्रवाई की गई। जिस पर सामने आया कि नोटिस के बाद आगे कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर अदालत ने जेडीसी को हाजिर होकर इस संबंध में जानकारी देने को कहा है।

वहीं न्यायमित्र रिनेश गुप्ता ने कहा कि मामले में केवल कागजी कार्रवाई की जा रही है। वहीं अतिक्रमण हटाने के बाद उसकी मॉनिटरिंग नहीं होती, जिसके चलते वापस अतिक्रमण हो जाते हैं।

"क्लब हब 40" पर पुलिस की छापेमारी

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इलाके में संचालित क्लब हब 40 पर छापेमारी की कार्रवाई की है। जहां क्लब की आड में अवैध रूप से हुक्का परोसा जा रहा था। पुलिस टीम ने बड़ी संख्या में हुक्के सीज कर क्लब मैनेजर के खिलाफ मामला दर्ज उसे गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही 18 लोगों का काटा कोटपा एक्ट में चालान भी किया गया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मालवीय नगर स्थित गौरव टावर में क्लब हब 40 की आड में हुक्का बार चल रहा है। इस पर एक पुलिस टीम मौके पर जाकर सूचना की तस्दीक करवाई गई। क्लब को चेक किया तो क्लब के अन्दर एक शक्स सोफे पर बैठे लड़को के सामने रखी टेबल पर खान पान के साथ तम्बाकू युक्त पलेवर चिलम में डालकर हुक्का पिला रहा था। जिस पर शक्स अनिल कुमार महावर (मैनेजर क्लब हब 40) से इस प्रकार व्यावसायिक परिसर में तम्बाकू युक्त फ्लेवर पिलाने का लाइसेंस के बारे में पूछा तो कोई लाइसेंस होना नहीं बताया। जिस पर क्लब में मिले कुल 20 हुक्का, 20 पाईप, 20 चिलम एवं शेष पलेवर जब्त किए।

जनता ने कांग्रेस को पहले ही "मौरिया" बुलाकर विदा किया था : मदन राठौड़

'अब डोटासरा के बयानों से न कांग्रेस जिंदा होगी, न उनका भ्रम टिकेगा'

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि जनता ने कांग्रेस को पहले ही मौरिया बुलाकर विदा किया था। अब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का बयान उसी हताशा और निराशा का प्रतीक है जो कांग्रेस के भीतर मची गुटबाजी और नेतृत्वहीनता से उपजी है। जो पार्टी अपने पांच साल के शासन में भ्रष्टाचार, किसान धोखा और युवाओं की बेरोज़गारी के सिवा कुछ नहीं कर सकी, वह आज भाजपा पर झूठे आरोप लगाकर अपनी राजनीति बचाने की कोशिश कर रही है।

राठौड़ ने कहा कि, "डोटासरा कहते हैं कि कांग्रेस ने किसानों के 14 हजार करोड़ का कर्ज़ माफ किया, लेकिन सच्चाई यह है कि प्रदेश के लाखों किसानों को केवल कागज़ों में राहत दिखाई गई, ज़मीन पर एक भी किसान को वास्तविक लाभ नहीं मिला। किसान आत्महत्या करते रहे और कांग्रेस नेता भाषणों में आंकड़े गढ़ते रहे। इनके अध्यक्ष राहुल गांधी ने तो यहां तक कह दिया था कि सरकार बनने के बाद 10 तक गिनती करते ही किसानों का सारा कर्ज माफ कर दिया जाएगा,लेकिन हकीकत जनता के सामने है।"

- किसानों को 14 हजार करोड़ रु. का कर्ज माफ करने का कांग्रेस का दावा झूठा : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष
- कांग्रेस में टिकट से लेकर मुख्यमंत्री तक सब कुछ परिवारवाद से होता है तय : मदन राठौड़

मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों को सम्मान निधि दी, सिंचाई, बीज, खाद और बिजली की योजनाओं को पारदर्शिता से आगे बढ़ाया, यह जमीन पर दिखता है, सिर्फ मंचों पर नहीं। कांग्रेस में टिकट से लेकर मुख्यमंत्री तक सब परिवारवाद से तय होता है।डोटासरा जी, याद रखिए राजस्थान की जनता ने खर्ची और कमीशन की आपकी राजनीति को 2023 में नकार दिया था। भाजपा सरकार जनता की खर्ची से नहीं, जनता के विश्वास से बनी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि डोटासरा कहते हैं भाजपा कई खेमों में बंटी है। सच तो यह है कि कांग्रेस खुद चार टुकड़ो में बंटी है। एक खेमा दिल्ली दरबार का, दूसरा पायलट का, तीसरा डोटासरा का और चौथा टिकट दलालों का। भाजपा में विचारों की एकता है, कांग्रेस में केवल कुर्सी की लडाई है। डोटासरा की भाषा लोकतांत्रिक नहीं, व्यक्तिगत है। राजनीति में असहमति हो सकती है, लेकिन असंसदीय शब्दों का प्रयोग आपकी हताशा को दिखाता है। राजस्थान की जनता समझ चुकी है कि कांग्रेस के पास न नीति बची है, न नीयत। कांग्रेस नेताओं के भ्रम और झूठ की राजनीति अब नहीं चलेगी। भाजपा सरकार सेवा, सुशासन और विकास के संकल्प के साथ काम कर रही है। राजस्थान की जनता ने कांग्रेस को पहले ही मौरिया बुलाकर विदा कर दिया है, अब डोटासरा जी के बयानों से न कांग्रेस जिंदा होगी, न उनका भ्रम टिकेगा। राजस्थान अब झूठ की राजनीति नहीं, जनसेवा की राजनीति चाहता है और भाजपा उसी रास्ते पर अडिग है।

आर.एम.एस.सी.एल. के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

जयपुर। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन परिसर में राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने भारतीय संस्कृति की परम्परा के अनुरूप विधिवित रूप से पूजा अर्चना कर पट्टिका का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि नए भवन के निर्माण से आरएमएससीएल एवं राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के कार्यों के सम्पादन में और सुगमता आएगी। अधिकारियों एवं कार्मिकों के बैठने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध होने के साथ ही स्वास्थ्य से जुड़ी प्रमुख संस्थाएं एक ही स्थान पर आ जाएंगी। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि इस भवन में आरएमएससीएल एवं राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी का कार्यालय संचालित होगा। कुल क्षेत्र 5783 स्क्वायर वर्ग मीटर वाले इस भवन निर्माण के लिए 1772 लाख रुपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। आरएमएससीएल के प्रबंध निदेशक पुखराज सेन ने बताया कि इस भवन के बेसमेन्ट का कुल क्षेत्र 1 हजार 783.35 वर्गमीटर है, जिसमें 45 कार, 50 दोपहिया वाहन पार्किंग है।

National Easy-Bake Oven Day: Celebrating a Timeless Culinary Toy

National Easy-Bake Oven Day, celebrated on November 4, honours the iconic toy that has inspired generations of young bakers. Introduced in the 1960s, the Easy-Bake Oven allowed children to create miniature cakes, cookies, and treats safely, sparking creativity and a love for baking from an early age. Beyond its nostalgic charm, the day highlights the joy of experimentation in the kitchen and the confidence that comes from crafting something with your own hands. National Easy-Bake Oven Day is a reminder of how simple tools can ignite imagination, culinary curiosity, and lifelong memories.

#LEGENDS

Durga Bhabhi

Celebrating a Revolutionary Woman: The Legend of Smt. Durgavati Devi

A time to honour those who gave everything for the nation's freedom, it's only fitting to remember a woman whose courage rivaled that of the greatest revolutionaries, yet whose name remains too often forgotten in history books.

Her name was Smt. Durgavati Devi, affectionately known as Durga Bhabhi, a freedom fighter, sharpshooter, and fearless conspirator who stood shoulder to shoulder with Bhagat Singh and his comrades in the fight against British colonial rule.

A Revolutionary Spirit Born of Resolve

Born in Allahabad in 1907, Durgavati Devi's early life gave little hint of the fierce revolutionary she would become. She was married young to Bhagwati Charan Vohra, himself a member of the Hindustan Socialist Republican Association (HSRA), an underground organization that sought to end British rule through armed resistance.

It was through this association that Durgavati Devi came into contact with the leading revolutionaries of her time - Bhagat Singh, Sukhdev, Rajguru, Chandrashekhar Azad, and others. But unlike most women of her era, she did not remain a passive observer; she took up arms and became an active participant in their struggle.

The Woman Who Defied an Empire

Durgavati Devi's most daring act came in 1928, following the assassination of British officer J.P. Saunders, a retaliation for the killing of Indian nationalist Lala Lajpat Rai. With the British police on a massive manhunt for Bhagat Singh and Rajguru, it was Durga Bhabhi who helped them escape Lahore.

Disguised as a respectable married couple with a child, Durgavati posed as Bhagat Singh's wife, carrying her own infant son in her arms to avoid suspicion. Together, they boarded a train to Howrah and evaded capture, a feat of extraordinary bravery

and intelligence. Later, she attempted to assassinate the then Governor of Punjab, in protest of the hanging of revolutionaries, though the attempt was unsuccessful. This act cemented her reputation as one of the very few women in India's freedom struggle who took direct part in armed rebellion.

Beyond the Battlefield

After India achieved independence, Durgavati Devi led a quiet life, choosing not to seek fame or recognition for her revolutionary past. She worked as a teacher, dedicating herself to the education of young minds, the same ideals of enlightenment and empowerment that had driven her to fight for freedom.

Despite her immense contributions, Durga Bhabhi lived much of her later life in anonymity, passing away in 1999. Yet, her legacy endures among those who remember that India's freedom was won not only by men on the front lines, but by fearless women who defied convention and risked everything.

Remembering Durga Bhabhi Today

As we celebrate India's birthday month, we celebrate more than a date on a calendar, we celebrate the spirit of resistance, sacrifice, and unyielding hope that built a free nation.

And in that spirit, we honour Smt. Durgavati Devi, whose courage illuminated the path for generations of Indian women and whose life reminds us that freedom was, and is, everyone's fight.

Her story is not just history; it's a living legend that continues to inspire every Indian who dares to believe in the power of conviction.

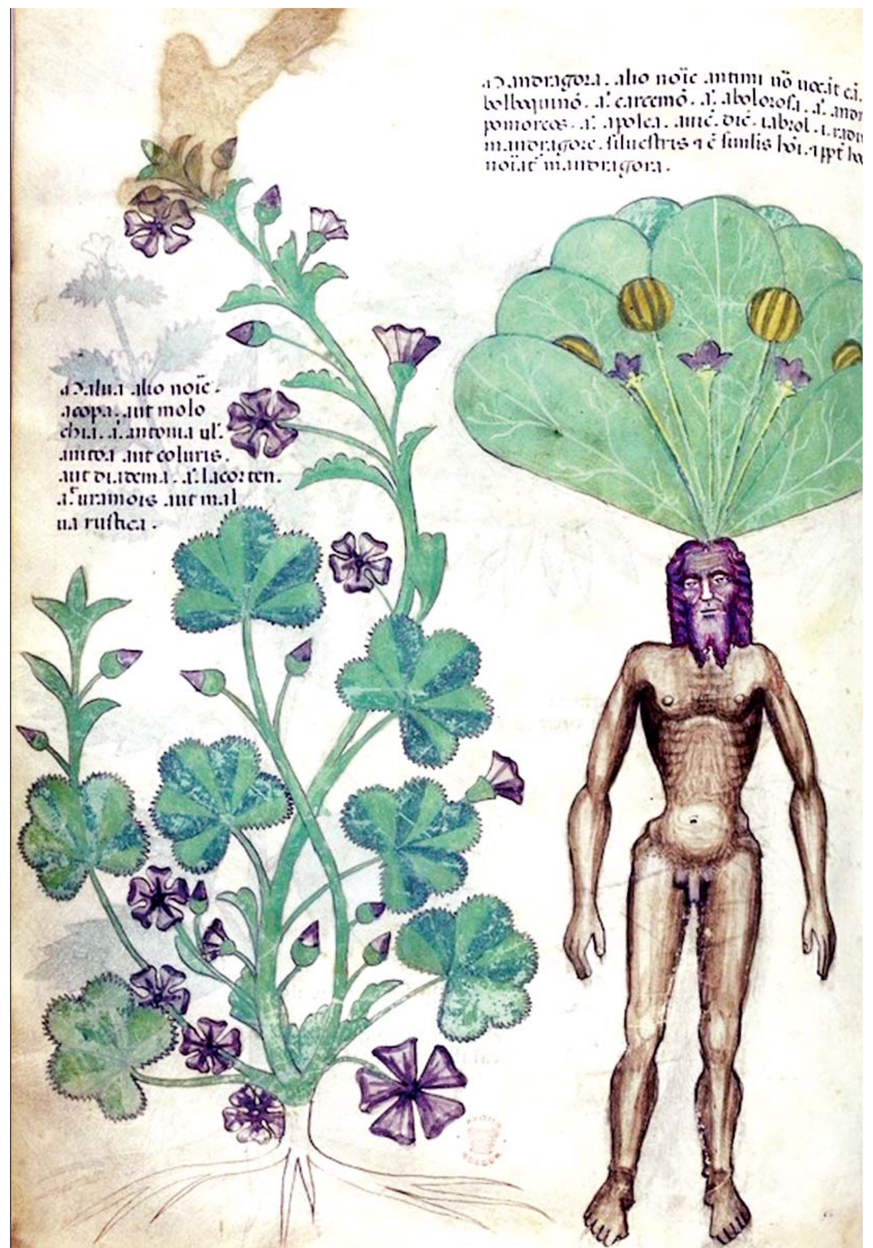

A mandrake root from the Tractatus de Herbis (circa1440).

Mandrake & Menstrual Blood And 10 Medieval Love Potions

Rather than being the exclusive domain of crones in lonely shepherding huts, these folk rituals and folk remedies were more likely passed along by mothers to their children to cure broken hearts or revive floundering marriages. As likely to be rooted in the trial and error of early medicine as they were rural superstition, many of the herbal ingredients could also be found lacing the aphrodisiacs discreetly prescribed by court physicians to their listless masters, not that a learned interest in the healing power of herbs was a surefire defence against accusations of witchcraft.

A witch casting spells over a steaming cauldron. Engraving by H.S. Thomassin after Demaretz.

#CHARMED

● Bulbul Joshi

The potion was of such a nature that any man and woman who drank it together could by no means leave each other for four years, However much they might want to refrain, they had to love each other with their whole being as long as they lived. - 'Tristrant' by Eilhart von Oberge, 12th century.

In the strictly gendered world of Medieval Europe, love magic, real or imagined, was an obsession. When sorcerous scandals erupted at the highest levels of society, love magic was often involved and it was women who bore the brunt of the blame for calling on charms or potions to win the heart of a disinterested beau, inflame or diminish the libido, or ease along the politically vital business of producing an heir.

Part of this is undeniably rooted in misogyny or envy, flashing its daggers at women who were seen as having unnatural influence over their husband (see the frustrating fates of Isabella of Angouleme or Elizabeth Woodville, the White Queen), or left a powerful man humiliated and looking for someone to blame (such as Blanche II of Navarre, who was held responsible for her husband's impotence).

But while a source of imagined moral panic and threatened masculinity, love potions were a fact of life and their use, or perceived use, is reflected in romantic epics, folklore, herbals and legal records.

Rather than being the exclusive domain of crones in lonely shepherding huts, these folk rituals and folk remedies were more likely passed along by mothers to their children to cure broken hearts or revive floundering marriages. As likely to be rooted in the trial and error of early medicine as they were rural superstition, many of the herbal ingredients could also be found lacing the aphrodisiacs, discreetly prescribed by court physicians to their listless masters, not that a learned interest in the healing power of herbs was a surefire defence against accusations of witchcraft.

Duke of True Love and his companions entertaining ladies, from the Book of the Queen, c. 1410–1414.

1. Mandrake Root

Known for its properties as an aphrodisiac as far back as Biblical times, mandrake (or mandragora) remained a popular ingredient in love magic throughout the middle ages and is still used for that purpose in some areas of the world today. Said to resemble the human form, with both male and female plants, there was one drawback, the plant was said to shriek when pulled up, causing madness or death to the seeker unless proper precautions were taken and the rituals for safe handling varied from place to place. As well as ingested in accordance with myriad recipes, it could also be worn as a fertility amulet.

2. Human Remains

Powdered bone, pubic hair and menstrual blood were just some of the gruesome ingredients a love-seeker could be required to provide in order to ensure their spell was a success, and it was especially potent if something from both the seeker and the object of desire was included. One known spell required rather specifically both the bone marrow and spleen of a murdered boy! Menstrual blood, of course, reflects the gendered nature of love magic, and in 1320, the Cathar noblewoman Béatrice de Planisoles was hauled before a bishop to face charges of witchcraft. In her possession were, amongst other 'objects, strongly suggestive of having been used by

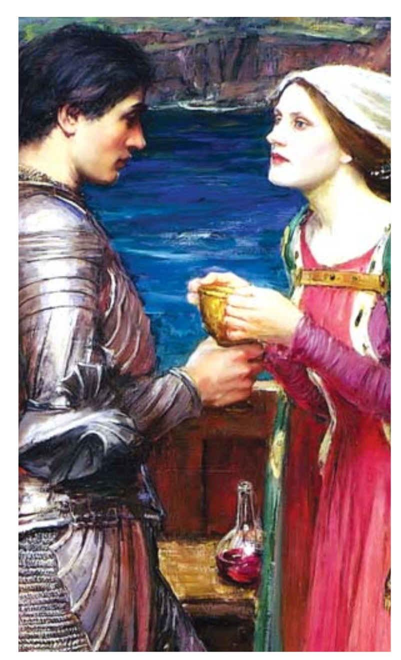

her to cast evil spells,' linen soaked with the first menstrual blood of her daughter, to be drunk by the daughter's husband to seal his affections.

3. Henbane

With a sinister reputation, both for use by witches and also to deprive one of her powers, this herb was also thought to attract love when worn and had narcotic properties when ingested, making it a fixture in various Medieval medicines. It could be used to bind a couple together in love, and to ensure that the love would last. This ingredient should be used with great caution, however, as it was also known to cause delirium and death.

4. Consecrated Host

The power of this vital element of the Holy Communion service was highly prized in the medieval world, making it a much sought after ingredient for a variety of magical purposes including love spells. Difficult to procure, many inventive ways were devised to source a piece, with some resorting to keeping it under their tongue after it had been administered in church. Relevant words and incantations could then be written upon it, depending on what was required.

5. Honey

One of the sweeter and more palatable ingredients, honey or mead were often included in love spells, the sweetness, it was expected, to influence the object of the seekers desire favourably towards them and also to sweeten the relationship to follow. It had the added benefit of making the concoction easier to swallow!

6. Worms

Another gruesome ingredient, when mixed with powdered periwinkle and certain herbs, worms were believed to ensure love between a couple. The suggestion that it be taken with their meat may well have been due to the less than encouraging taste! Seemingly a strange choice, worms, due to their obvious link with the earth, were also a potent sign of fertility; a much desired outcome in many love spells.

7. Animal Remains

Much like human remains, demands for the bits and byproducts of animals proved seemingly arbitrary, with potions, powders and charms from Spain to the Balkans calling for the likes of sparrow heads, deer heart (hopefully a gruesome pun), the droppings of a stork, fat of a snake, brain of a sparrow, testicles of an ass, bones from a left side of a toad, which has been devoured by ants, blood and heart of a pigeon, and in Bavaria, the relatively appetizing tipple of bat's blood in beer.

8. Verbena

A perennial in folk magic and regular feature in sleeping draughts from antiquity, verbena (or vervian), the Herb of Enchantment, was slipped into love potions and powders. Interestingly, it could also be used for opposite ends and slipped into a man's drink was said to render him impotent for six days.

9. Beetle Wings

A remedy rumoured to have circulated the court of the Roman Emperor Augustus and described by Latin chroniclers, the wings of the Blister Beetle, or Spanish Fly, long held potency as an aphrodisiac and were crushed into tonics and potions. As side-effects go, it was a killer. A powerful irritant, a potion laced with mashed Spanish Fly may well have caused the codpiece to bulge through swelling, but as little as 32 milligrams could force the kidney to shut down, and legend has it that this gruesome tincture caused the death of Ferdinand II of Aragon in 1516.

10. Roses

Its connotations are obvious, be they pure and romantic, or seductive and dangerous, and the rose had little use in Medieval magic outside of the love potion. From the symbolic to the pragmatic, rose water was often used to flavour perfume less palatable medicines. Arguably, as a perfume, it could be considered a love potion too, and in one extreme example, recorded in an English translation of the 12th century De Ornatu Mulierum, part of a series of remarkable early texts on female hygiene, a powder of rose petals is recommended for freshening up the lady garden while rose water sweetens the hands and face.

rajeshsharma1049@gmail.com

Courtiers in a Rose Garden from the mid-15th century, Rogers Fund, 1909.

#INFLUENCE

He Rose To Prominence And Influence

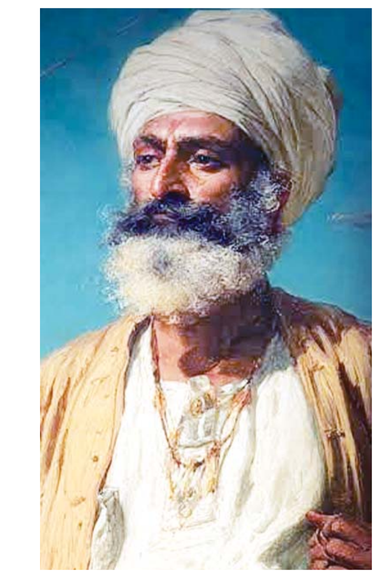

Jairam Shivji: The Indian Merchant who influenced Cow Slaughter Practices in Zanzibar

In the 19th century, Zanzibar was a thriving hub of trade, culture, and politics. Among the influential figures of this era was Jairam Shivji, a Gujarati merchant from Mundra in Kutch, India. His rise to prominence in Zanzibar's economic and political spheres is a testament to the significant role played by Indian traders in East Africa during this period.

Early Life and Ascendancy in Zanzibar

Born around 1792, Jairam Shivji hailed from a Bhatia family in Mundra, a coastal town in Kutch known for its maritime activities. He was part of a broader network of Gujarati traders who established themselves along the East African coast, particularly in Zanzibar, Mombasa, and Lindi. Shivji's family was involved in trade and customs contracting in the Persian Gulf and East Africa, notably under the Sultanate of Oman. Building upon this legacy, Shivji became a leading customs contractor in Zanzibar, overseeing significant trade and financial operations.

The Cow Slaughter Restriction

One of the most notable aspects of Shivji's legacy is the restriction on cow slaughter near his residence during the Islamic festival of Eid al-Fitr. According to historical accounts, Sultan Sayyid Said of Oman, who ruled over Zanzibar at the time, forbade the killing of cows in the

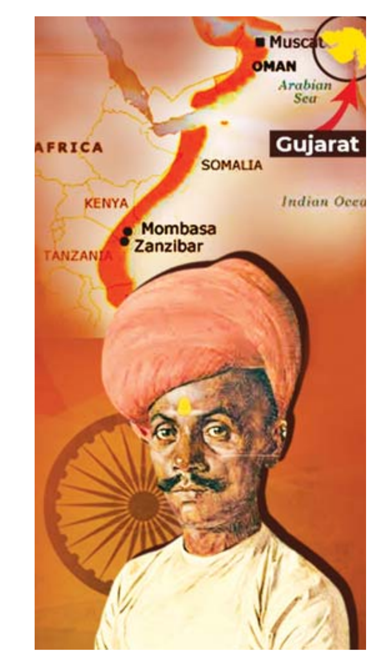

vicinity of Shivji's house during Eid to respect his Hindu religious beliefs. This act was a reflection of Shivji's significant status and the respect he commanded from the ruling Sultan.

Legacy and Influence

Jairam Shivji passed away on August 25, 1866. His legacy endures in the history of the Indian diaspora in East Africa, particularly in Zanzibar, where his contributions to trade, finance, and cultural integration are still remembered. His story highlights the intersections of commerce, religion, and governance in a colonial context, illustrating how individual influence can shape societal practices and policies. In

modern memory, the incident involving the cow slaughter restriction has become part of the lore surrounding Indian influence in East Africa. It serves as a reminder of the significant impact that Indian merchants like Shivji had on the cultural and political landscapes of the regions they engaged with.

This case remains a striking example of how individual stature could shape even the customs and practices of a society governed under foreign or semi-autonomous rule. Shivji's story continues to be a testament to the enduring legacy of Indian traders in East Africa and their role in bridging cultural and religious divides.

THE WALL

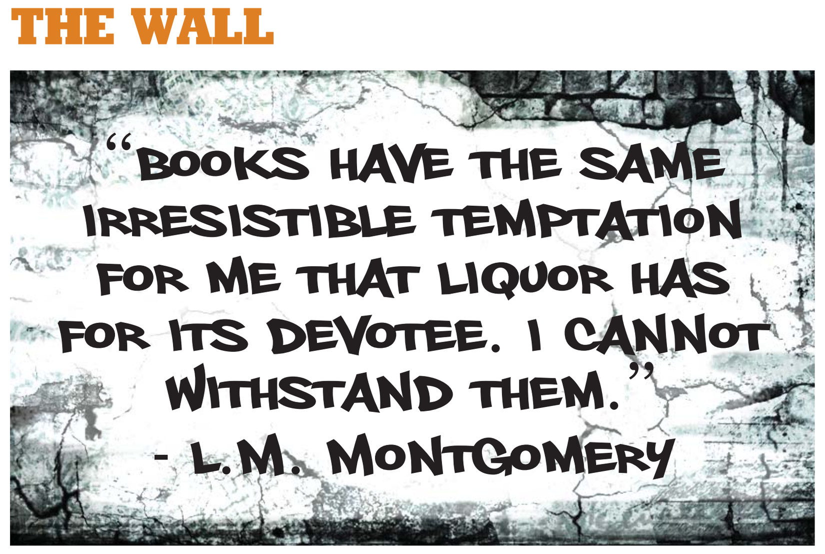

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

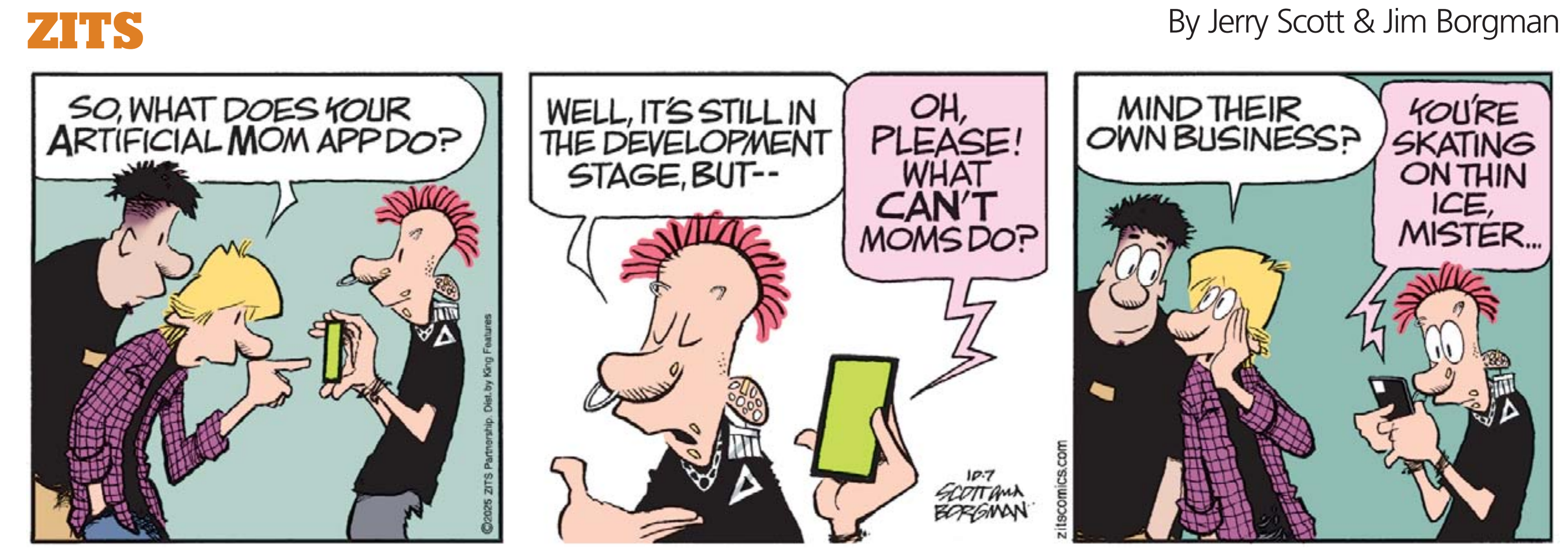

फलोदी हादसे के बाद प्रशासन हरकत में आया, हाइवे किनारे से ढाबों को हटाया

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसे में हुई 15 मौतों के बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की

जोधपुर, (कासं)। फलोदी में भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसे में एक साथ हुई 15 मौतों के बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को हाईवे किनारे से अवैध ढाबों को हटाया गया। फलोदी हादसे के बाद प्रशासन हरकत में आया। भारतमाला एक्सप्रेस वे के किनारे से अवैध ढाबों को हटाने का विशेष अभियान सोमवार को चलाया गया। बताया गया है कि हाइवे किनारे अवैध ढाबे खोले गए हैं। इन ढाबों पर खाना खाने के लिए ट्रक, ट्रेलर वाले रुकते हैं। हाइवे किनारे अपने भारी वाहनों को पार्क कर देते हैं, जिसकी वजह से हादसे होते रहते हैं।

■ **इन ढाबों पर खाना खाने के लिए ट्रक, ट्रेलर वाले रुकते हैं, हाइवे किनारे अपने भारी वाहनों को पार्क कर देते हैं, जिसकी वजह से हादसे होते रहते हैं**

जानकारी के अनुसार रविवार को भी ढाबे के सामने खड़े ट्रेलर से टेम्पो ट्रेवलर टकराया था। स्थानीय लोगों के अनुसार इन ढाबों पर शराब, डोडा और अफीम जैसी नशीली वस्तुएं भी आसानी से उपलब्ध हो जाती है। हादसे के बाद सोमवार सुबह से ही प्रशासन द्वारा इन सभी अवैध ढाबों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। जनता ने मांग की है कि प्रशासन इन ढाबों के संचालकों पर सख्त कार्रवाई करे और भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं से बचाव के लिए नियमित निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

परिवार में तीन मौत पर मिलेंगे 25-25 लाख, अन्य को दस-दस लाख की आर्थिक सहायता

जोधपुर, (कासं)। फलोदी-मतोड़ा मार्ग पर रविवार की देर शाम हुए भीषण सड़क हादसे में जोधपुर के सूरसागर स्थित नैनची बाग के रहने वाले 15 लोगों की दर्दनाक मौत के बाद सोमवार को शहर के एम्स और महात्मा गांधी चिकित्सालय की मोर्चरी में शवों को कार्रवाई के बाद परिजन को सुपुर्दगी का सिलसिला दोपहर में हुआ। इधर राज्य सरकार ने परिवार में तीन मौतों पर 25-25 लाख और एक सदस्य वाले परिवार को दस-दस लाख की आर्थिक सहायता की घोषणा की है।

राजस्थान सरकार के शिक्षा (विद्यालयी/संस्कृत) एवं पंचायती राज मंत्री तथा जोधपुर-फलोदी प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने फलोदी-मातोड़ा मार्ग पर हुई सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिवार एवं घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। प्रभारी मंत्री दिलावर ने कहा कि शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार मृतकों के परिजनों के साथ खड़ी है।

■ **रात में मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठे रिश्तेदार और परिजन**

उन्होंने मृतकों के परिवार को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता तथा घायलों को 2-2 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

रविवार की रात में शवों को जोधपुर के एम्स और एमजीएच लाए जाने के बाद मृतकों के परिजन, रिश्तेदार और माली समाज के लोग अस्पतालों में मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ गए। वे राज्य सरकार से उचित मुआवजा की मांग कर रहे थे। सुबह भी लोग धरने पर बैठे रहे। बाद में सहायता राशि की घोषणा उपरांत परिजन शांत हुए और धरना हटा दिया गया।

नवजात शिशु का शव पानी में तैरता हुआ मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के सालरिया गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक नवजात शिशु का शव पानी में तैरता हुआ पाया गया। यह बच्चा जन्म के बाद ही गोबर के साथ पानी में फेंका गया था। ग्रामीणों ने शव की सूचना तुरंत कोटड़ी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर कोटड़ी चिकित्सालय में पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

■ **यह बच्चा जन्म के बाद ही गोबर के साथ पानी में फेंका गया था**

एएसआई कैलाश चंद्र प्रजापत ने बताया कि मृतक बच्चा पांच से सात दिन पुराना हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चे को जन्म के बाद मां ने उसे अपनी आंचल में भी नहीं रखा और सर्द मौसम में छोड़ दिया। कुछ ग्रामीणों ने यह भी अनुमान लगाया कि बच्चे को गोबर की रोड़ी के अंदर फेंका गया होगा। पुलिस ने अज्ञात माता के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना मां की ममता पर गहरा सवाल उठाती है, जहां इतनी कोशिशों और मन्नतों के बाद भी एक नन्हा जीवन छीन लिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह चंबल परियोजना की टंकी से पानी की सप्लाई चालू करने गए व्यक्ति ने पानी में शव तैरता देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस जांच कर रही है कि यह नवजात किसने और क्यों छोड़ा। गांव में बड़ी संख्या में लोग जुटे हुए हैं और इस घटना ने समाज को झकझोर कर रख दिया है।

घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

फलोदी हादसे के 12 मृतकों की एक साथ निकली अंतिम यात्रा

जोधपुर, (कासं)। फलोदी में रविवार शाम हुए भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की मोक्ष धाम में जब एक साथ 12 चिता जली तो चीख-पुकार मच गई। बड़ी संख्या में लोग मृतकों को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी मोक्षधाम पहुंचकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना भी दी। इससे पहले नैणची बाग के खटुकड़ी का बास में एक घर में छह शव पहुंचे तो परिवार वाले चीखने लगे। खुश सांखला, उसकी मां मधु सांखला, गीता, सानिया, दिशा और रामेश्वरी की अर्थियां एक साथ उठीं। पूरे मोहल्ले और आसपास के इलाकों के लोग पहुंचे थे। सबकी आंखें नम थी।

■ **शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मोक्षधाम पहुंचकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की**

दर्दनाक हादसे के बाद सोमवार को जब जोधपुर के नैणची बाग (सूरसागर) के खटुकड़ी का बास में एक साथ छह शव पहुंचे तो चीख-पुकार मच गई। यहां पूरे मोहल्ले और आसपास के इलाकों के लोग पहुंचे थे। सबकी आंखें नम थीं। इसके बाद जब एक साथ छह अर्थियां मोहल्ले से निकली तो परिजनों की चीत्कार सुनकर सभी का कलेजा फट गया। अंतिम यात्रा में सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी, संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल, पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं लोग उपस्थित रहे।

जानकारी के अनुसार रविवार को फलोदी में हुए सड़क हादसे में 15 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इसमें से 14 श्रद्धालु नैणची बाग के रहने वाले थे। सोमवार सुबह ग्रीन कॉरिडोर बनाकर सभी शवों को घरों तक पहुंचाया गया। जोधपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मोर्चरी से जब एक साथ कई एंबुलेंस निकली तो लोगों की आंखें नम हो गई। सूरसागर के नैनची बाग में रात से ही सन्नाटा और मातम पसरा रहा। इस भीषण हादसे में दिशा पत्नी उम्मेद, सजन कंवर पत्नी ओमप्रकाश, लता पत्नी छंवरलाल, टीना पत्नी विनोद, उर्मिला पत्नी रामसिंह, मीना पत्नी दीनदयाल, दिव्या पत्नी कार्तिक, मधु पत्नी रविंद्र, प्रणव पुत्र जितेंद्र, गाड़ी का चालक पाल बालाजी अमरावती नगर निवासी फतेहपुरी पुत्र दौलतपुरी, रूद्राक्ष पुत्र राजेंद्र सांखला, सानिया पत्नी दिलीप, खुश सांखला पुत्र रविंद्र सांखला, रामेश्वरी पत्नी मूलाराम एवं गीता पत्नी गोविंद की मौत हो गई थी। हादसे में घायल तारा पत्नी राजेंद्र, गुंजन उर्फ फूलवंती पत्नी उमेश को घायल हुए थे, जिनका एमडीएम अस्पताल में उपचार चल रहा है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने फलोदी के मतोडा क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है। वहीं राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने भी हादसे में सूरसागर के पंद्रह लोगों की दर्दनाक मौत के समाचार पर गहरा दुःख जताया। राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने इस दुर्घटना को हृदय विदारक घटना बताते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को मोक्ष प्रदान करते हुए अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने एवं उनके परिजनों को इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति व आत्मबल प्रदान करने की कामना की।

ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी, एक जने की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। रविवार देर शाम शाहपुरा-केकड़ी सड़क मार्ग पर रहड़ में एक ट्रक ने चलती बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में मौके पर बाइक सवार बन्ना लाल माली की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शाहपुरा चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। सोमवार मृतक बन्ना लाल माली के शव के पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों एवं ग्रामीणों द्वारा मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान कांग्रेस विधायक प्रत्याशी नरेंद्र रैगर, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष पंकज सुगंधी, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र बोहरा, एडवोकेट कमलेश मुंडेतिया, धर्मीचंद जाट की मौजूदगी में पीड़ित परिवार को सहयोग व मुआवजा दिलवाने पर सहमति बनी, फिर शव का पोस्टमार्टम का हुआ। इस दौरान थानाधिकारी सुरेश कुमार मय जाब्ता मौजूद रहे। वहीं दो घायल हीरालाल माली व भैरूलाल माली का चिकित्सालय में ईलाज जारी है।

सादुलपुर में भाजपा जिला मंत्री की गाड़ी पर हमला

सादुलपुर, (निसं)। भाजपा जिला मंत्री डॉ. कौशल पूनियां की गाड़ी पर दो अज्ञात आरोपियों द्वारा पत्थर फैंक कर हमला करने का मामला सामने आया है। वहीं घटना के दौरान उनकी गाड़ी के सीसे टूट गये, मगर गनीमत रही की उन्हेंचोटें नहीं आई। जानकारी के अनुसार भाजपा जिला मंत्री डॉ .कौशल पूनियां ने इस संबन्ध में राजगढ़ थाने में रिपोर्ट पेश की है। रिपोर्ट में बताया है कि डॉ. कौशल पूनियां (भाजपा जिला मंत्री विधानसभा क्षेत्र सादुलपुर) पुत्र रामप्रताप पूनियां निवासी लुदी झाबर तहसील राजगढ जिला चूरू से खेमाणा रोड जाट भवन के पास शादी समारोह में शामिल होने के लिए निकला तो दो अनजान लड़कों ने उनकी गाड़ी पर पत्थर से हमला कर आगे का शीशा तोड दिया एवं पार्टी के ध्वज डण्डी को मरोड़ दिया तथा दोनों लडके वहां से भाग गये।

गृह राज्यमंत्री बेढ़म ने स्कूल के बच्चों संग 15 किमी का सफर किया

डीग/भरतपुर, (निसं)। राजनीति की व्यस्त दिनचर्या और प्रोटोकॉल से परे सोमवार को गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म का एक अत्यंत सहज, सरल और वात्सल्यपूर्ण रूप देखने को मिला। एक आधिकारिक कार्यक्रम में जा रहे बेढ़म ने जब रास्ते में एक स्कूल बस देखी, तो वे खुद को रोक नहीं पाए। उन्होंने तुरंत अपना काफिला रुकवाया और बच्चों से मिलने के लिए सीधे स्कूल बस में जा बैठे। यह अप्रत्याशित क्षण उन स्कूली बच्चों के लिए एक अविस्मरणीय स्मृति बन गया।

■ **मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मिठाई बांटी, सादगी और वात्सल्य की पेश की एक मिसाल**

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म अपने निर्धारित कार्यक्रम के लिए जा रहे थे। तभी उनकी नजर सड़क से गुजर रही एक स्कूल बस पर पड़ी। बच्चों को देखकर, उन्होंने अपनी गाड़ी रुकवाई और बिना किसी औपचारिकता के बस में सवार हो गए। मंत्री को अचानक अपने बीच पाकर बच्चे पहले तो आश्चर्यचकित हुए, लेकिन अगले ही पल बस का माहौल ठहाकों और खुशी से गूंज उठा। बेढ़म बच्चों के बीच एक मंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि एक अभिभावक की तरह बैठे। उन्होंने बच्चों से एक-एक कर उनका नाम पूछा और अपने हाथों से सभी को मिठाई खिलाई। बच्चे भी अपने जवाहर अंकल का यह प्रेम पाकर बेहद खुश नजर आए। बच्चों ने भी उन्हें तुरंत पहचान लिया और जवाहर सिंह बेढ़म कहकर उनका अभिवादन किया। गृह राज्य मंत्री ने करीब 10 से 15 किलोमीटर का सफर बस में ही तय किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई-लिखाई के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बच्चों से पूछा कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं, जिस पर किसी ने आईएएस तो किसी ने सरपंच बनने की इच्छा जताई। बेढ़म ने इस दौरान बच्चों के साथ अपने बचपन के अनुभव भी साझा किए और उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसी खिलखिलाते माहौल में जब मंत्री बेढ़म ने बच्चों से पूछा कि आपका फेवरेट नेता कौन है? तो सभी बच्चों ने एक स्वर में निश्छल भाव से जवाब दिया, मोदी सबसे अच्छे नेता हैं। बच्चों का यह मासूम और ईमानदार जवाब सुनकर बेढ़म भी मुस्कुरा उठे।

गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढ़म ने बच्चों को मिठाई खिलाई।

आर्मी के ट्रक से टकराई कार, एक की मौत

बीकानेर, (निसं)। यहां सोमवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा सुबह करीब आठ बजे बीकानेर-सूरतगढ़ मार्ग पर हुआ, जब स्विफ्ट कार और आर्मी ट्रक की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में सूरतगढ़ निवासी रवि की मौत हुई, जबकि उसका साथी घायल हुआ है। घायल को पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

प्रारंभिक जांच के अनुसार बीकानेर की ओर से आ रही स्विफ्ट कार ने अचानक नियंत्रण खो दिया और सामने से आ रहे आर्मी ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के तुरंत बाद थानाधिकारी रवि मीना पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। सूचना मिलने पर आरपीवी टीम भी घटनास्थल पर पहुंची।पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है, जहां परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, हादसे की वजह कार चालक द्वारा अचानक वाहन मोड़ना बताई जा रही है।

शराब से भरी कार जब्त, एक गिरफ्तार : उदयपुर के खेरवाड़ा थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अवैध शराब से भरी कार को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। खेरवाड़ा थानाधिकारी दलपतसिंह राठौड़ के नेतृत्व में गठित दल ने नाकाबंदी के दौरान कार को रोक तलाशी ली तो उसमें 35 कार्टन शराब के मिले। पूछताछ करने पर संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर कार मय शराब जब्त कर चालक जसवंतसिंह पुत्र प्रतापसिंह को गिरफ्तार किया। बरामद शराब की बाजार किमत चार लाख रूपये बताई जाती है।

265 बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर आपराधिक प्रवृत्ति के दो सौ पैसठ बदमाशों को गिरफ्तार किया। 390 से अधिक पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की 92 टीम ने जिले में 645 से अधिक स्थानों पर दबिश देकर 265 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। जिनमें स्थाई वारंटी, गिरफ्तारी वारंटी, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, लूट, हत्या का प्रयास, आबकारी एक्ट व सामान्य प्रकरण सहित अन्य जघन्य अपराधों में वांछित 77 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

मोबाइल टावरों से मशीनें चोरी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाना पुलिस ने मोबाइल टावरों से लाखों रुपये की महंगी मशीनें चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की गई एयरटेल कंपनी की मशीन बरामद की है। थानाधिकारी जय कुमार भादू ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शातिर है तथा अनेक शहरों में मोबाइल टावरों से मशीन चोरी की घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि मामले में आरोपी सचिन पुत्र ईश्वर सिंह व अमरजीत स्वामी को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ कर न्यायालय में पेश किया। जहां न्यायधीश ने दोनों आरोपियो को जेल भेजने के आदेश दिए हैं।

थानाधिकारी जय कुमार भादू ने बताया कि पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने तहसील के गांव नुहंद में लगे मोबाइल टावर से ही नहीं बल्कि जयपुर-दिल्ली, अजमेर, सीकर व उदयपुर-सिरोही राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगे कई मोबाइल टावरों से भी महंगी मशीनें चोरी की थी। पुलिस ने आरोपियो के कब्जे से लाखों रुपये मूल्य की एयरटेल कंपनी की मशीन बरामद की है। थानाधिकारी भादू ने बताया कि दोनों अभियुक्त पेशेवर चोर हैं, जो लंबे समय से मोबाइल टावरों पर लगी महंगी मशीनों को निशाना बनाते आ रहे थे।

सर्पदंश से महिला की मौत

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना अन्तर्गत गांव लुटाणा पूर्ण में कृषि कार्य करते समय सांप के काटने के एक महिला की रविवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि महेन्द्र सिंह पुत्र मुन्शीराम जाट निवासी लुटाणा पूर्ण ने राजगढ़ थाने में दी रिपोर्ट में बताया है कि एक नवम्बर को उसकी चाची ओमपति पत्नी स्व. महावीर सिंह को खेत में बुआई करवाने के समय बाजरे के पुले उठा रही थी तथा पुले उठाते समय सांप ने उसे काट लिया।

''मूछें हो तो नत्थूलाल जैसी'' पुष्कर मेले में फिर छाया डायलॉग

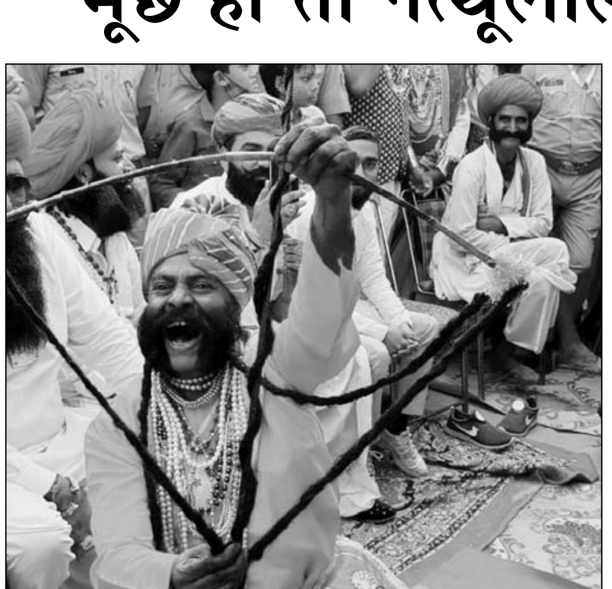

मुच्छड़ मोहन सिंह ने 86 इंच लम्बी मूछ से धनुष बान चलाया।

विदेशियों के लिये साफा बांध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

देसी और विदेशियों के बीच क्रिकेट मैच रखा गया।

पुष्कर, (निसं)। ''मूछ हो तो नत्थू लाल जैसी'' का डायलॉग आपने फिल्मों में सुना होगा, लेकिन पुष्कर मेले में कई मुच्छड़ जुटे और अपनी सबसे सुंदर, लंबी मूछ होने का दावा किया। यह मूंछ प्रतियोगिता भले ही राजस्थान और भारतीयों के लिए रखी गई हो, लेकिन सबसे ज्यादा लोकप्रिय यह प्रतियोगिता विदेशियों में देखी गई।

मेले में विदेशी पर्यटकों को भारतीय संस्कृति से रूबरू कराने के लिए मूंछ प्रतियोगिता आयोजित की गई। खचाखच विदेशियों से भरे इस पवेलियन में हजारों की तादाद में मूंछ प्रतियोगिता के विदेशी गवाह बने। इस प्रतियोगिता में 33 प्रतियोगियों ने भाग लिया, जिसमें नौ राजस्थान के ही रहने वाले और देश के अन्य जगहों से आए लोगों ने भाग लिया। मूंछ प्रतियोगिता के सरताज कौन बनेगा, इसका राज आज शाम को इवेंट में आरटीडीसी की ओर से बताया जाएगा। इस प्रतियोगिता को देखकर विदेशी पर्यटक चकित रह गए और आश्चर्य करने लगे भारत में लोग अपनी मूछों पर कितना ध्यान देते हैं। प्रतियोगिता देखकर आनंदित हुई इंग्लैंड के रहने वाले पर्यटक ने बताया कि उसने इस प्रकार की प्रतियोगिता अपनी जिंदगी में कहीं नहीं देखी। केवल पुष्कर मेले में ही देखी है जिसे देखकर बहुत आनंद आया और यहां तक कि रहने वाली इस महिला ने तो रामसिंह कि मूंछ पकड़कर अपने होठों पर भी लगाकर सेल्फी खिंचवाई। प्रतियोगिता में अपनी मूछों को लेकर मूंछ रखने वाले अलग-अलग प्रतियोगियों ने बताया एक छोटे बच्चों की तरह पालते हैं और मूछ और दाढ़ी का एक भी बाल गिरने नहीं देते। मूछों के लालन-पालन के लिए कई प्रकार के तेल व अन्य वस्तुओं का उपयोग में लेकर उन्हें तरोताजा बनाए रखते हैं। आरटीसी के अधिकारी प्रद्युमन सिंह ने बताया कि विजेताओं को पर्यटन विभाग की ओर से नगद राशि एक मोमेंटो पुरस्कार शाम के इवेंट के दौरान दिया जाएगा।

विदेशियों को पसंद आई साफा बांध प्रतियोगिता

राजस्थान टूरिज्म विभाग की ओर से विदेशियों में साफा बांध प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया। यह आयोजन भारतीय संस्कृति राजस्थानी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए आयोजित किया जाता है। प्रथम भारतीय आने वाले को अंत में इनाम भी दिया जाता है। रसिया की ओल्गा और नीदरलैंड का जोड़ा द्वितीय रहे। जबकि प्रथम अर्जेंटीना की कैथरीना और उसका पार्टनर पाब्लो रहे। इस कार्यक्रम को देखने के लिए हजारों की तादाद में देसी और विदेशी पर्यटक मौजूद थे।

देशी ने विदेशियों को क्रिकेट मैच में धूल चटाई

पुष्कर के मेला मैदान में देसी और विदेशियों के बीच ''लगान मैच'' की तर्ज पर क्रिकेट मैच रखा गया, जिसमें देसी लड़कों ने विदेशी मेहमानों को धूल चटा दी। यह मैच इसलिये खेला जाता है जिससे कि ज्यादा से ज्यादा टूरिस्ट पुष्कर मिले की ओर आकर्षित हो और ज्यादा दिन रुककर मेला देख सके। इससे टूरिज्म भी बढ़ता है। पशुपालन विभाग की ओर से यह आयोजन किया जाता है। जिसमें शिक्षा विभाग से जुड़े प्रशिक्षण के अधिकारी व कर्मचारी इस मैच को कराते हैं। विदेशियों ने पहले बैटिंग करते हुए 103 रन बनाए जबकि देसी लड़कों ने 6 ओवर में ही 104 रन बनाकर विजय हासिल कर ली। पशुपालन विभाग के अधिकारी कुलदीप अग्रवाल ने बताया कि मैच की समाप्ति के बाद दोनों टीमों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

'रक्तांचल पर्वत पर्यटन स्थल का स्थान ले लेगा'

रक्तांचल पर्वत पर सीढ़ियों का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित

निवाई, (निसं)। श्री श्याम धर्मार्थ सेवा संस्थान के तत्वावधान में रक्तांचल पर्वत सीढ़ियों का मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी, जिला प्रमुख सरोज बंसल, भाजपा शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा व संत रामकृष्ण वेदांती महाराज द्वारा फीता काटकर विधिवत लोकार्पण किया गया।

लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि आगामी समय में रक्तांचल पर्वत पर्यटन स्थल का स्थान ले लेगा। उन्होंने कहा कि पर्वत पर श्री किलेश्वर महादेव व पंचमुखी हनुमानजी विराजित हो गए हैं। यहां पहुंचने के लिए श्री धर्मार्थ सेवा संस्थान द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सीढियों व रेम्पों का निर्माण कार्य पूर्ण करवाया है। इससे श्रद्धालु आसानी से पहाड़ पर पहुंच सकेंगे।

संस्थान के अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने बताया कि लोकार्पण समारोह को लेकर किलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें करीब 25 हजार शहरवासी व अन्य श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। सुबह से ही पहाड़ पर मेले जैसा माहौल दिखाई दिया। भण्डारे में शामिल होने जा रहे लोग हर हर महादेव व हनुमानजी के जयकारे लगाते हुए चढ़ रहे थे। छोटे-छोटे बच्चों से लेकर 60 से अधिक आयु के बुजुर्ग भी प्रसादी ग्रहण करने व बाबा भोलेनाथ के दर्शनों के लिए सीढियां चढ़ते हुए दिखाई दिए। कार्यक्रम की व्यवस्था देख रहे कार्यकर्ताओं ने बताया कि भण्डारे को लेकर पर्वत पर लिफ्ट द्वारा सामग्री चढ़ाई। समारोह के दौरान निश्चित अवधि में सीढियों का निर्माण कार्य पूर्ण करने वाले ठेकेदार घनश्याम शर्मा, रैलिंग व प्रवेश द्वारों का कार्य व रंग रोगन कार्य पूर्ण करने मिस्त्रियों का अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। इस दौरान विधायक रामसहाय वर्मा, जिला प्रमुख सरोज बंसल, भाजपा शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा व संत रामकृष्ण वेदांती महाराज सहित कई अतिथियों ने पहाड़ पर विराजमान श्री किलेश्वर महादेव व पंचमुखी हनुमानजी के दर्शन करके प्रसादी ग्रहण की।

■ **किलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन, करीब 25 हजार शहरवासी व अन्य श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की**

संक्षिप्त

गणना प्रपत्र भरवाने का चरण आज से

कोटपूतली। राजस्थान सहित 12 राज्यो में मंगलवार से विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर के तहत बीएलओ घर-घर जाकर सर्वेक्षण का काम शुरू करेंगे। उक्त कार्य के संबंध में सुपरवाइजर एवं बीएलओ के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका गोस्वामी ने बाबा नारायणदास शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय विराटनगर एवं राजकीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय कोटपुतली में प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए. उन्होंने फॉर्म वितरण व्यवस्था का जायजा लेकर समस्त सुपरवाइजर और बीएलओ से कहा कि प्रशिक्षण के दौरान दी गई जानकारी का गहनता से अध्ययन करें, किसी संशय की स्थिति में नहीं रहे प्रशिक्षण देने वाले अधिकारियों से चर्चा करें, उक्त कार्य को जिम्मेदारी से निभाने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरते, अपने दायित्वों को अच्चेसे समझे. कोई भी पात्र व्यक्ति का गणना प्रपत्र छूटे नहीं और अपात्र व्यक्ति जुड़े नहीं इस बात की सावधानी रखी जावे। उन्होंने कहा कि मैपिंग के कार्य में पीछे रहने वाले बी एल ओ अधिक गति के साथ साथ करे. साथ ही निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अक्षरश पालना सुनिश्चित करने को कहा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल सुपरवाइजर और बी एल ओ से चर्चा करते हुए बताया कि 4 नवबंर से 4 दिसंबर तक की यह अवधि काफी अहम है क्योंकि इसमें राज्य के सभी बीएलओ मतदाताओं के घर-घर पहुंचकर उनसे 2 प्रतियों में गणना प्रपत्र भरवाएंगे जिसमें से एक प्रति रसीद के तौर पर मतदाता के पास ही रहेगी । उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत गणना प्रपत्र काफी आसान बना दिया है।

सहायता शिविर 7 नवम्बर को

दौसा। जिला स्तरीय रोजगार सहायता शिविर एवं कैरियर वार्ता का आयोजन 7 नवम्बर, शुक्रवार को जिला रोजगार कार्यालय परिसर में किया जाएगा। इसमें विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी कंपनिया भाग लेगी। शिविर में भाग लेने वाले आशार्थियों का क्यूआर कोड की सहायता से रजिस्ट्रेशन ऑनलाईन किए जा रहे हैं। जिला रोजगार अधिकारी श्याम लाल शर्मा ने बताया कि इस एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर एवं कैरियर वार्ता का आयोजन रोजगार सेवा निदेशालय जयपुर के निर्देशानुसार किया जा रहा है।

रोजी को मिला आयरन लेडी अवार्ड

शाहपुरा । रोजी पहली ट्रांसजेण्डर महिला है जिन्हें आयरन लेडी अवार्ड मिला है। रोजी महिलाओं को सशक्त करने के लिए एक एनजीओं भी चलाती है "नई सोच नई शक्ति" इनका मुख्य उद्देश्य ट्रांसजेण्डर समुदाय को समाज की मुख्य धारा से जोडना है। यही नहीं ये अपने एनजीओं के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को हर प्रकार की मदद भी उपलब्ध कराती है जिससे वे अभावों से निकलकर समाज में इज्जत की जिंदगी जी सके। इस काम में इन्हें कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ा लेकिन रोजी ने कभी पीछे मुड कर नहीं देखा। यही कारण है कि आज इन्हें समाज का सहयोग एवं सफलता भी मिल रही है। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच एवं इंडो-नेपाल समरसता संगठन के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर के रोटरी भवन सभागार में वैश्विक शांति समरसता सम्मेलन एवं विचार प्रस्तुति का भव्य आयोजन किया गया था।

सवाई जयसिंह की जयंती मनाई

चाकसू। कस्बे की सूर्या कॉलोनी में महाराज सवाई जयसिंह द्वितीय की जयंती मनाई । एडवोकेट अर्जुन सिंह राजावत हिंगोनिया संयोजक भाजपा विधि प्रकोष्ठ जयपुर जिला देहात दक्षिण ने बताया कि महाराजा सवाई जयसिंह जी द्वितीय जैसे महानायक सदैव अपनी संस्कृति और जड़ों से जुड़े रहे। उनकी शौर्य, कूटनीति और दूरदृष्टि ने न केवल जनता का दिल जीता बल्कि कई राजा महाराजा भी प्रभावित थे।

नम्बर मिलाइए
9587884433

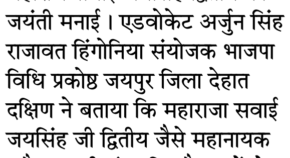

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मूलभूत समस्याओं को लेकर सेवर कस्बे के लोगों ने नगर निगम के खिलाफ धरना दिया

भरतपुर (निस)। भरतपुर के सेवर कस्बे में स्थानीय निवासी अपनी मूलभूत समस्याओं को लेकर नगर निगम के खिलाफ धरने पर बैठे हैं। लोगों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाएंगी, वे धरना स्थल से नहीं उठेंगे।

■ क्षेत्र में लंबे समय से ड्रेनेज और गंदे पानी की निकासी की समस्या बनी हुई है, जिससे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। पार्षद नीरज चौधरी ने कहा कि सेवर हॉस्पिटल रोड से लेकर राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केंद्र तक ड्रेनेज सिस्टम और गंदे पानी की निकासी की उचित व्यवस्था की जाए, ताकि क्षेत्र में स्वच्छता और स्वास्थ्य की स्थिति सुधर सके।

भरतपुर में नगर निगम के खिलाफ धरना, ड्रेनेज और सफाई व्यवस्था सुधारने की उठी मांग।

सेवर वासियों ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से ड्रेनेज और गंदे पानी की निकासी की समस्या बनी हुई है, जिससे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। पार्षद नीरज चौधरी ने कहा कि सेवर हॉस्पिटल रोड से लेकर राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केंद्र तक ड्रेनेज सिस्टम और गंदे पानी की निकासी की उचित व्यवस्था की जाए, ताकि क्षेत्र में स्वच्छता और स्वास्थ्य की स्थिति सुधर सके। स्थानीय निवासियों ने यह भी मांग की कि जहां अंधेरा रहता है वहां नए पोल और लाइटें लगाई जाएं। साथ ही सेवर बाजार और गलियों में पेज वर्क, नालियों की सफाई और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। लोगों ने कहा कि वे अपनी समस्याओं का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं, लेकिन यदि उनकी मांगें अनसुनी रहीं तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

कोटपूतली। क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल ने सोमवार को निकटवर्ती ग्राम गोनेड़ा स्थित राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के नवनिर्मित भवन का बतौर मुख्य अतिथि लोकार्पण किया। इस मौके पर विधायक पटेल ने कहा कि स्वस्थ समाज ही समृद्ध राष्ट्र की नींव है। इसी भावना के साथ यह पहल जनसेवा की एक नई मिसाल स्थापित करेगी। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित सीएचसी भवन ग्रामीणों को उच्च स्तरीय, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। पटेल ने कहा कि इस भवन के लोकार्पण से स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। ग्राम गोनेड़ा में चिकित्सा केंद्र भवन के लोकार्पण से आसपास के विभिन्न गांवों के ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें सुलभ होंगी। इस नवीन भवन के आरंभ होने से ना केवल दवाओं की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित होगी, बल्कि अधिक मरीजों का ईलाज हो सकेगा।

आज से बीएलओ घर-घर पहुंचकर करेंगे फॉर्म वितरण व संग्रहण का कार्य

टोंक। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम जिले में 28 अक्टूबर से शुरू हो गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी कल्पना अग्रवाल ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का उद्देश्य मतदाता सूचियों को पूर्णत: सटीक, पारदर्शी और अद्यतन बनाना है, ताकि कोई पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से छूटे नहीं और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल नहीं रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र वितरण का कार्य 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक किया जाएगा। इस कार्य में स्वयं सेवक के रूप में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायतीराज एवं शहरी निकायों के कार्मिकों, एनसीसी, स्काउट गाइड आदि का सहयोग लिया जाएगा। साथ ही राजनैतिक दलों के बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं (बीएलए) को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा, विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत निर्वाचन विभाग द्वारा प्रत्येक मतदाता के लिए गणना प्रपत्र तैयार किए गए हैं। जिसे बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर पर पहुंचकर उपलब्ध करवाएंगे तथा गणना प्रपत्र भरवाकर वापस प्राप्त करेंगे। संबंधित मतदाता का विवरण प्राप्त करने में गत गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम वर्ष 2002 में तैयार मतदाता सूचियों से जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

जिला नर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अधिकांश मतदाताओं से कोई डॉक्यूमेंट लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बीएलओ 2002 की सूची के आधार पर मतदाताओं की मैपिंग कर रहे हैं। यदि किसी व्यक्ति से दस्तावेज लेना जरूरी हो तो वह बीएलओ को सहयोग करें। जिले में अब तक 70 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है। जिला प्रशासन का प्रयास यही है कि एसआईआर के अंतर्गत प्रत्येक पात्र मतदाता के मैपिंग का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो। उन्होंने यह भी कहा है कि एसआईआर में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों पर कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। साथ ही एक मतदाता केवल एक गणना प्रपत्र ही भर सकते हैं जिससे मतदाता सूचियों में डुप्लिकेसी भी दूर होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विगत एसआईआर की मतदाता सूची में यदि किसी मतदाता के माता-पिता या दादा-दादी का नाम सम्मिलित है तो उनके सटीक पारिवारिक संबंधों के आधार पर मैपिंग किया जा रहा है। उन्होंने ने स्पष्ट किया है कि इस प्रक्रिया में बीएलओ हर घर पहुंचेंगे।

आसानी से कार्रवाई संपादित करवाएंगे। आमजन को इस कार्य के लिए कहीं भी जाने की जरूरत नहीं है। वर्तमान में जिले में वर्तमान में कुल 1105 मतदान केन्द्र है, जिनमें 1105 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) कार्यरत है।

भाजपा की कार्यकारिणी घोषित, भाजपाइयों में असंतोष फैला

दौसा। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला द्वारा जिला कार्यकारिणी की घोषणा किये जाने के साथ ही विरोध के स्वरुप तेज हो गये है। जिला कार्यकारिणी में ब्राह्मण 5, वैश्य 5, एसटी 5, एससी 2 तथा बहुसंख्यक गुर्जर एवं सैनी समाज से मात्र 1-1 पदाधिकारी को शामिल किया गया है, जबकि अन्य समाजों की उपेक्षा की गई है। इधर जिला कार्यकारिणी में 30 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जानी थी, उसके स्थान पर जिला अध्यक्ष सहित कार्यकारिणी में मात्र 5 महिलायें शामिल की गई है।

उल्लेखनीय है कि भाजपा की जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने हाल ही में जिला कार्यकारिणी की घोषणा की है, जिसमें 8 उपाध्यक्ष, 3 महामंत्री, 7 मंत्री मनोनीत किये गये है। जिला कोषाध्यक्ष की नियुक्त नही की गई है। बताया जाता है कि जिला कार्यकारिणी में सभी समाजो को बराबर को प्रतिनिधित्व नही दिये जाने को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में गहरा आक्रोश व्याप्त हो गया है। भाजपा की गाईड लाईन के अनुसार जिला कार्यकारिणी के 20 पदाधिकारियो में से 30 प्रतिशत महिलाओ के लिए आरक्षित किये गये थे, 6 पदो महिलाओ की नियुक्ति की जानी थी, उसके स्थान में जिला अध्यक्ष सहित 5 महिलाओ को की नियुक्त की गई है। जिला कार्यकारिणी में गुर्जर व सैनी समाज से एक-एक पदाधिकारी मनोनीत किया गया है, जबकि जिले की पांचो विधानसभाक्षेत्रों में गुर्जर एवं सैनी समाज के निर्णायक मतदाता है। उधर जिला कार्यकारिणी में भी क्षेत्रवाद हावि रहा है, बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र से मात्र 2 व्यक्तियों को शामिल किया गया है। वही दौसा विधानसभा क्षेत्र से सर्वाधिक 6, सिकराय व महवा से 4-4 तथा लालसोट विधानसभा क्षेत्र से 3 पदाधिकारी शामिल किये गये है। जिला कार्यकारिणी में बहुसंख्यक समाज की जमकर उपेक्षा की गई है, इतना ही नही एससी में बहुत सारी जातियां है, उसमें से मात्र एक जाति को ही प्रतिनिधित्व दिया गया है। भाजपा कार्यकर्ता दबे स्वर में आवाज उठा रहे है कि सम्पूर्ण जिले में वैश्य समाज के मात्र एक प्रतिशत मतदाता है, बावजूद इसके जिला कार्यकारिणी में जिला अध्यक्ष सहित पांच वैश्य समाज को प्रतिनिधित्व दिया गया है। जिला कार्यकारिणी को लेकर भाजपा में असंतोष फैल गया है तथा दबे स्वर में बोल रहे है कि भाजपा को राजपा में विलयीकरण हो गया है। इतना ही नही विधानसभा चुनावों में पार्टी की खिलाफत करने वालो को जिला कार्यकारिणी में स्थान दिये जाने के भी आरोप लगाये जा रहे है। जिला कार्यकारिणी में राजपूत एवं एससी की अन्य जातियों को स्थान तक नही दिया गया है।

अब देखना ये है कि भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला कार्यकर्ताओं को असंतोष दूर कैसे करती है। उधर पार्टी में व्याप्त असंतोष को दूर नही किया गया तो शीघ्र ही इसका असर निकाय एवं पंचायत राज चुनावों में भी देखने को मिल सकता है।

परिगणना पत्र भरवाने का प्रशिक्षण

दौसा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सोमवार को जिला परिषद सभागार में दौसा विधानसभा क्षेत्र का द्वितीय ब्रीफिंग सत्र (प्रशिक्षण) कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी संजू मीणा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चुनाव आयोग के नवीनतम निर्देशों के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए तथा परिगणना प्रपत्र को भरवाने को हैंड्स ऑन प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि सभी बीएलओ 4 नवंबर को फील्ड में घर-घर जाकर मतदाताओं को परिगणना प्रपत्र वितरण करेंगे तथा उन्हें भरवाकर पुन: कार्यालय में जमा करवाएंगे। निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने सभी बीएलओ को निर्देश दिए है कि वह घर-घर सर्वेक्षण के दौरान मतदाता सूची में नए मतदाता का नाम जोडने एवं सुधार करने तथा मृत्यु एवं स्थानांतरित मामलों में मतदाताओं का नाम विलोपित करने का कार्य पूरी पारदर्शिता से करेंगे।

खोया पाया

भूखण्ड संख्या बी-145, योजना पन्नाधाय नगर का आवंटन पत्र कहीं खो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें। अन्जु यादव, मो. 8306948306

भूखण्ड संख्या ए-162, योजना केदार विहार का आवंटन पत्र कहीं खो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें। प्रहलाद रैगर, मो. 9928737273

भूखण्ड संख्या एच-504, योजना केदार विहार का आवंटन पत्र एवं कब्जा पत्र कहीं खो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें। अर्जुन लाल बैरवा, मो. 8385883806

The Original Documents Issued by Mitra Grah Nirman Sahakari Samiti, Jaipur For My Plot No-46, Yadav Nagar, Panipech, Have Been Lost Somewhere in the Banipark Area. If Found, Please inform Rohtash 6378062251

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम सुल्ताना कुरैशी (Sultana Qureshii) से बदलकर सुल्ताना बैगुम (Sultana Begum) रख लिया है। भविष्य में मुझे मेरे नये नाम सुल्ताना बैगुम (Sultana Begum) पत्नी श्री सलीम कुरेशी के नाम से जाना जावे। निवासी-मकान नम्बर-41, विवेकानन्द कॉलोनी, आदर्श नगर, नियर सीमा होटल, जयपुर, राजस्थान

मै सईद मोहम्मद पुत्र श्री अब्दुल गफुर निवासी-4, कागदी मोहल्ला, सांगानेर, जयपुर (राज.) मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम गलती से शायद मोहम्मद हो गया है यह दोनों नाम मेरी ही है सईद मोहम्मद व शाहिद मोहम्मद एक ही व्यक्ति है। मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना जाए।

I have changed my name from Kaushik Kumar Bhardwaj to Kaushik Bhardwaj for all purposes.R/o D-263 Royal Aangan Society Harbanspura Jaisinghpura Ajmer Road Jaipur-302026

I Mohammed Farjad S/o Nizamuddin plot no 2231 chhappar bandon ka rasta ghat gate Jaipur Have Changed Name MOHAMMED FARZAD to MOHAMMED FARJAD

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण मीनाक्षी शर्मा व अनुराग शर्मा द्वारा श्रीमती पुष्पा उपाध्याय पत्नी श्री शिवदत्त उपाध्याय निवासी प्लाट नम्बर 94, अग्रसेन नगर, महेश नगर जयपुर से उनके स्वामित्व व आधिपत्य की सम्पत्ति प्लाट नम्बर 37 (मय निर्माण), प्रेम नगर विस्तार, मंगल विहार के पास, गोपालपुरा बाईपास रोड जयपुर राज. में स्थित है जिसका कुल क्षै0 300.17 वर्गगज है को खरीद करने का इकरार किया है यदि उक्त सम्पत्ति के विक्रय से किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था आदि को किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति (मय दस्तावेज) प्रस्तुत कर, सम्पर्क करे, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नही होगी।
जयपुर (रामेश्वर सिंह राठौड़) एडवोकेट
दिनांक:-03.11.2025 मो.नं. 9829256466

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री हुकमदार खां पुत्र श्री बलीयार खां निवासी- मकान नम्बर 5, मोहनपुर ईलाका रामपुर, फरीदपुर बरैली, उत्तर प्रदेश हाल- 733, बारियों का बाग, मौहल्ला नालबंदान, सुभाष चौक, जयपुर का पुत्र साहिल खान व उसकी पत्नी सुहाना बी दोनो मेरे मुवक्किल के कहे में नही है तथा दोनो ही आपस में छोटी छोटी बातों पर झगड़ा करते है तथा मेरे मुवक्किल के द्वारा समझाने पर ये दोनों मेरे मुवक्किल व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गाली गलोच व झगड़ा करते है तथा बदतमीजी भी करते है जिस कारण मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र व पुत्रवधु को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से एवं अपने परिवार से बेदखल कर दिया है और मेरे मुवक्किल के पुत्र व बहु से सभी संबंध समाप्त कर दिये है, जो कोई व्यक्ति मेरे मुवक्किल के पुत्र साहिल खान व बहु सुहाना बी से किसी भी तरह का सनव्यवहार करेगा उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा। कृपया सूचित रहे। भवदीय (फिरोज हुसैन) एडवोकेट, मो.- 9214443782

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे अभिभाष्य सुभाष चन्द गुप्ता पुत्र श्री लल्लू राम गुप्ता, निवासी 42-ए, कृष्णा नगर, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर, राज. का पुत्र नमन गुप्ता, आयु 26 वर्ष, पुत्र श्री सुभाष चन्द गुप्ता मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है, उसका चाल-चलन ठीक नही है व बुरी संगत में है, मेरे अभिभाष्य के काफी समझाने के बावजूद भी मनमानी करता है, कुछ समय से मेरे अभिभाष्य व उनके परिवार से अलग अन्यत्र निवास कर रहा है। मेरे अभिभाष्य ने काफी समझाईश की परन्तु नमन गुप्ता के नहीं मानने पर मेरे अभिभाष्य ने हैरान व परेशान होकर मजबूरीवश नमन गुप्ता से अपने समस्त पारिवारिक सम्बन्ध समाप्त करके उसको अपने उत्तराधिकार व वारिसाना हक से तर्क करके अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियो से बेदखल कर दिया है, अब नमन गुप्ता का मेरे अभिभाष्य व उनके परिवारजनो से किसी भी प्रकार से कोई सम्बन्ध व सरोकार नही रहा है और भविष्य मे भी नही रहेगा। भविष्य मे नमन गुप्ता अपने कृत्यो व वाद-विवाद का स्वयं जिम्मेदार होगा, जो कोई भी नमन गुप्ता से किसी भी प्रकार का लेन-देन, संव्यवहार या अन्य कार्य करेगा, तो उन सबके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा, उसमें मेरे अभिभाष्य व उनके परिवारजनों की किसी भी प्रकार का उत्तरदायित्व या देनदारी नही होगी।
(अब्दुल कादर) एडवोकेट, मो.-9829240442

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:8284 जाहिर आम-सूचना दिनांक:03.11.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 32/468 (MIG-A), (एरिया 90.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री वैध ऋषि कुमार शर्मा पुत्र श्री राम दयाल शर्मा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1373 दिनांक 13.12.1991 को जारी किया गया। श्री वैध ऋषि कुमार शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 11.11.2005 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये । श्री वैध ऋषि कुमार शर्मा की मृत्यु दिनांक 10.10.2018 को हो जाने के कारण हकत्याग पत्र के आधार पर इनके पुत्र श्री भुवनेश वशिष्ठ पुत्र स्व. श्री वैध ऋषि कुमार शर्मा द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री भुवनेश वशिष्ठ पुत्र स्व. श्री वैध ऋषि कुमार शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल मुकेश कुमार पु. श्री चेताराम निवासी 114, निम्नी रोड, नॉगल तुलसीदास, ढाणी चेतावाली, बिसौरी जयपुर ने अपने पुत्रान नरेन्द्र मरोडिया व यशपाल मरोडिया, पुत्रीया चंचल मरोडिया, नीलम मरोडिया को अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर अपने सभी संबंध समाप्त कर लिये है क्यो कि मेरे पुत्र व पुत्रीया मेरे कहने में नही है और ना ही मेरे साथ निवास करते है इसलिए भविष्य में उनका मेरे मुवक्किल से कोई वास्ता किसी प्रकार से नही रहेगा अगर कोई व्यक्ति उनसे लेन देन या सम्व्यवहार करता है तो उसके लिए मेरे मुवक्किल कतई जिम्मेदार नही रहेगे।
जयपुर (अरशाद खान) एडवोकेट
दिनांक : 2/11/25 मो.-9351935379

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/855
चूंकि प्रार्थी श्री OM PRAKASH KULHARI, 602 (O), Vishwamitra Marg, Hanuman Ngr. Extn., Khatipura, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास कल्प सेन्टर फॉर अनफोल्डिंग लर्निंग पोटेंशियल्स, 602 (O), Vishwamitra Marg. Hanuman Ngr. Extn., Khatipura, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तिया नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 31-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइन्दा तारीख पेशी 06/01/2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 90/2025
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री नितिन अग्रवाल ने पंजीकृत प्रन्यास राधा किशन डेरेवाला चेरिटेबल ट्रस्ट 4199, अग्रवाल भवन, मेहता मार्ग, गलता रोड, हीदा की मोरी, जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 1 जयपुर 2008 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत श्री रतनलाल अग्रवाल का स्वर्गवास, श्रीमती चन्दा देवी अग्रवाल व श्रीमती सुमित्रा देवी अग्रवाल द्वारा प्रन्यासी पद से त्याग देने के कारण उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड से हटाने, नवीन प्रन्यासियों की नियुक्ति कर उनके नाम तथा विधान में संशोधन कर संशोधित विधान को प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख कराये जाने हेतु निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनाक 29/10/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी गया।
आइदा तारीख पेशी 3/12/25
मोहर अदालत सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

पावरग्रिड POWERGRID

सूचना

1. सीईआरसी (व्यवसाय का संचालन) विनियम, 1999 के विनियम-86 और सीईआरसी (टैरिफ के नियम व शर्तें) विनियम, 2019 के तहत 2019-24 के लिए ट्रांसमिशन टैरिफ के ट्रूइंग-अप और 2024-29 टैरिफ ब्लॉक के लिए "12वीं योजना अवधि (भाग-ए) के दौरान दिल्ली के NCT में 400/220 kV सब-स्टेशन बनाने" के लिए इलेक्ट्रिसिटी एक्ट, 2003 की धारा 62 के साथ धारा 79 (1) (क) और सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (कंडक्ट ऑफ बिजनेस) रेगुलेशन, 2023 के रेगुलेशन 15 (1) (क) और रेगुलेशन 23 के साथ सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (टैरिफ के नियम और शर्तें) रेगुलेशन, 2014, सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (टैरिफ के नियम और शर्तें) रेगुलेशन, 2019 और सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (टैरिफ के नियम और शर्तें) रेगुलेशन, 2024 के तहत मंजूरी।
2. उपर्युक्त वर्णित ट्रांसमिशन सिस्टम के लाभार्थी हैं: (क) अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ख) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ग) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (घ) पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (ड) हरियाणा पावर परचेज सेंटर (च) जम्मू एंड कश्मीर पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (छ) उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (ज) बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (झ) बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (ञ) टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (ट) चंडीगढ़ विद्युत विभाग (ठ) उत्तरांचल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ड) उत्तर मध्य रेलवे (ढ) नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (ण) हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (त) दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड
3. टैरिफ विवरण:

क) 2019-24 ब्लॉक रु. लाख में

परिसंपत्ति विवरण	31.03.2024 को पूर्णता लागत		2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
परिसंपत्ति-1	35373.26	एएफसी स्वीकृत	0.00	0.00	769.02	5934.11	6197.38
		ट्रूइंग अप के आधार पर संशोधित एएफसी	0.00	0.00	777.40	5874.98	6042.73
परिसंपत्ति-2	5689.43	एएफसी स्वीकृत	0.00	0.00	0.00	1008.16	1128.54
		ट्रूइंग अप के आधार पर संशोधित एएफसी	0.00	0.00	0.00	938.05	985.90
परिसंपत्ति-3	46168.89	एएफसी स्वीकृत	0.00	0.00	0.00	6636.91	6976.87
		ट्रूइंग अप के आधार पर संशोधित एएफसी	0.00	0.00	0.00	6509.75	6691.41
परिसंपत्ति-4	164.01	एएफसी स्वीकृत	0.00	0.00	0.00	1.46	18.73
		ट्रूइंग अप के आधार पर संशोधित एएफसी	0.00	0.00	0.00	1.47	16.01

ख) 2024-29 ब्लॉक रु. लाख में

परिसंपत्ति विवरण	31.03.2029 को पूर्णता लागत	
संयुक्त परिसंपत्ति	87395.59	एएफसी केलेम्ड

2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29
13,282.89	13231.13	13241.60	13137.69	12916.81

4. यह सूचना और टैरिफ के निर्धारण हेतु किए गए आवेदन की एक प्रति आवेदक की वेबसाइट www.powergrid.in पर प्रकाशित की गई है।
5. आवेदन में निहित टैरिफ के निर्धारण हेतु प्रस्तावों पर लाभार्थी सहित किसी व्यक्ति द्वारा सुझाव और आपत्तियां, यदि कोई हों, याचिकाकर्ता को उसके कारपोरेट कार्यालय के पते पर एक प्रति सहित, सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, छठा, सातवां एवं आठवां तल, टॉवर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली-110029 (या अन्य पता पर जहां आयोग का कार्यालय स्थित है) को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के अंदर प्रस्तुत की जा सकती हैं।

स्थानः गुरूग्राम हस्ता./-
तिथि: 28.10.2025 महाप्रबंधक (वाणिज्यिक)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
कॉर्पोरेट कार्यालयः सौदामिनी, प्लॉट नंबर-2, सेक्टर-29, गुरूग्राम, हरियाणा-122001
पंजीकृत कार्यालयः बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
वेबसाइट: www.powergrid.in, सीआईएनः L40101DL1989GOI038121
एक महारत्न पीएसयू
PG/CC/Notice-58/Advt-72/2025-26

कार्यालय नगरपालिका देवली (टोंक) राज.
Tel.- (01434) 232013 E-mail : npdeoli@gmail.com
क्रमांक :: न.पा.दे./आपत्ति आमन्त्रण सूचना/2025-26/18624462 दिनांक : 03.11.2025

आपत्ति आमन्त्रण सूचना

एतद्द्वारा हितबद्ध, व्यक्ति विशेष, आम खास को सूचित किया जाता है कि पालिका क्षेत्र में अधोलिखित व्यक्तियों द्वारा अपनी सम्पति के नामान्तरण,लीज डीड हेतु आवेदन किया गया है। किसी भी व्यक्ति को निम्नांकित इजाजत बाबत् आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर म्याद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करावें। बाद म्याद गुजरने आपत्ति मान्य नहीं होगीं।

क्र. स.	नाम प्रार्थी	मौहल्ला	भूखण्ड संख्या/नाप	प्रयोजन
1.	श्री पूरणमल सोयल पुत्र स्व. श्री हरचन्द सोयल	वार्ड संख्या 8 हरिजन मोहल्ला देवली	भूखण्ड संख्या ए नाप 108.88 वर्गगज	लीज डीड
2.	श्री अषोक कुमार माहुर पुत्र स्व. श्री रामनिवास माहुर	वार्ड संख्या 18 जनता कॉलोनी देवली	भूखण्ड संख्या 177 का दक्षिणी भाग नाप 60 वर्गगज	लीज डीड
3.	श्रीमती लीला देवी पत्नी श्री राकेष कुमार धोबी	वार्ड संख्या 7 बंगाली कॉलोनी देवली	भूखण्ड संख्या 160 का पूर्वी भाग नाप 44.44 वर्गगज	लीज डीड
4.	श्री मुकेष पुत्र श्री राधा किषन धोबी	वार्ड संख्या 7 बंगाली कॉलोनी देवली	भूखण्ड संख्या 160 का मध्य भाग नाप 44.44 वर्गगज	लीज डीड
5.	श्री दिनेष कुमार अग्रवाल पुत्र श्री मोहन लाल अग्रवाल	वार्ड संख्या 11 घोसी मोहल्ला देवली	भूखण्ड नाप 41.71 वर्गगज	लीज डीड
6.	श्रीमती मोसिना पटवा पत्नी श्री मोईनुदीन	वार्ड संख्या 28 ठक्कर चौक एजेन्सी ऐरिया देवली	भूखण्ड नाप 48.33 वर्गगज	लीज डीड
7.	श्री विनोद कुमार शर्मा पुत्र श्री राधाकिषन शर्मा	वार्ड संख्या 17 तेली मोहल्ला देवली	भूखण्ड नाप 66.66 वर्गगज	लीज डीड
8.	श्री परमेष्वर शर्मा पुत्र श्री राधाकिषन शर्मा	वार्ड संख्या 17 तेली मोहल्ला देवली	भूखण्ड नाप 66.66 वर्गगज	लीज डीड
9.	श्री अनिल पुत्र श्री ओमप्रकाष साहू	वार्ड संख्या 16 तेली मोहल्ला देवली	भूखण्ड नाप 49.68 वर्गगज	लीज डीड
10.	श्री राजू तेली पुत्र श्री मोहनलाल	वार्ड संख्या 16 तेली मोहल्ला देवली	भूखण्ड नाप 39.54 वर्गगज	लीज डीड
11.	श्री महावीर पुत्र श्री राधा किषन धोबी	वार्ड संख्या 7 बंगाली कॉलोनी देवली	भूखण्ड संख्या 160 का पश्चिमी भाग नाप 44.44 वर्गगज	लीज डीड
12.	श्रीमती मनभर देवी पत्नी स्व. श्री रामदेव कीर श्री विनोद कीर पुत्र स्व. श्री रामदेव कीर	ग्राम देवली गांव कीर मोहल्ला देवली	भूखण्ड नाप 76.50 वर्गगज	लीज डीड
13.	श्री गणेष गोविन्द शर्मा पुत्र श्री कोषल किषोर शर्मा	वार्ड संख्या 16 जनता कॉलोनी देवली	भूखण्ड संख्या 193 का उत्तरी भाग नाप 66.66 वर्गगज	लीज डीड
14.	श्री पूरण मल सोयल पुत्र स्व. श्री हरचन्द सोयल	वार्ड संख्या 8 हरिजन मोहल्ला देवली	भूखण्ड संख्या ए का भाग नाप 108.88 वर्गगज	नामान्तरण
15.	श्रीमती पारस देवी जैन पत्नी श्री शांतिलाल जैन	ग्राम ऊंचा, पैराफेरी ऐरिया देवली	भूखण्ड संख्या 97 नाप 89.67 वर्गगज	नामान्तरण

राज.संवाद/सी/25/13029 अधिशाषी अधिकारी

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/872
चूंकि प्रार्थी श्री DEVENDRA KUMAR JOSHI, A 47, BHASKAR ENCLAVE-II, PATRAKAR COLONY MANSAROVAR JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास बी. आर. जोशी मेमोरियल ट्रस्ट, 407, 4TH FLOOR, MANSAROVAR PLAYA, MANSAROVAR JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जाच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 31-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 05/01/2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/866
चूंकि प्रार्थी श्री RAJEEV MATHUR, E 32, KAMLA MARG, C-SCHEME JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास रॉयल यूरोलॉजिकल सोसाइटी, J 52, KRISHNA MARG, C-SCHEME, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 31-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 06/01/2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/873
चूंकि प्रार्थी श्री HANUMAN SAHAY MEENA, 21, NAKYAWALI SUKHDEVPURA URF NOHRA AASHAWALA SANGANER JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री खाटू श्याम जी महाराज मन्दिर ट्रस्ट, 7, RAM VIHAR SCHEME VILLAGE BADHSHYOPUR VATIKA SANGANER JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 31-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 05/01/2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/862
चूंकि प्रार्थी श्री DEVENDAR KUMAR, 36 SUNFLOWER COLONY SANGANER JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास नचिकेता गुरुकुल, SIDHI VINAYAK D-54, ASHOK MARG C-SCHEME JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 31-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 06/01/2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/849
चूंकि प्रार्थी श्री SUKH PAL DHABHAI, A 6, SHIV COLONY AIRPORT CIRCLE SANGANER JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास सेन्टर फॉर रूरल डवलपमेन्ट एण्ड कंसलटेन्ट सोसायटी थली, VILLAGE- THALI, TEH. CHAKSU, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 31-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 07/01/2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

संक्षिप्त

'हक की लड़ाई हर हाल में लड़ी जाएगी'

जयपुर/शाहपुरा। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं युवा किसान नेता कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा शनिवार को शाहपुरा चौपड स्थित हवेली में आमजन और किसानों की समस्याएँ सुनने पहुँचे। बडी संख्या में लोग अपनी फरियादें लेकर उपस्थित हुए। इस दौरान कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कई मुद्दों का समाधान मौके पर ही करवा दिया। जिन समस्याओं का तत्काल निवारण संभव नहीं था, उनके लिए उन्होंने प्रशासन से बातचीत कर समाधान करवाएंगे।और हर स्तर पर संघर्ष करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन और किसानों की समस्याएँ मेरी अपनी समस्याएँ हैं। इनके हक़ के लिए सड़क से लेकर सदन तक आवाज़ बुलंद की जाएगी। इस दौरान उन्होंने कहा यदि जनता की परेशानियों की अनदेखी हुई तो आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया जाएगा। इस दौरान हवेली में मौजूद आमजन और किसान उनके इस संघर्षशील तेवर से गदगद नज़र आए और ज़ोरदार समर्थन के साथ आभार व्यक्त किया।

हवन कुंड में आहुतियां दी

सिरस। गांव श्योसिंहपुरा में भौमियाजी महाराज के स्थान पर आयोजित पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सोमवार को पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव को लेकर संपूर्ण वातावरण धर्ममय हो गया। श्रद्धालु प्रभुलाल प्रजापत, जगदीश प्रजापत, कजोड प्रजापत, रामसहाय प्रजापत, रामअवतार प्रजापत, कैलाश प्रजापत व हरिलाल प्रजापत ने बताया कि भौमियाजी महाराज की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर आचार्य वेदप्रकाश वेदाचार्य के नेतृत्व में पंडित सत्यनारायण, शंकर लाल, राजेश व महेंद्र शर्मा के सानिध्य में यजमान दंपति से पूजा अर्चना करवाकर हवन कुंड में आहुतियां दी गई। सोमवार को पूर्णाहुति के साथ भौमियाजी महाराज के जयकारों के साथ मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस दौरान महाआरती करके भण्डारे का आयोजन हुआ। जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालुओं की भीड उमड़ पडी। इस अवसर पर गिरिराज प्रजापत, रतन प्रजापत, रामप्रसाद प्रजापत, मुरारीलाल प्रजापत, बजरंग लाल व मुकेश प्रजापत सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

नीतू जाट ने जीता ब्रोंज मेडल

निवाई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चतुर्भुजपुरा की छात्रा नीतू जाट पुत्री हनुमान जाट ने 69 वीं राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त कर ब्रोंज मेडल प्राप्त किया है। संस्था प्रधान डॉ. विनोदकुमार तिवारी ने बताया कि नीतू जाट ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन कर ब्रोंज मेडल हासिल किया और अपने गांव, विद्यालय व जिले का नाम रोशन किया है। शारीरिक शिक्षक सिकंदर खान ने बताया कि नीतू जाट ब्रोंज मेडल जीत कर विद्यालय पहुंची तो एसडीएमसी सदस्य कजोड प्रजापत, अनीता मीणा, रामदयाल जाट, गोविंद जाट, महावीरसिंह राजावत, भरतसिंह राजावत, रामप्रसाद बैरवा, रामजीलाल बैरवा व वाइस प्रिंसिपल राजेश बैरवा सहित कई ग्रामीणों व शिक्षकों ने नीतू जाट का साफा पहनाकर स्वागत किया।

दौसा में सेवा शिविर 6 को

दौसा। राज्य सरकार की ओर से आमजन को एक ही स्थान पर सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने और जनसमस्याओं का निस्तारण करने के लिए चलाए जा रहे ठाामीण एवं शहरी सेवा शिविर अभियान के तहत 6 नवम्बर, गुरूवार को भण्डाना ठााम पंचायत में शिविर आयोजित किए जाएंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर दौसा अरविंद शर्मा ने बताया कि यह जानकारी देते हुए बताया कि इसी प्रकार 7 नवम्बर, शुक्रवार को गोठड़ा एवं 8 नवम्बर, शनिवार को सराय (दौसा) में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

टोंक में ट्रैक्ट्रर ट्रॉली जब्त

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे वृत्ताधिकारी राजेश विधार्थी एवं कोतवाली थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा टोंक शहर बनवारी चौराहे पर अवैध बजरी परिवहन एक टेक्ट्रर ट्रॉली को अवैध बजरी के साथ जप्त किया गया। इस दौरान मौके का फायदा उठाकर ट्रेक्टर चालक फरार हो गया। जिसके खिलाफ थाना कोतवाली में एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

जिम्मेदारों की लापरवाही से हो रही हरे पड़ों की कटाई, जिम्मेदार मौन

पावटा में हरे पेड़ों की कटाई कर ऊंट गाड़ी में ले जाते हुए।

- हर वर्ष शासन हरियाली को बढ़ावा देने के लिए पौधरोपण अभियान चलाता है। फिर भी संबंधित विभाग ही लापरवाही बरतते हैं

पावटा। वन विभाग की लापरवाही के चलते क्षेत्र में धड़ल्ले से हरे पेड़ों की कटाई की जा रही है। इसके बाद भी विभाग वन माफियाओं पर शिकंजा नहीं कस पा रहा है। इसके अलावा प्रशासन भी इस तरफ अनदेखी कर रहा है। हर वर्ष शासन हरियाली को बढ़ावा देने के लिए पौधरोपण अभियान चलाता है।

इस पर शासन द्वारा करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं जबकि उसकी सुरक्षा को लेकर संबंधित विभाग ही लापरवाही बरतते हैं। इस समय पावटा तहसील क्षेत्र में हरे पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। इससे पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। पेड़ काटने वालों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होने के कारण इस पर प्रतिबंध नहीं लग पा रहा है। वन माफियाओं पर रोकथाम नहीं होने के कारण जहां कभी घना जंगल हुआ करता था, वहां पर अब ठूंठ ही नजर आते हैं। इस समय सागौन के अलावा आम, इमली, बबूल, जामुन, बरगद, नीम प्रजाति के पेड़ों की कटाई धड़ल्ले से जारी है। इन पेड़ों की हो रही कटाई से वन क्षेत्रों को तो नुकसान हो रहा है। जंगलों में वन विभाग की सुस्ती का फायदा उठाते हुए अवैध कब्जाधारी बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, विशाल हरे-भरे पेड़ अब कटकर जमीन पर गिराए जा रहे हैं। इसके बावजूद, वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचने के बजाय गायब दिखाई देते हैं। इस स्थिति से नाराज ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग ने जानबूझकर अपनी आंखें मूंद रखी हैं, जिससे जंगलों में अवैध कटाई को और बढ़ावा मिला है। कुछ जगहों पर पेड़ों की कटाई के बाद लकड़ी खुलेआम बेची जा रही है, लेकिन वन विभाग के अधिकारी मौन बने हुए हैं।वन विभाग की इस लापरवाही से न केवल वन संपत्ति को नुकसान हो रहा है, बल्कि पर्यावरण भी गंभीर खतरे में है। ठाामीण और पर्यावरण संगठनों का कहना है कि वन विभाग की नाकामी के चलते जल्द ही जंगल उजाड़ हो सकते हैं।

अवैध कटाई और कब्जाधारियों के बेखौफ मंसूबे इस बात का संकेत हैं कि विभाग अपने दायित्वों को निभाने में पूरी तरह से असफल रहा है। वन संपत्ति का यह नुकसान क्षेत्र की जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन पर भी बुरा असर डाल सकता है।

जैवमंडल आरक्षित दिवस के उपलक्ष में संगोष्ठी

भुसावर भरतपुर। कृषि महाविद्यालय भुसावर पर अन्तर्राष्ट्रीय जैवमंडल आरक्षित दिवस के उपलक्ष में सोमवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि मानव को पृथ्वी पर अवस्थित समस्त जीव-जन्तुओं और पौधों के साथ व्यवहार के सम्बन्ध में नैतिक दिशानिर्देश तय करने चाहिए, क्योंकि से सभी जीव हमारे स्वयं के जीवन के आवश्यक है, इसलिए पृथ्वी का प्रत्येक जीव व पौधा हमारा मित्र है। डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि कोर बायोस्फीयर में मानव गतिविधि नही हों या कम से कम से हों, वफर जोन में सीमित मात्रा में मानव गतिविधि हों तथा ट्रान्जिक्शन जोन में आर्थिक गतिविधि की जा सकती है। इस तरह बायोस्फीयर संरक्षण के लिए मानव गतिविधि तय होनी चाहिए। डॉ. राहुल कुमार ने कहा कि बायोस्फीयर के संरक्षण एवं विकास में संतुलन स्थापित किया जाना चाहिए।

साधु-संतों की संगति आम जन के लिए लाभदायी : ज्ञानदास महाराज

- श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की

पावटा। श्री ज्ञानदास आश्रम बड़नगर में ज्ञानदास महाराज के सान्निध्य में मंगल चंद पवन कुमार गर्ग द्वारा आयोजित नवदिवसीय श्रीराम कथा का नवम दिवस अत्यंत श्रद्धा, आस्था तथा भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। जहाँ श्रद्धालु के समक्ष व्यास पीठ से अतुल रामायणी महाराज ने प्रभु श्रीराम के दिव्य चरित्र का वर्णन किया। अंतिम दिवस की कथा में मध्य प्रदेश से पधारे अतुल रामायणी महाराज ने व्यासपीठ से भगवान श्रीराम के जीवन के अत्यंत प्रेरक प्रसंगों श्री विभीषण जी की शरणागति, प्रभु श्रीराम का लंका गमन, रावण वध, तथा अयोध्या लौटने पर भव्य राज्याभिषेक का विस्तृत वर्णन किया। रामायणी जी ने अपने प्रवचन में बताया कि विभीषण की शरणागति यह संदेश देती है कि सत्य और धर्म का मार्ग अपनाने वाला साधक सदैव भगवान की कृपा का पात्र बनता है। भगवान श्रीराम का लंका प्रस्थान और रावण वध अन्याय एवं अहंकार के अंत का प्रतीक है, वहीं अयोध्या आगमन और राज्याभिषेक मर्यादा, करुणा और न्याय के आदर्श शासन का प्रेरक उदाहरण है। कार्यक्रम स्थल पर भक्तिरस से ओतप्रोत भजन संध्या का भी आयोजन किया गया, जहाँ श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भगवान के राज्याभिषेक के प्रसंग पर श्रद्धालुओं द्वारा दीपक जलाए गए एवं आतिशबाजी कर सभी को मिष्ठान वितरण किया गया। व्यास पीठ से अतुल रामायणी महाराज ने बताया कि यदि हम रामायण जी में भगवान के एक भक्त के चरित्र को अपने जीवन में उतार ले तो हमारा जीवन सफल है और यही रामायण जी का सार भी है। रामायण जी हमेशा असत्य पर सत्य की जीत का ठांथ है। गर्ग परिवार द्वारा कथा के विश्राम दिवस पर कथा व्यवस्था में लगे हुए समस्त व्यवस्थापको से व्यासपीठ का पूजन करके माला अर्पण कराया गया। रामायण जी की आरती के पश्चात महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख संतों, गणमान्य नागरिकों तथा बड़ी संख्या में भक्तजनों की उपस्थिति से कार्यक्रम की पवित्रता और गरिमा और भी बढ़ गई। वही संत समागम के दौरान आयोजकों द्वारा सत्ताईशा क्षेत्र के साधु संतों का स्वागत व सम्मान किया गया। इस दौरान ज्ञानदास महाराज ने कहा कि साधु-संतों की संगति आम जन के लिए लाभदायी, पुण्यदायी और मोक्षदायी मानी गई है। ब्रह्मा, विष्णु और महेश की तरह सृजन, पोषण एवं कल्याण के अधिष्ठाता साधु-संत ही होते हैं। समाज और राष्ट्र में संस्कार का सृजन, शुभ विचारों से व्यक्तित्व का उत्थान करना, वैचारिक पोषण और दिव्य कर्मों से जन-जन के कल्याण का काम साधुओं द्वारा होता है। जब मानव का जीवन कामना और वासना के वशीभूत होकर पतित हो जाता है तब साधु-संतों के उपदेश मानव के अंतर्मन में ज्ञान की ज्योति जलाकर और अंत:करण के अंधियारे को मिटाकर उसे भटकने से बचाते हैं। वास्तव में साधु-संतों के पास उत्कृष्ट विचारों का दिव्य स्त्रोत होता है। उनके माध्यम से वे परोपकार, पूजा, प्रवचन और सत्संग कर मानव को सही दिशा दिखाकर उसका कल्याण करते हैं।

'डॉ. मुखर्जी जिला उत्थान योजना के प्रस्ताव शीघ्र बनाए'

- जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक
- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के प्रस्ताव शीघ्र बनाकर भिजवाने के निर्देश
- जिला कलक्टर ने राज्य सरकार की फ्लेगशिप योजनाओं की समीक्षा करते हुए बेहतर क्रियान्वयन के साथ प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए।

दौसा। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने सोमवार को यहां जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के प्रस्ताव शीघ्र बनाकर भिजवाने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने बताया कि जिले में क्षेत्रीय विकास में असंतुलन को दूर करने और ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में आधारभूत ढांचागत विकास एवं जन उपयोगी कार्यों को प्राथमिकता से सम्पादित करने के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना शुरू की गई है। इसके तहत कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, पर्यटन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने संबंधित विभागों को योजना की गाइड लाइन के मुताबिक शीघ्र प्रस्ताव बनाकर भिजवाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने राज्य सरकार की फ्लेगशिप योजनाओं की समीक्षा करते हुए बेहतर क्रियान्वयन के साथ प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन योजना, कुसुम, लाडो, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, जल जीवन मिशन सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और प्राथमिकता से प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए क्रियान्वयन की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने 'राइजिंग राजस्थान' के तहत हुए एमओयू की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित विभागों को निर्देशित किया। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने केन्द्र एवं राज्य सरकार की ओर से चलाए जा रहे जनजाति गौरव वर्ष एवं सरदार पटेल150 के तहत की जा रही गतिविधियों की समीक्षा की और 'वन्दे मातरम' अभियान की तैयारियों के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलक्टर दौसा अरविन्द शर्मा ने 'वन्दे मातरम' अभियान के दौरान होने वाली गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राज्य में देशभक्ति, स्वदेशी एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करने के लिए 7 नवम्बर से विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बाल विवाह जनजागरूकता पोस्टर का विमोचन : इस अवसर पर जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार, बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक विश्वदेव एवं अन्य अधिकारियों ने बाल विवाह जनजागरूकता से संबंधित पोस्टर का विमोचन किया। इस पोस्टर में बाल विवाह से होने वाले नुकसान एवं बाल विवाह प्रतिषेद अधिनियम-2006 से संबंधित प्रावधानों की जानकारी दी गई है। बैठक में उप वन संरक्षक अजित उचोई, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरूशरण राव, नगर परिषद आयुक्त कमलेश मीणा, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार मीणा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

वंदे मातरम उत्सव की शुरुआत 7 से

- सामूहिक गायन, रैली से सुदृढ़ होगी राष्ट्रीय एकता की भावना

कोटपूतली। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश भर में राज्य के साथ-साथ जिले, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर तक आगामी 7 नवम्बर 2025 से विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम 7 नवम्बर को जयपुर के एस.एम.एस. स्टेडियम में आयोजित होगा। कार्यक्रम में सभी सरकारी और गैर-सरकारी शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, तकनीकी महाविद्यालय, मेडिकल एवं पैरामेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, एनसीसी, एनएसएस, हिंदुस्तान स्काउट गाइड, पुलिस एवं आरएसी के जवान, सामाजिक संगठन और आमजन की भागीदारी रहेगी। इस अवसर पर भव्य 'वंदे मातरम' गायन, 50 हजार तिरंगा झंडों का वितरण, स्कूल, पुलिस एवं आर्मी की बैंड प्रस्तुतियाँ तथा महापुरुषों की प्रदर्शनी जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, एनसीसी कैडेट्स, शिक्षकों व आम नागरिकों द्वारा देशभक्ति के माहौल में सामूहिक राष्ट्रगान के साथ 'वंदे मातरम' गायन का ऐतिहासिक आयोजन किया जाएगा। राज्यभर में थीमेटिक प्रदर्शनी, फोटोग्राफ, आर्काइव सामग्री, डिजिटल पैनल और कला प्रदर्शनियों के माध्यम से 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ को ऐतिहासिक स्वरूप में मनाया जाएगा। इसी दिन अजमेर, बीकानेर, उदयपुर, भरतपुर, कोटा, जोधपुर, सीकर, भीलवाड़ा और अलवर के जिला मुख्यालयों में जिला स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रमों की इस श्रृंख्ला में 8 और 9 नवम्बर को शेष 31 जिलों में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिलों में प्रभारी मंत्री की उपस्थिति में प्रभात फेरी, रन अथवा बाइक रैली के माध्यम से 'वंदे मातरम' का जनप्रचार किया जाएगा। शहीद स्मारकों पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम, विद्यालयों में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन, निबंध लेखन, चित्रकला, रंगोली आदि प्रतियोगिताएं, एनएसएस द्वारा स्वच्छता अभियान व रक्तदान शिविर, स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिजनों का सम्मान और थीम आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाएंगी।

राज्य व केन्द्र सरकार ग्रामीण व शहर के विकास के लिए कटिबद्ध : रामसहाय वर्मा

- 15 करोड़ के विकास कार्यों का विधायक रामसहाय वर्मा व पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी ने शिलान्यास किया

निवाई में विकास कार्यो का लोकार्पण विधायक रामसहाय वर्मा व पालिकाध्यक्ष इसरानी ने किया।

निवाई। नगरपालिका द्वारा 15 करोड़ के विकास कार्यों का मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी, जिला प्रमुख सरोज बंसल, भाजपा शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा व संत रामकृष्ण वेदांती महाराज द्वारा शिलान्यास किया गया। मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि राज्य व केन्द्र सरकार ठाामीण व शहर के विकास के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा ठाामीण क्षेत्र सहित शहर में करोडों रूपए की लागत से कई विकास कार्य करवाएं जा रहे है। जिनका लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि शहर में 15 करोड रूपए के विकास कार्य किए जाएंगे। जिससे लोगों को कई सुविधाएं मिलेगी। नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि अति शीघ्र ही शहर में नए-नए विकास देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि भविष्य में रक्तांचल पर्वत पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीरामलला की करीब 80 फीट ऊंची मूर्ति का निर्माण करवाया जाएगा। ताकि शहर के किसी भी कोने से खडे होकर भगवान राम के दर्शन कर सकें। उन्होंने मंच के माध्यम से शहर में करवाएं गए विकास कार्यों की आम जनता को जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि शहर में 15 करोड रूपए की लागत से खणदेवत रोड व इंदिरा कॉलोनी में सडक निर्माण कार्य, एफसीआई गौदाम से अलियाबाद मोड़ तक सडक़ चौडाई कार्य, 80 फीट रोड पर सेंट्रल पार्क निर्माण कार्य, कीर कॉलोनी व अर्जुन नगर की ओर सडक़ निर्माण कार्य किए जाएंगे। समारोह में मुख्य अतिथि कृषि मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा ने आम जनता को वीडियो कॉलिंग पर संबोधित कर विकास कार्य की प्रशंसा करते हुए बधाई दी। इस दौरान विधायक रामसहाय वर्मा व पालिका अध्यक्ष ने डॉ. किरोडीलाल मीणा को जन्मदिन की बधाई दी। कार्यक्रम में किलेश्वर मंदिर समिति के सदस्यों ने सभी अतिथियों को किलेश्वर महादेव की तस्वीर भेंट करके स्वागत किया। समारोह में रक्तांचल पर्वत पर सीढ़ियां का निर्माण कार्य करने वाले राजमिस्त्रीयों व मजदूरों का मंच पर सम्मान किया गया व उपहार दिए गए। वही सीढियां का निर्माण करने वाले ठेकेदार घनश्याम शर्मा डाकोत को विधायक रामसहाय वर्मा व पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने उपहार स्वरूप एक्टिवा स्कूटी दी गई।

सार-समाचार

मरीजों को फल वितरित

भुसावर भरतपुर (निस)। कस्बा भुसावर सहित आस पास के ग्रामीण अंचल में राजस्थान सरकार में कैबीनेट मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा का जन्मदिन विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कस्बा भुसावर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पंचायत समिति भुसावर के नरेगा कार्मिकों ने दर्जनों मरीजों को फलों का वितरण किया और उनकी कुशलक्षेम पूछी। जिसके लिए मरीजों ने उनका आभार जताया और मंत्री की दीर्घायु के लिए कामनाएं की। इस दौरान कृपाल सिंह, हरीश शर्मा, बनवारी लाल सैनी, लोकेश जैमन एवं पून्या मीणा का विशेष सहयोग रहा। पूर्व जिला परिषद सदस्य जगदीश मीणा बौराज और दीवली पंचायत की प्रशासक भाग्य मीणा ने कैबीनेट मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा के जन्मदिन पर गिर्राज महाराज का दुग्धाभिषेक किया।

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दौसा। पेंशनर समाज दौसा के पदाधिकारियों ने सोमवार को जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार को ज्ञापन सौंपकर आरजीएचएस में आई रही परेशानियों को दूर करने, विधायक कोष से स्वीकृत राशि से पेंशन भवन की मरम्मत कराये जाने की मांग की है। जिला अध्यक्ष गोवर्धनलाल पंडा ने बताया कि आरजीएचएस में कुछ परेशानियां आ रही है, जिसके कारण पेंशनर एवं बुजुर्गो को उपचार में भारी समस्या का सामना करना पड रहा है। इस संबंध में पूर्व में कई बार उच्चाधिकारियो को अवगत कराये जाने के बावजूद कोई कार्यवाही नही हो पाई है। उन्होने बताया कि चार माह पूर्व दौसा के विधायक दीनदयाल बैरवा ने पेंशनर भवन की मरम्मत के लिए विधायक कोष से 5 लाख रुपये देने की घोषणा की गई थी, विधायक द्वारा उक्त राशि को स्थानीय विधायक निधी कोष से जारी किये जाने की अनुशंषा कर दी गई है। उन्होने बताया कि हमने जिला कलेक्टर से मांग की है कि स्थानीय विधायक निधि कोष से स्वीकृत राशि से पेंशनर भवन के मरम्मत कार्य के लिए जिला परिषद अथवा नगर परिषद को कार्यकारी एजेन्सी नियुक्त कराते हुये तत्काल प्रभाव से कार्य शुरु कराये जाने की भी मांग की है। इस दौरान जिला संगठन प्रभारी महेश आचार्य, उपाध्यक्ष शंभू दयाल गुप्ता, पूर्व जिला मंत्री सीताराम शास्त्री, पारस जैन, मदन लाल शर्मा, लल्लू प्रसाद शर्मा, ओमप्रकाश सलावट, महेश अवस्थी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

विभिन्न प्रकरणों में 13 आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे वृत्ताधिकारी राजेश विद्यार्थी एवं मेहन्दवास थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित थाना मेहन्दवास टीम ने क्षैत्र में कार्यवाही करते हुए शांति भंग के आरोप में किशन सिंह नरुका पुत्र समर्थसिंह उम्र-37 वर्ष, महेन्द्र पुत्र रामनिवास बैरवा उम्र-20 वर्ष, हेमराज पुत्र रामनिवास बैरवा उम्र 35 वर्ष, लेखराज पुत्र शिवपाल मीणा उम्र 23 वर्ष, विष्णु पुत्र रामदयाल जाट उम्र 28 साल, हरिसिंह पुत्र रामप्रसाद जाट उम्र 38 साल, व गुलशन पुत्र पुरणमल रैगर उम्र 22 साल को गिरफ्तार कर निरोधात्मक कार्यवाही की गई एवं शराब पीकर नशे में वाहन चलाते हुए पाये जाने पर एक कार व दो मोटरसाइकिल कोएमवी एक्ट में जप्त किया गया। इसी प्रकार दूनी थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने दूनी के ग्राम कनवाड़ा में आपसी लेनदेन मामले को लेकर हुई लड़ाई झगड़ा करते हुए गैरसायल सोराज पुत्र देव लाल गुर्जर, हंसराज पुत्र गोपी लाल गुर्जर निवासी कनवाड़ा थाना दूनी को गिरफ्तार किया गया है। इसी क्रम में अन्य टीम ने राजमहल क्षेत्र के देवली रोड पर शराब पीकर उत्पात करने के मामले में आरोपी शिवराज मीणा पुत्र रतिराम मीणा, देवराज खटीक पुत्र रघुवीर व मन्जूर खान पुत्र मुस्तफा खान निवासी राजमहल थाना दूनी को शान्तिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जिनको आज न्यायालय में पेश किया जावेगा।

कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

टोंक। पालड़ा ग्राम पंचायत के अहमदपुरा गांव में एक ही परिसर में स्थित मंदिर और मजार के परिक्रमा के रास्ते पर अतिक्रमण होने से श्रद्धालुओं में नाराजगी पैदा हो गई, जिसको लेकर ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद ग्रामीणो ने रास्ते को खुलवाने की मांग को लेकर सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट पंहुचकर प्रदर्शन किया तथा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग की। ज्ञापन सौपकर ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत पालडा में कई वर्षों पुराना मन्दिर और मजार बनी हुई है। वहां सर्व समाज के लोग श्रद्धा के साथ आते है तथा वहां की खास बात यह है कि यहां मंदिर और मजार एक ही परिसर में हैं, दोनों ही समुदाय के लोग आपसी भाईचारे से अपने धार्मिक स्थानों पर आ रहे हैं। लेकिन गत दिनों से पास के जमीन के मालिक ने मन्दिर व मजार पर परिक्रमा वाला रास्ता बंद कर तारबंदी करने से अब श्रद्धालुओं मंदिर और मजार के परिक्रमा नहीं कर पा रहे हैं। जिससे परिक्रमा करने में परेशानी हो रही है, जिसके बाद गुस्साये ग्रामीण मामले में प्रशाशन से उचित कार्यवाही की मांग की है।

मार्ग का नामकरण, सीएम का आभार

टोंक। जिला प्रमुख सरोज बसंल द्वारा शांति सागर महाराज की जयन्ति के शताब्दी समारोह के अवसर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से प्रथमाचार्य शांति सागर के नाम टोंक में मार्ग का नाम रखे जाने की मांग की गई थी। जिस पर मुख्यमंत्री के निर्देश पर आयुक्त नगर परिषद टोंक ने मार्ग नामकरण का प्रस्ताव विभाग को भिजवाने के बाद गठित समिति के सदस्यों की बैठक में सर्वसम्मति से अनुमोदन के पश्चात जखीरा नर्सरी के सामने आयुष्मान हॉस्पिटल होते हुये एनएच-52 तक मुख्य सड़क का नामकरण प्रथमाचार्य शांति सागर मार्ग के नाम से किये जाने की स्वीकृति जिला कलेक्टर टोंक ने प्रदान कर दी। अब टोंक शहर के जखीरा नर्सरी के सामने आयुष्मान हॉस्पिटल होते हुये एनएच-52 तक मुख्य सड़क का नामकरण प्रथमाचार्य शांति सागर मार्ग के नाम जाना जायेगा। जिसके बाद जिला प्रमुख सरोज बसंल ने जिला कलेक्टर के पत्र की प्रति आचार्य वर्धमान सागर के पिछी परिर्वतन समारोह जैन नसिया में विराजमान आचार्य वर्धमान सागर को सौपी। इससे जैन समाज में हर्ष की लहर दौड पडी तथा जैन समाज ने मुख्यमंत्री भजनलाल का आभार व्यक्त किया है। साथ ही जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल व अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं प्रशासक नगर परिषद का भी आभार व्यक्त किया गया हैं।

अवैध खनन के रास्ते पर जेसीबी से बनाई गहरी खाई

कोटपूतली। जिले में अवैध खनन की रोकथाम हेतु खनन विभाग द्वारा सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। सहायक खनि. अभियन्ता अमीचन्द दुहारिया ने बताया कि सोमवार को विभाग की टीम तहसील बहरोड के राजस्व ग्राम जखराणा की पहाडी पर पहुंची, जहाँ पर अवैध खनन की शिकायतें प्राप्त होती रही हैं। विभाग ने कार्यवाही करते हुए चारों तरफ अवैध खनन स्थलों का निरीक्षण किया, इस दौरान अवैध खनिज स्लेट स्टोन एवं चेजा पत्थर के पिटों में कोई भी मशीनध्वाहनध्व्यक्ति नहीं पाये गये। अवैध खनन के रास्तों को ब्लॉक करने के लिए जेसीबी मशीन से काफी गहरी खाई खोदकर अवरुद्ध किया गया तथा जेसीबी की सहायता से मौके पर पडे बोल्डर को रास्ते में डालकर अवरुद्ध किया गया। उन्होंने बताया कि पूर्व में 31 अक्टूबर 2025 को एसएचओ बहरोड के साथ उक्त क्षेत्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया था। कार्यवाही में अमीचन्द दुहारिया, सहायक, अशोक वर्मा, खनि कार्यदेशक द्वितीय उक्त क्षेत्र की सतत निगरानी रखी जायेगी।

रात्रि चौपाल आज

कोटपूतली। राज्य सरकार की मंशानुरूप आमजन के परिवादों का स्थानीय स्तर पर निवारण करने के उद्देश्य से जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में बानसूर की ग्राम पंचायत हौलावास के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 4 नवंबर, मंगलवार को सांय 6 बजे से रात्रि चौपाल का आयोजन किया जाएगा।

हमने बहुत खेला है, और हर बार यह एक मुश्किल मुकाबला होता है। स्कोर कुछ भी हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे पता है कि मुझे हमेशा फोकस बनाए रखना है।

- एरीना सबालेंका

बेलारूस की टेनिस खिलाड़ी, डब्ल्यूटीए फाइनल्स टूर्नामेंट में जीत दर्ज करने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमोल मजूमदार

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच अमोल मजूमदार ने आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 जीतने के बाद डीवाय पाटिल स्टेडियम पर रोहित शर्मा का आइकॉनिक सेलिब्रेशन दोहराया। मजूमदार ने झंडा पिच पर गाड़ दिया। पता हो कि 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने मैदान पर झंडा गाड़ने वाला सेलिब्रेशन किया था, जिसके कारण उनकी जमकर तारीफ हुई थी। मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं। बहुत गर्व हो रहा है। यह टीम इस पल की हकदार है। कड़ी मेहनत, विश्वास। इस टीम ने हर भारतीय को गर्व महसूस कराया है।

क्या आप जानते हैं ?... सर जैक हॉब्स फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 199 शतक लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम है।

टीम को भरोसा था कि हम यह विश्व कप जीत सकते है : हरमनप्रीत कौर

मुम्बई, 3 नवंबर। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि टीम को अपने ऊपर भरोसा था कि वे यह विश्वकप जीत सकते है। दक्षिण अफ्रीका को रविवार रात फाइनल मुकाबले में हराकर महिला विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत मुस्कुराते हुए ट्रॉफी के साथ संवाददाता सम्मेलन में पहुंची। उन्होंने कहा, इस समय तो मैं कुछ कहने की स्थिति में नहीं हूं। मैं केवल अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का प्रयास कर रही हूं। मैं बस यही कहूंगी कि टीम ने कई उतार-चढ़ाव देखे लेकिन टीम को स्वयं पर भरोसा था। मैं यह पहले दिन से कह रही हूं। हम इधर-उधर नहीं देख रहे थे हमारा सारा ध्यान केवल लक्ष्य पर था।

उन्होंने कहा, हमें लगा कि हम पहली गेंद से ही जीत सकते थे, क्योंकि जिस तरह से हमने पिछले तीन मैचों में खेला था उससे हमारे लिए काफी चीजे बदल गई थीं। विशेष तौर पर स्वयं पर भरोसा। हम काफी समय से अच्छी क्रिकेट खेलते आ रहे हैं इसलिए हमें पता था कि एक टीम के तौर पर हमें क्या करना है। हमें पता था कि बल्लेबाजी आसान नहीं होगी लेकिन इसका श्रेय स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा को जाता है जिस तरह से उन्होंने पहले 10 ओवर में बल्लेबाजी की।

पहले दिन से मुझे विश्वास था कि यह सब मायने नहीं रखता। वैसे भी हम टॉस जीतते नहीं, इसलिए हमें पता था कि हमें पहले बल्लेबाजी करनी होगी। भारतीय कप्तान कहा, हमारा लक्ष्य आसान था। हमें पता था कि अगर हम बड़े लक्ष्य के बारे में सोचेंगे तो दबाव में आ जाएंगे। सबसे जरूरी चीज थी कि बल्लेबाजी करते रहना है और खेल की लय में बने रहना है। हमने 300 रन बनाने की कोशिश की लेकिन हम एक रन दूर रह गए। हालांकि हम एक टीम के तौर पर मैदान में लौटे। जब भी हमें जरूरत हुई हमें ब्रेकथ्रू मिला। यह एक बहुत अच्छा मैच था। यह अभी कहना आसान है लेकिन जब लॉरा बल्लेबाजी कर रही थीं तो यह सब उतना आसान नहीं था, वे मौका नहीं दे रही थीं। लेकिन आखिरकार अच्छा लग रहा है, मुझे नहीं पता कि मैं इसे कैसे बयां करूं।

उन्होंने कहा, झूलन दी मेरी सबसे बड़ी सपोर्ट थीं। जब मैं टीम में शामिल हुई थी तब वह कप्तान थीं। उन्होंने मुझे हमेशा सपोर्ट किया विशेषकर जब मैं क्रिकेट के बारे में अधिक नहीं जानती थी। अंजूम दी, दोनों ही मेरे लिए बड़ी सपोर्ट रही हैं। उन्होंने कहा कि जब रावल चोटिल हुईं तब ड्रेसिंग रूम में हर कोई रो रहा था। लेकिन हर कोई सोच रहा था कि हमारा लक्ष्य ट्रॉफी है इसलिए इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी है। उन्होंने कहा, मैंने मांधना के साथ काफी विश्व कप खेले हैं और हर बार हार मिलने के बाद हम कई दिनों तक चुप रहते थे। जब वापस आते तो यही कहते कि हमें शून्य से शुरुआत करनी होगी। हमने कई फाइनल, सेमीफाइनल खेले लेकिन हमें जीत नहीं मिली। हम यही सोचा करते कि हमें कब जीत मिलेगी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया गये कुलदीप टी-20 टीम से रिलीज

मेलबर्न, 3 नवंबर। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीजी की तैयारी के मद्देनजर टीम प्रबंधन के अनुरोध पर स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टी-20 टीम से रिलीज किया गया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया कि कुलदीप को आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ छह नवंबर से शुरू हो रहे दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के लिए भारत ए के दल में जगह दी गई है। रविवार को भारत ए ने ऋषभ पंत की 90 रनों की पारी और अंशुल कंबोज और मानव सुधार की नाबाद 62 रनों की साझेदारी की बदौलत पहला मैच जीत लिया।

बीसीसीआई ने अपने विज्ञिप्त में कहा कि कुलदीप को टीम से रिलीज करने का अनुरोध भारतीय टीम प्रबंधन की ओर से किया गया था। तीसरे अंतरराष्ट्रीय टी-20 में भारतीय एकदाश में कुलदीप की जगह वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया था। भारत चौथा टी-20 छह नबंर को कैनबरा और पांचवां मैच आठ नवंबर को ब्रिस्बेन में खेलेगा। भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर को कोलकाता में खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिरी दो टी-20 मैच के लिए अब भारतीय टीम इस प्रकार है:- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर।

दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के लिए भारत ए टीम:- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), के एल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पड़िक्कल, ऋतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियान, मानव सुथार, ख़लील अहमद, गुरनूर बराड़, कुलदीप यादव, अभिमन्यू ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप।

जोनाथन ट्रॉट का कार्यकाल ट्वटी-20 विश्वकप के बाद खत्म होगा : एसीबी

काबुल, 3 नवंबर। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट का कार्यकाल आईसीसी टी-20 विश्वकप 2026 के बाद समाप्त होगा। एसीबी के मुख्य कार्यकारी नसीम खान ने कहा कि यह फैसला 2026 के बाद के एक बड़े विजन का हिस्सा है। उन्होंने कहा, जोनाथन ने हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे हमारे खिलाड़ियों को आत्मविश्वास बढ़ाने और दुनिया की सबसे मजबूत टीमों के खिलाफ मुकाबला करने में मदद मिली है। जैसा कि हम 2026 और उसके बाद के बारे में सोच रहे हैं, यह बदलाव अफगानिस्तान क्रिकेट को अगले स्तर पर ले जाने की हमारी बड़ी योजना का हिस्सा है। एसीबी के अध्यक्ष मीरवाइस अशरफ ने कहा, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से, मैं जोनाथन ट्रॉट को उनकी समर्पित सेवा और हमारी नेशनल टीम में लाए गए प्रोफेशनलिजम के लिए दिल से धन्यवाद देता हूं। उनके प्रयासों ने अफगानिस्तान क्रिकेट के विकास में एक महत्वपूर्ण दौर में मदद की है और हम उनके भविष्य के सभी प्रयासों में उनकी सफलता की कामना करते हैं। मुख्य कोच के तौर पर अपने कार्यकाल के बारे में ट्रॉट ने कहा, अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम के साथ काम करना और उनके जुनून, हिम्मत और महानता हासिल करने की भूख को देखना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है। मुझे गर्व है कि हमने मिलकर क्या हासिल किया है और मैं हमेशा अफगान क्रिकेट का समर्थक रहूंगा। मैं टीम और अफगान लोगों को आने वाले सालों में लगातार सफलता की शुभकामनाएं देता हूं।

रोहेरा और दाते ने पुड्डचेरी को दिलाई बड़ी बढ़त

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। अजय रोहेरा (151) की शतकीय, जयंत यादव (71) और अमन खान (66) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर पुड्डुचेरी ने रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले तीसरे दिन सोमवार को दिल्ली के खिलाफ 481 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर 187 रनों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। दिन का खेल समाप्त होने के समय दिल्ली ने दूसरी पारी में 23 ओवरों में बिना कोइ विकेट खोए 76 रन बना लिये है। हालांकि वह अभी 111 रन पीछे है। अर्पित राणा (नाबाद 40) और सनत सांगवान (नाबाद 24) क्रीज पर मौजूद है। पुड्डुचेरी ने कल के चार विकेट पर 240 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज यहां सुमित माथुर ने अमन खान (66) को आउटकर दिल्ली को पांचवी सफलता दिलाई। इसके बाद सिमरजीत सिंह ने अजय रोहेरा को अपना शिकार बना लिया।

खरगे और राहुल ने भारतीय महिला टीम को दी बधाई

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार महिला विश्वकप जीतने वाली भारतीय महिला टीम को बधाई दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में शानदार जीत के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा आपके शानदार प्रदर्शन, दृढ़ संकल्प और टीम वर्क ने देश को गौरवान्वित किया है। यह जीत सिर्फ एक खेल उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह महिलाओं की शक्ति, लचीलेपन और नेतृत्व क्षमता का उत्सव भी है जो लाखों लोगों को प्रेरित करती रहेगी। पूरा देश इस गौरवशाली क्षण का जश्न मनाने के लिए एकजुट है। आपने न केवल विश्व कप जीता है, बल्कि हर भारतीय का दिल भी जीत लिया है।'' उन्होंने कहा मैं आप सभी के उज्ज्वल, सफल और प्रेरणादायक भविष्य की कामना करता हूं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बधाई देते हुए कहा, ''गर्व का क्षण है। हमारी महिलाओं ने इतिहास रच दिया और करोड़ों दिलों को छुआ है। आपके साहस, धैर्य और शालीनता ने भारत को गौरवान्वित किया है और अनगिनत युवा लड़कियों को निडर होकर सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। आप ने केवल एक ट्रॉफी नहीं उठाई, आपने एक राष्ट्र का उत्साह बढ़ाया है। जय हिंद।'' उल्लेखनीय है कि भारतीय महिला टीम ने कल रात (शेफाली वर्मा 87 रन और दो विकेट) तथा दीप्ति शर्मा (58 रन और पांच विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका पर 52 रनों से ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी।

कुलतार ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को दी बधाई

चंडीगढ़, 3 नवंबर। पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां ने सोमवार को विश्व महिला क्रिकेट कप दिलाने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी। संधवां ने कहा कि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी लगन, मेहनत और अदम्य जज़्बे से न केवल पंजाब बल्कि पूरे देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने यह साबित किया है कि यदि इरादे मजबूत हों, तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने खेल जगत में नया इतिहास रचकर हर बेटी के माता-पिता को प्रेरणा दी है। यह जीत महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतीक है और खेल जगत में एक नये स्वर्ण युग की शुरुआत है। सिंधवां ने कहा कि पंजाब की बेटियों ने हमेशा हौसले और हिम्मत के बल पर दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा साबित की है, और हरमनप्रीत कौर की यह उपलब्धि उसका नवीनतम उदाहरण है।

विश्वकप फाइनल में हारने के बावजूद टीम के प्रयासों पर गर्व है : वोल्वार्ट

मुंबई, 3 नवंबर। दक्षिण अफ्रीका महिला टीम की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने कहा कि महिला विश्वकप के फाइनल में भारत के हाथों मिली 52 हार के बावजूद मुझे अपनी टीम के प्रयासों पर गर्व है। मैच के बाद वोल्वार्ट ने कहा, ''मुझे इस टीम पर इस अभियान के लिए और भी ज़्यादा गर्व हो सकता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''हमने पूरे मैच में शानदार क्रिकेट खेला, लेकिन आज भारत ने हमें मात दे दी। हारना दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन हम इससे जरूर आगे बढ़ेंगे। यह कई खिलाड़ियों के लिए एक शानदार टूर्नामेंट रहा है और मुझे हमारे द्वारा दिखाए गए लचीलेपन पर गर्व है।'' इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सस्ते में आउट होने के बारे में पूछे जाने पर वोल्वार्ट ने कहा, ''हमने उन कुछ खराब मैचों को पीछे छोड़ने के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। हम या तो बहुत अच्छे थे या बहुत बुरे, लेकिन शुक्र है कि अधिकतर अच्छे प्रदर्शन ही हुए।'' उन्होंने कहा, ''विश्व कप से पहले शायद मेरा सर्वश्रेष्ठ वर्ष नहीं रहा और मैंने इसकी शुरुआत भी अच्छी नहीं की। ज्यादा सोचना, अच्छा नहीं था। यह क्रिकेट का एक और मैच है, दोनों को अलग करने की कोशिश ने मुझे अपना स्वाभाविक खेल खेलने और फिर किसी अलग समय पर कप्तानी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए थोड़ा मुक्त कर दिया।''

बीसीसीआई देगा भारतीय महिला टीम को 51 करोड़ रुपये का इनाम

मुम्बई, 3 नवंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 का खिताब जीतने वाली भारतीय महिला टीम के लिए सोमवार को 51 करोड़ रुपये के नकद इनाम की घोषणा की है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने आज कहा, बीसीसीआई बहुत खुश है और आईसीसी की किटी से कुछ भी लिए बिना, बीसीसीआई अपनी तरफ से भारतीय टीम को इनाम के तौर पर 51 करोड़ रुपये देगा। यह रकम खिलाड़ियों, सेलेक्टर्स के साथ-साथ अमोल मजूमदार की अगुवाई वाले सपोर्ट स्टाफ को भी मिलेगी। बीसीसीआई की यह इनाम आईसीसी द्वारा विजेताओं की पुरस्कार राशि में किए गए बदलाव के अलावा है। प्रतियोगिता से पहले आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने महिला विश्व कप में टीमों के लिए पुरस्कार राशि में काफी बढ़ोतरी की घोषणा की थी, जिसमें विजेताओं को 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 42 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह 2022 में ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को मिले 1.32 मिलियन अमेरिकी डॉलर से कहीं अधिक है और 2023 में अहमदाबाद में भारत को हराने पर उनकी पुरुष टीम को मिले चार मिलियन अमेरिकी डॉलर से भी बेहतर है।

सीनियर महिला इंटर जोनल टी-20 ट्रॉफी नागालैंड में

कोहिमा, 3 नवंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित सीनियर महिला इंटर जोनल टी-20 ट्रॉफी 2025 के मंगलवार से यहां शुरु हो रहे तीसरे संसकरण में छह टीमें हिस्सा लेंगी। चार से 14 नवंबर तक नागालैंड में होने वाले इस टूर्नामेंट में इस बार नॉर्थ जोन, साउथ जोन, ईस्ट जोन, वेस्ट जोन, सेंट्रल जोन और नॉर्थ-ईस्ट जोन की महिला टीमें हिस्सा लेंगी।

राजस्थान के बल्लेबाज दीपक का दोहरा शतक व कार्तिक की शतकीय पारी

अंडर-23 सी.के. नायडू ट्रॉफी में बंगाल के विरुद्ध राजस्थान मजबूत, राजस्थान के कारण लाम्बा का शतक

जयपुर, 3 नवम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेले जा रहे राजस्थान - मुंबई रणजी मैच के तीसरे दिन राजस्थान के बल्लेबाजों दीपक हुड्डा के शानदार दोहरे शतक व युवा कार्तिक शर्मा की मजबूत शतकीय पारी की सहायता से राजस्थान ने मुंबई की विरुद्ध पहली पारी में विशाल बढ़त प्राप्त की।

राजस्थान - मुंबई रणजी मैच (तीसरे दिन का स्कोर)

मुंबई पहली पारी 254 आल आउट, राजस्थान पहली पारी 617/6 पारी घोषित

तीसरे दिन राजस्थान के बल्लेबाजों दीपक हुड्डा व कार्तिक शर्मा ने उत्कृष्ट बल्लेबाजी करते हुए टीम को पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। दीपक हुड्डा ने शानदार दोहरा शतक लगाया व राजस्थान के युवा प्रतिभावान बल्लेबाज कार्तिक शर्मा ने महत्वपूर्ण शतकीय पारी खेली। टीम के लिए दीपक हुडा 248 रन (335 गेंद, 22 चोक्के व 2 छक्के) व कार्तिक शर्मा 139 रन (192 गेंद, 13 चोक्के व 3 छक्के) लगाए साथ ही अजय सिंह कुकना 32 रनो पर नाबाद रहे। मुंबई के गेंदबाज शम्स मुलानी 150/2 विकेट प्राप्त किये।

मुंबई दूसरी पारी 89/0, यशस्वी जयसवाल नाबाद 56 व मुशीर खान नाबाद 32 रन

राजस्थान - बंगाल अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी मैच

राजस्थान के करण लाम्बा का शतक

कल्याणी, बंगाल में आज से राजस्थान - बंगाल टीमों के मध्य खेले जा रहे अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी मैच के दूसरे दिन राजस्थान ने करण लाम्बा की शतकीय पारी की सहायता से पहली पारी में बढ़त प्राप्त की।

बंगाल पहली पारी 146 आल आउट, राजस्थान पहली पारी 309/6

आज दूसरे दिन करण लाम्बा की शतकीय पारी की सहायता से राजस्थान दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 6 विकेट के नुकसान पर 309 रन बना लिए थे। टीम के लिए करण लाम्बा नाबाद 109, मुकुल चौधरी 44, अनिरुद्ध सिंह चौहान 38, सुमित गोदारा 30, सर्वज्ञ पनेरी 30 व राज शर्मा 27 रनो का योगदान दिया।

शंकर सुब्रमण्यम और इशारानी बरुआ कोरिया मास्टर्स में करेंगे भारतीय टीम की अगुवाई

जियोनबुक (दक्षिण कोरिया), 3 नवंबर। शंकर सुब्रमण्यम और इशारानी बरुआ मंगलवार से शुरु हो रहे कोरिया मास्टर्स में चार सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। कल के शुरु होने जा रहे टूर्नामेंट में भारत के कई बड़े खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में, पुरुष एकल में वर्ल्ड नंबर 65 खिलाड़ी शंकर सुब्रमण्यम और महिला एकल रैंकिंग में 53वें स्थान काबिज इशारानी बरुआ भारत के चार सदस्यीय दल की अगुवाई करेंगी। शंकर सुब्रमण्यम ने पिछले हफ्ते हाइलो ओपन में लक्ष्य सेन को हराया था, पुरुष एकल ड्रॉ में वह अकेले भारतीय शटलर हैं।

चतुर्थ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता

वरूण के ऑलराउंड प्रदर्शन से बिमल एकेडमी रोमांचक मैच में एक रन से जीता

जयपुर, 3 नवंबर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज नैना क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये पूल बी के मुकाबले में बिमल क्रिकेट एकेडमी ने वरूण 40 रन व 21 रन पर 3 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदौलत एस.आर. क्रिकेट एकेडमी को बेहद नजदीकि मुकाबले में मात्र 1 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किए।

टॉस जीत कर बिमल क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबजी का फैसला किया लेकिन एस. आर क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों फरमान खान 36 रन पर 3 विकेट, नयन माली 20 रन पर 2 विकेट, हेमन्त चौधरी 17 रन पर 2 विकेट, मोहित जैमन 5 रन पर 1 विकेट तथा दीपम शर्मा 22 रन पर 1 विकेट की शानदार गेंदबाजी के समक्ष वरूण 40 रन, मोहम्मद जैद 13 रन तथा कैशव शर्मा 11 रन को छोडकर बिमल क्रिकेट एकेडमी का कोई भी बल्लेबाज नहीं टिक सका और पूरी टीम 15.1 ओवर में मात्र 102 रन पर सिमट गयी। जवाबी पारी में वरूण 21 रन पर 3 विकेट, मोहम्मद जैद 20 रन पर 2 विकेट, अनुराग शर्मा 21 रन पर 2 विकेट तथा कुलदीप सिंह व कैशव शर्मा प्रत्येक 1-1 विकेट ने बहुत किफायती गेंदबाजी करते हुए एस.आर. एकेडमी के बल्लेबाजों पर जबर्दस्त दबाव बनाते हुए जल्दी-जल्दी विकेट लेकर 18.4 ओवर में एस.आर. एकेडमी की पूरी टीम को मात्र 101 रन पर समेट कर 1 रन से बहुत नजदीकि जीत दर्ज की। एस.आर. एकेडमी की और कौवित जेनरीवाल 32 रन, मोहित जैमन 10 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज दहाई की संख्या पार करने में सफल नहीं हो सका। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच वरूण बिमल क्रिकेट एकेडमी रहे।

भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर मनेगा भव्य जश्न

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भारतीय हॉकी के 100 वर्ष (1925-2025) पूरे होने के उपलक्ष्य में सोमवार को भव्य समारोह की घोषणा की। हॉकी इंडिया के सहयोग से आयोजित होने वाला यह शताब्दी समारोह 7 नवंबर को नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जिसके समानांतर भारत के 550 से अधिक जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। यह ऐतिहासिक आयोजन भारत की समृद्ध हॉकी विरासत के एक शताब्दी पूरे होने का स्मरण करेगा, उन दिग्गजों को सम्मानित करेगा जिन्होंने देश को गौरव दिलाया और खेल की उस स्थायी भावना का जश्न मनाएगा जो लाखों लोगों को प्रेरित करती रहती है। नई दिल्ली में समारोह सुबह 8:30 बजे शुरू होगा, जिसमें भारतीय हॉकी की गौरवशाली यात्रा के सार को दर्शाने वाले कई विशेष कार्यक्रम होंगे। डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, ''भारत हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है, हम गौरव, दृढ़ता और राष्ट्रीय गौरव की एक शताब्दी का सम्मान करते हैं। यह मील का पत्थर हमारे उन नायकों को याद करने का अवसर है जिन्होंने देश को सम्मान दिलाया और आगे बढ़ते हुए उनकी यात्रा से प्रेरणा लेने का अवसर है। हॉकी भारत के लिए केवल एक खेल से कहीं अधिक है - यह हमारी पहचान और सामूहिक भावना का हिस्सा है। 550 से अधिक जिलों में आयोजित होने वाले ये समारोह न केवल हमारी विरासत को उजागर करेंगे, बल्कि भारतीय हॉकी की कहानी को देश के कोने-कोने तक पहुंचाएंगे, जिससे युवा लड़के और लड़कियों को हॉकी स्टिक उठाकर जुनून के साथ खेलने की प्रेरणा मिलेगी।'' खेल मंत्री की टीम और हॉकी इंडिया की मिश्रित टीम (पुरुष और महिला) के बीच 30 मिनट का एक प्रदर्शनी मैच लैंगिक समानता, टीम वर्क और समावेशिता को उजागर करेगा, जिसमें पुरुष और महिला दोनों राष्ट्रीय टीमों के शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे। इसके बाद विभिन्न पीढ़ियों के हॉकी दिग्गजों को सम्मानित किया जाएगा, और भारत को दुनिया के सबसे सफल हॉकी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में उनके योगदान को मान्यता दी जाएगी, जिसने आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक और 13 ओलंपिक पोडियम फिनिश हासिल किए हैं। सरकार की योजनाओं में हॉकी प्राथमिकता वाले खेलों में से एक है। पुरुष और महिला हॉकी सरकार की प्रमुख योजनाओं - टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) और टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप (टीएजीजी) में शामिल हैं। इन योजनाओं के तहत, राष्ट्रीय टीमों को प्रत्येक ओलंपिक चक्र में प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं, प्रदर्शन यात्राओं और भत्तों सहित अन्य सुविधाओं के लिए धन मिलता है। महिलाओं के बीच हॉकी को बढ़ावा देने के लिए, खेल मंत्रालय देश भर में जूनियर और सब-जूनियर स्तर पर अस्मिता हॉकी लीग का आयोजन करता है। खेल मंत्री ने आगे कहा, ''सरकार अधिक निवेश, आधुनिक बुनियादी ढांचे और संस्थागत सुधारों के माध्यम से भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है - 2036 तक भारत को दुनिया के शीर्ष खेल राष्ट्रों में से एक बनाना और हर खेल में लगातार उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करना। मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण और हॉकी इंडिया जैसे महासंघों के बीच निरंतर सहयोग से, हम युवा प्रतिभाओं को निखारते रहेंगे, खेलों तक पहुंच बढ़ाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत का तिरंगा हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऊंचा लहराए।'' इस शताब्दी वर्ष में आधिकारिक स्मारक खंड, ''भारतीय हॉकी के 100 वर्ष'' का विमोचन भी होगा, जिसमें खेल की उल्लेखनीय यात्रा - उसकी विजय, चुनौतियाँ और पुनरुत्थान - का वर्णन किया गया है। यह प्रकाशन एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड और उन खिलाड़ियों की पीढ़ियों के लिए एक श्रद्धांजलि दोनों के रूप में काम करेगा जिन्होंने भारत की हॉकी विरासत को आकार दिया है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, ''भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न हम सभी के लिए बेहद भावुक और गौरवान्वित करने वाला क्षण है। यह मील का पत्थर हमारे गौरवशाली अतीत का सम्मान करता है और साथ ही नई पीढ़ी को इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। भारतीय हॉकी ने हमेशा लचीलेपन, एकता और उत्कृष्टता की भावना का प्रतिनिधित्व किया है। इस शताब्दी समारोह के अवसर पर, हमारा ध्यान खेल को जमीनी स्तर से मजबूत करने, पुरुषों और महिलाओं दोनों को समान रूप से सशक्त बनाने और अपनी टीमों को एक बार फिर विश्व हॉकी के शिखर पर पहुंचने के लिए तैयार करने पर है। मैं उन सभी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जो वर्षों से भारतीय हॉकी के साथ खड़े रहे हैं - हमारे खिलाड़ी, कोच, प्रशंसक और सहयोगी। हम सब मिलकर अगली सदी को और भी सुनहरा बनाएंगे।'' मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में एक विशाल फोटो प्रदर्शनी दर्शकों को 100 गौरवशाली वर्षों की एक दृश्य यात्रा पर ले जाएगी, जिसमें 1928 के एम्स्टर्डम खेलों से लेकर वर्तमान पुनरुत्थान तक की दुर्लभ अभिलेखीय तस्वीरें, यादगार चीज़ें और ओलंपिक क्षण प्रदर्शित किए जायेंगे। इस अवसर को जमीनी स्तर पर मनाने के लिए, देश भर के 550 जिलों में एक साथ 1,400 से अधिक हॉकी मैच खेले जायेंगे, जिनमें 36,000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे।

सोलफिल क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 3 नवम्बर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में सोलफिल क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए

40 ओवर में 166 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाएं। राघव शर्मा ने 64, विराज ने 33 और आरुष ने 31 रनों का योगदान दिया! कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से कार्तिक सैनी और मानव गुप्ता ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैंडलविक क्रिकेट अकादमी 40 ओवर में 121 रन 5 विकेट के नुकसान पर ही बना सकी। उत्सव शर्मा ने सर्वाधिक 49 रनों का योगदान दिया। सोलफिल क्रिकेट अकादमी की ओर से गणेश ने दो विकेट लिया। मैन ऑफ़ द मैच राघव शर्मा को चुना गया।

एसआईआर राज्य की सुरक्षा व समृद्धि की दिशा में ठोस कदम- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जयपुर में प्रदेश स्तरीय मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यशाला को संबोधित किया

जयपुर, 3 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की शुरुआत राजस्थान सहित 12 राज्यों में की जा रही है। यह विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण हमारे राज्य के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सर्वे नहीं है बल्कि राज्य की सुरक्षा, समृद्धि और पारदर्शिता की दिशा में उठाया गया एक ठोस कदम है।

शर्मा सोमवार को दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंध संस्थान में आयोजित प्रदेश स्तरीय मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सर्वे से प्रदेश में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति का सटीक और पारदर्शी रिकॉर्ड मिलेगा। साथ ही, सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभार्थी को मिल सकेगा। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और उसके साथी दल इस जनहित के अभियान का विरोध कर रहे हैं। ये लोग बाहरी घुसपैठियों को यहां बसाना चाहते हैं ताकि उनका वोट बैंक मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अवैध निवासियों को संरक्षण देना चाहती है तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ कर रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमजन से पुनरीक्षण अभियान में पूरा सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आमजन अपने सभी दस्तावेज़ पूर्ण रखें।**

मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि मतदाता पुनरीक्षण अभियान में पूरा सहयोग करें। किसी के बहकावे में ना आये और अपने सभी दस्तावेज पूर्ण रखें।

इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सांसद और केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, दिल्ली से एडवोकेट संकेत गुप्ता मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने हरमाड़ा सड़क दुर्घटना पर गहरा शोक जताया

जयपुर, 3 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर के हरमाड़ा स्थित लोहामंडी क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

शर्मा ने चिकित्सकों एवं अधिकारियों को प्रभावितों को त्वरित राहत और उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि यह हादसा अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है।

■ **उन्होंने कहा कि दु:ख की घड़ी में राज्य सरकार प्रभावितों के साथ खड़ी है।**

उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की। शर्मा ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि दु:ख की इस घड़ी में राज्य सरकार प्रभावितों के साथ खड़ी हैं तथा सरकार उन्हें हरसंभव मदद उपलब्ध करवाएगी।

तेलंगाना : टिपर ट्रक व बस की टक्कर में 20 की मौत

गलत दिशा से आ रहा टिपर ट्रक आमने-सामने बस से टकराया

हैदराबाद, 03 नवंबर। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में सोमवार को एक टिपर ट्रक और सरकारी बस के बीच हुई टक्कर में 20 लोगों की मौत हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में ट्रक का मलबा बस पर गिरने से दोनों वाहनों के दोनों ड्राइवरों समेत कई यात्रियों ने वहीं दम तोड़ दिया।

मरने वालों में 13 महिलाएं और दस माह की एक बच्ची शामिल हैं, जबकि 22 अन्य घायल हैं। यह हादसा चेवेला मंडल के खनापुर गेट के पास उस समय हुआ, जब टीजीएसआरटीसी की बस और एक टिपर ट्रक आमने-सामने टकरा गए। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह के समय हुआ, जब टिपर गलत दिशा से आ रहा था और बस से जा भिड़ा। हादसे में बस की परिचालक राधा ने बताया कि घटना के समय बस में 72 यात्री सवार थे।

पुलिस के मुताबिक, चेवेला के पास एक टिपर ट्रक, जो ग्रेवल (बजरी) से भरा हुआ था, ने राज्य परिवहन निगम की बस को सामने से टक्कर मार दी।

■ **टिपर में बजरी भरी थी। जबरदस्त टक्कर से ट्रक का माल बस पर जा गिरा। बस के आधे हिस्से में मलबा भर गया और यात्री अंदर फंस गए।**

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का माल बस पर जा गिरा। अधिकारियों ने बस के मलबे को साफ कर यात्रियों को बाहर निकालने के लिए तीन जेसीबी मशीनें तैनात की। बस का आधा हिस्सा मलबे से भरा था, जिससे यात्री अंदर फंस गए थे। बचाव दल को शवों को निकालने के लिए बस को काटना पड़ा। फंसे यात्रियों को बाहर निकाल लिया गया है। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। पुलिस ने बताया कि हादसे की प्राथमिक वजह ट्रक चालक का गलत दिशा में वाहन चलाना लग रही है। फिलहाल चालक की पहचान की जा रही है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

तेलंगाना सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में हुए हादसे में जान गंवाने वालों की मृत्यु अत्यंत दुखद है।

पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

सड़क हादसे पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, सीएम ने अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और राहत व बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

मोदी के पटना के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा को नीतीश कुमार की जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें "नीतीश कुमार के वोट बैंक की जरूरत है।"

राजद सांसद संजय यादव ने मीडिया से कहा, "संदेश साफ है, 14 नवम्बर के बाद मुख्यमंत्री एनडीए नेताओं के बीच सार्वजनिक रूप से दिखाई तक नहीं देंगे।"

सोमवार को सहरसा जिले के सोनबरसा की एक चुनावी सभा में कांग्रेस की सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, "हर फैसला दिल्ली से लिया जाता है। अगर आपके मुख्यमंत्री की बात ही नहीं सुनी जाती, तो आपकी समस्याएँ कैसे सुनी जाएँगी?"

तथापि, भाजपा के नजदीकी सूत्रों ने कहा कि नीतीश कुमार का चुनावी कार्यक्रम पहले से तय था कि 2 नवम्बर की रात को वे पटना नहीं लौट पायेंगे। इसके बजाय वे अगले दिन मधेपुरा से अपना चुनाव प्रचार जारी रखेंगे।

जदयू ने किसी भी तरह के मतभेद से इनकार किया है और कहा है कि मुख्यमंत्री एनडीए के अभियान के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। पार्टी नेताओं ने बताया कि नीतीश कुमार पहले भी प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा कर चुके हैं और आने वाली रैलियों में भी करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पटना रोड शो में उनकी अनुपस्थिति पूरी तरह से पूर्व निर्धारित कार्यक्रम संबंधी समस्या के कारण है, न कि किसी राजनीतिक मतभेद की वजह से।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, "नीतीश कुमार के अपने कुछ अन्य कार्यक्रम थे, लेकिन लल्लन सिंह जदयू का प्रतिनिधित्व करने के लिए मौजूद थे।"

केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मीडिया से कहा, "ऐसे दावे सिर्फ, (विपक्ष की) कल्पना और दिवा स्वप्न हैं। सरकार एनडीए ही बनाएगी और नीतीश कुमार एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे।"

भाजपा नेता और गायक-अभिनेता पवन सिंह ने कहा, "लोग बातें बनाते रहेंगे, लेकिन हमारा एनडीए परिवार विकास के रास्ते पर है। हम जो कहते हैं, वह करते हैं। पिछले पंद्रह वर्षों में बिहार की प्रगति "तब और अब" के विकास के अन्तर को साफ दर्शा रही है।"

बिहार में विधानसभा चुनाव दो चरणों में हो रहे हैं। 6 नवम्बर और 11 नवम्बर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 14 नवम्बर को होगी।

प्रदूषण की स्थिति बिगड़ने से पहले तैयारी करें - सुप्रीम कोर्ट

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण में सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया

नई दिल्ली, 03 नवंबर। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ ते वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए सोमवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से हलफनामा मांगा है। अदालत ने आयोग से पूछा कि अब तक प्रदूषण रोकने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं।?

मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि अधिकारी सिर्फ स्थिति बिगड़ने पर कदम न उठाएं, बल्कि पहले से ही तैयारी करें ताकि हालात गंभीर न हों। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह, जो अदालत की एमिकस क्यूरी के रूप में सहायता कर रही हैं, ने कहा कि दीवाली के दौरान दिल्ली के कई एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन काम ही नहीं कर रहे थे। उन्होंने बताया कि 37 में से सिर्फ नौ स्टेशन ही लगातार सक्रिय थे। सिंह ने कहा कि अगर मॉनिटरिंग स्टेशन सही तरह से काम नहीं करेंगे, तो यह तय करना ही मुश्किल होगा कि कब 'ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान' यानी ग्रैप लागू करना है।

■ **वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने कहा कि दीवाली पर दिल्ली में 37 क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन में से केवल नौ स्टेशन लगातार सक्रिय थे।**

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आयोग को यह स्पष्ट करना होगा कि प्रदूषण को गंभीर स्तर तक पहुंचने से रोकने के लिए उसने कौन से कदम उठाए हैं। अदालत ने आदेश दिया कि सीएक्यूएम एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करे जिसमें पहले से की जा रही और प्रस्तावित कार्रवाइयों का विवरण दिया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि एजेंसियों को सिर्फ प्रतिक्रिया देने के बजाय पहले से तैयारी करनी होगी।

छात्रसंघ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वेलफेयर के समक्ष जाना चाहिए था। इसके अलावा, छात्रसंघ चुनाव कराना संवैधानिक रूप से बाध्यकारी नहीं है और न ही इसमें शामिल होना मूलभूत अधिकार है। वहीं, केवल राजस्थान विश्वविद्यालय में चुनाव के लिए ही याचिका पेश हुई है। अन्य किसी भी विवि में छात्रसंघ चुनाव को लेकर याचिका पेश नहीं हुई है। इसके अलावा, सेमेस्टर शुरू हुए लंबा समय हो गया है। इसलिए अब चुनाव नहीं कराया जा सकता।

अगस्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एनिमल एंड चेरिटेबल ट्रस्ट के साथ समझौता कर जीआईएस आधारित 2 बार-गणना व नसबंदी कार्यक्रम को लागू किया। वहीं शिकायत दर्ज कराने के लिए भी हेल्पलाइन नंबर आरंभ किया गया है।

विधानसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जताई। उन्होंने देवनानी की पत्नी की पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल ने देवनानी को इस दौरान ढांढस स बंधाया।

नेपाल में बर्फ का पहाड़ गिरने से 7 पर्वतारोहियों की मौत

मृतकों में 3 अमेरिकी, 1कनाडाई, 1 इतालवी व 2 नेपाली नागरिक हैं

काठमांडू, 03 नवंबर। नेपाल के डोलखा जिले में सोमवार को दर्दनाक हादसा हुआ, जब उत्तर-पूर्वी नेपाल की यालुंग री पर्वत चोटी पर भारी हिमस्खलन हुआ। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 7 पर्वतारोहियों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 4 लोग घायल हुए हैं और 4 पर्वतारोही अभी लापता बताए जा रहे हैं।

मृतकों में 3 अमेरिकी, 1 कनाडाई, 1 इतालवी और 2 नेपाली नागरिक शामिल हैं। हादसा बागमती प्रांत के रोलवालिंग वैली क्षेत्र में हुआ, जो नेपाल और चीन की सीमा के करीब स्थित एक दुर्गम पर्वतीय इलाका है।

स्थानीय पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 9 बजे यालुंग री की 5630 मीटर ऊंची चोटी के बेस कैंप के पास अचानक बर्फ का बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। उस वक्त 15 लोगों की एक पर्वतारोहण टीम गौरीशंकर और यालुंग री की दिशा में आगे बढ़ रही थी, लेकिन हिमस्खलन की चपेट में आने से कई पर्वतारोही दब गए। स्थानीय वार्ड अध्यक्ष निंगगेली शेरपा ने बताया कि हादसे की सूचना सुबह तुरंत दी गई, लेकिन इलाके के प्रतिबंधित जोन होने की वजह से हेलिकॉप्टर को उड़ान की अनुमति मिलने में देरी हुई। मौसम भी खराब था, जिससे रेस्क्यू टीमों को घटनास्थल तक पहुंचने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

■ **प्रातः 9 बजे यालुंग री की 5630 मीटर ऊंची चोटी के बेस कैंप के पास बर्फ के पहाड़ का बड़ा हिस्सा टूट कर गिरा। पन्द्रह लोगों की पर्वतारोहण टीम इसकी चपेटे में आ गई।**

रूस व चीन के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री ने शहर की सुंदरता पर एक चीनी कहावत उद्धृत की, जिससे वहां मौजूद चीनी प्रतिनिधि काफी प्रसन्न दिखे। हालांकि पूरे संवाद में यह साफ झलक रहा था कि रूस इस बातचीत में अपेक्षाकृत कनिष्ठ साझेदार की भूमिका निभा रहा है।

यू.एस. डॉलर को हटाने की दिशा में दोनों देशों की कोशिशें पिछले कुछ वर्षों से तेज़ होती जा रही हैं। यह पहल उस समय से मानी जाती है, जब यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यूरोपीय संघ ने रूस की विदेशी डॉलर जमा संपत्तियों को जब्त करने की धमकी दी थी। तभी से रूस और चीन ने मिलकर इस विचार को बहुपक्षीय स्तर पर आगे बढ़ाना शुरू किया।

इस साल की शुरुआत में, चीन के तत्वावधान में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में दोनों देशों ने सदस्य देशों के बीच होने वाले व्यापार से डॉलर को हटाने के लिए ठोस कदम सुझाए थे। बाद में इसे ब्रिक्स देशों तक बढ़ाने की भी योजना थी। लेकिन ट्रंप की नई शुल्क धमकियों के कारण अधिकांश देश इस पहल से पीछे ? हट गए।

भारत ने भी इस प्रस्ताव को लेकर हिचकिचाहट दिखाई, क्योंकि डॉलर से दूरी बनाने पर चीनी मुद्रा रेनमिन्बी का प्रभाव वैश्विक स्तर पर बढ़ सकता था, जो भारतीय रुपये के लिए नुकसानदेह होता। किसी भी देश की मुद्रा अगर वैश्विक आरक्षित मुद्रा बनती है, तो उसे न केवल आर्थिक, बल्कि प्रतिष्ठा का भी लाभ मिलता है।

चीन लंबे समय से अपनी मुद्रा को मजबूत वैश्विक भूमिका दिलाने की कोशिश कर रहा है। उसने अपनी मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की मुद्रा टोकरी में शामिल कराने की भी पहल की थी। लेकिन चीनी केन्द्रीय बैंक द्वारा विनिमय दर में बाज़ार में हेर-फेर के कारण ऐसा नहीं हो पाया।

इसके अलावा, किसी मुद्रा को वैश्विक आरक्षित मुद्रा बनने के लिए पूंजी खाते की पूरी स्वतंत्रता (फुल कन्वर्टिबिलिटी) देनी होती है, जबकि चीन अपने मुद्रा प्रवाह पर कड़े नियंत्रण रखता है। इसीलिए रेनमिन्बी अभी तक उस स्थिति में नहीं है कि वह डॉलर की जगह ले सके या विश्व की मुख्य आरक्षित मुद्रा बन सके।

कांग्रेस दिल्ली में मास्क बांटेगी

नयी दिल्ली, 03 नवंबर। दिल्ली के प्रदूषण पर राहुल गांधी ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया पर लिखा "साल दर साल दिल्ली की हवा ज़हरीली होती जा रही है, लेकिन भाजपा सरकारें बस बहाने बनाती हैं। अब तो केंद्र और दिल्ली - दोनों जगह उनकी ही सरकार है। अब बहाने नहीं, जनता को साफ़ हवा चाहिए।" इस बीच दिल्ली कांग्रेस द्वारा भी दिल्लीवासियों को प्रदूषण से बचाने के लिए मास्क देने की पहल की घोषणा की गई है। यह कदम प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी के बयान के बाद उठाया गया है। दिल्ली कांग्रेस 4 नवंबर को सभी 70 विधानसभा में मास्क का वितरण करेगी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव के निर्देशानुसार दिल्ली के सभी 14 जिलों की 70 विधानसभाओं में मास्क वितरण किया जाएगा।

■ **दिल्ली के बढ़ते प्रदूषण पर प्रियंका तथा राहुल गांधी के बयान के बीच दिल्ली कांग्रेस ने यह निर्णय लिया।**

सभी राजनीतिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बेगूसराय में मछुआरों से मुलाकात के दौरान तालाब में उतरकर उनसे बातचीत की थी, जो चर्चा का विषय बन गया।

प्रचार अभियान समाप्ति के एक दिन पहले केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीतामढ़ी और शिवहर में रैलियां कीं और कहा कि केन्द्र सरकार बिहार की बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "इसी उद्देश्य से कोसी-मेची परियोजना की शुरुआत की गई है।"

भाजपा के स्टार प्रचारक और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बिहार में प्रचार किया। हालांकि उन्होंने इस बार अपने भाषणों में सांप्रदायिक मुद्दों को तूल नहीं दिया, बल्कि महागठबंधन सरकार के शासन के दौरान कानून-व्यवस्था के खराब रिकॉर्ड का उल्लेख करते हुए, कांग्रेस और राजद पर निशाना साधा।

सहरसा में कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी ने एनडीए सरकार पर "संविधान को कमजोर करने" का आरोप लगाया, जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वैशाली की रैली में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछा कि उन्होंने अपने क्रमश: 11 और 20 वर्षों के कार्यकाल में कितनी नौकरियां दीं। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने पटना में रोड शो निकाला तथा सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी महागठबंधन के समर्थन में प्रचार किया।

जयपुर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस भीषण हादसे पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, डिप्टी सीएम दीया कुमारी, डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा, गजेन्द्र सिंह शेखावत, हनुमान बेनीवाल सहित कई नेताओं ने दु:ख जताया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

जयपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करेंगे। वहीं, अतिरिक्त महाधिवक्ता मनोज शर्मा इस संबंध में आवासन मंडल के जिम्मेदार अफसर का शपथ पत्र दाखिल करेंगे और आगामी सुनवाई पर संबंधित अधिकारी भी अदालत में उपस्थित रहेंगे।

ईडी ने अनिल अंबानी का पाली हिल का मकान कुर्क किया

नयी दिल्ली, 03 नवंबर (वार्ता) प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन से जुड़े एक मामले में रिलायंस अनिल अंबानी समूह की 40 से ज़्यादा संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। इसमें इस उद्योगपति का मुंबई के पाली हिल इलाके में बना मशहूर आवास भी शामिल है तथा ज़ब्त की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 3,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

ईडी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि इसके अलावा, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, मुंबई, पुणे, ठाणे, हैदराबाद, चेन्नई, कांचीपुरम और पूर्वी गोदावरी स्थित संपत्तियों को भी कुर्क किया गया है। ज़ब्त की गई इन संपत्तियों में कार्यालय स्थल, आवासीय इकाइयाँ और ज़मीन का शामिल हैं। इनका कुल मूल्य लगभग 3,084 करोड़ रुपये आंका गया है।

■ **देश भर में जब्त की गई संपत्तियों का मूल्य 3000 करोड़ रु. से अधिक है।**

यह मामला समूह की दो कंपनियों रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) द्वारा आम लोगों से जुटाए धन की कथित हेराफेरी और शोधन से जुड़ा है।

ईडी की जांच में पाया गया कि 2017 और 2019 के बीच, यस बैंक ने इन कंपनियों में लगभग 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। ये निवेश बाद में गैर-निष्पादित हो गए, जिससे 3,300 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया रह गया।

अफगानिस्तान में भूकंप से 20 की मौत

काबुल, 3 नवंबर। अफगानिस्तान के समांगन प्रांत में मजार-ए-शरीफ के समीप खुल्म में रविवार की रात शक्तिशाली भूकंप से 20 लोगों की मौत हो गयी और 320 से अधिक लोग घायल हो गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, स्थानीय समयानुसार कल रात लगभग 12:59 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.3 मापी गयी। भूकंप का केन्द्र उत्तरी शहर मजार-ए-शरीफ के पास खुल्म से लगभग 22 किलोमीटर (14 मील) पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में रहा। अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की है कि मजार-ए-शरीफ और आसपास के इलाकों के अस्पतालों में सैकड़ों घायल लोगों को भर्ती कराया गया है।

सौ साल पुराने 1300 रेलवे स्टेशनों का पुर्ननिर्माण हो रहा है

नयी दिल्ली/अहमदाबाद, 03 नवंबर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को बताया कि देशभर के 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का पुनर्निर्माण और नवनिर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के बहुत सारे स्टेशन 100 या 150 साल पुराने हैं, ऐसे में भविष्य में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, इन स्टेशनों का पुनर्निर्माण और नवनिर्माण किया जा रहा है।

वैष्णव ने यह बात अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर जारी पुनर्विकास कार्यों के निरीक्षण और हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना की प्रगति की समीक्षा के दौरान मीडिया से कही।

वैष्णव ने मीडिया को बताया कि भारत में यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए देशभर में स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास किया जा रहा है। वर्तमान में 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, जिनमें अहमदाबाद स्टेशन एक प्रमुख स्टेशन है। उन्होंने बताया कि अहमदाबाद स्टेशन पर 16 मंज़िला आधुनिक भवन का निर्माण किया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि अहमदाबाद में हाई स्पीड बुलेट ट्रेन का स्टेशन करीब करीब बनकर तैयार हो गया है। इसके साथ ही अहमदाबाद के पुराने स्टेशन और बुलेट ट्रेन स्टेशन को जोड़ दिया जायेगा।

■ **रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान रखते हुए यह किया जा रहा है।**

वैष्णव ने कहा कि देशभर में करीब 20 शहर ऐसे हैं जहां अधिक यात्रियों के चलते ट्रेनों की बहुत अधिक मांग रहती है। ऐसे शहरों में मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरू, हैदराबाद, पटना, लखनऊ है, इसके साथ ही अहमदाबाद और सूरत से भी अधिक ट्रेनों की मांग अधिक है। इस मांग को देखते हुये रेल विभाग ने 20 शहरों में क्षमता को दोगुना करने का काम हाथ में लिया है। वैषणव ने कहा कि इस बढ़ ती डिमांड को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों की परिचालन क्षमता बढ़ ाने हेतु अहमदाबाद के वटवा में एक मेगा टर्मिनल विकसित किया जाएगा, जिसमें 10 पिट लाइनों का निर्माण होगा।

सैन फ्रांसिस्को से आ रही एयर इंडिया फ्लाइट मंगोलिया में उतरी

नयी दिल्ली, 03 नवंबर। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया के एक विमान को तकनीकी खराबी के बाद मंगोलिया में लैंड कराया गया।

विमान ने रविवार को अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से उड़ान भरी थी। उसे कोलकाता के रास्ते दिल्ली आना था।

एयरलाइंस के एक प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि उड़ान संख्या एआई 174 के पायलटों ने एक तकनीकी खामी की आशंका के मद्देनजर सतर्कता बरतते हुए विमान को मंगोलिया के उलान-बटोर हवाई अड्डे पर लैंड कराने का फैसला किया। विमान की उलान-बटोर में सुरक्षित लैंडिग हुई। फिलहाल विमान की जरूरी जांच की जा रही है।

एसआईआर के खिलाफ डीएमके सुप्रीम कोर्ट पहुंची

नई दिल्ली, 03 नवंबर। चुनाव आयोग के खिलाफ तमिलनाडु मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) ने मोर्चा खोल दिया। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले स्टालिन की पार्टी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। डीएमके ने याचिका में मतदाता सूची के प्रस्तावित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रद्द करने की मांग की है। साथ ही कहा कि एसआईआर से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव बाधित हो सकते हैं। एमके स्टालिन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है।

स्टालिन ने पोस्ट में लिखा, सभी दलों का यह कर्तव्य है कि वे एकजुट हों और इसे किसी भी हालत में लागू नहीं होने दें। सभी दल एकजुट होकर एसआईआर के खिलाफ आवाज उठाएं। उन्होंने आगे लिखा, आज एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इसे किसी भी हालत में राज्य में लागू नहीं होने दिया जाएगा। चुनाव आयोग के मताधिकार छीनने वाले हथकंडे को कभी भी कामयाब नहीं होने देंगे।

■ **डीएमके सांसद व वरिष्ठ अधिवक्ता एन आर एलंगो के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर**

द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) पार्टी सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता एनआर एलंगो के माध्यम से अदालत में याचिका दायर की गई है। स्टालिन ने कहा, हमने आज की सर्वदलीय बैठक में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का प्रस्ताव पारित किया है। वहीं बैठक में भाग न लेने वाले दलों से भी अपने-अपने दलों में इस कदम पर चर्चा करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा, 'मैं उन 49 दलों के नेताओं का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने सर्वदलीय बैठक में भाग लिया और अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं। मैं उन सभी से अनुरोध करता हूं जिन्होंने इस बैठक में भाग नहीं लिया, कि वे अपने दलों में सर्वदलीय बैठक पर चर्चा करें और लोकतंत्र की रक्षा के लिए पहल करें।'

चेन्नई हवाई अड्डे पर 2.80 करोड़ रु. का सोना पकड़ा

चेन्नई, 03 नवंबर। तमिलनाडु में हवाई खुफिया इकाई (एआईयू) ने अन्ना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 2.80 करोड़ रुपये के सोने की तस्करी की कोशिश नाकाम कर, मलेशिया के कुआलालंपुर से आए पांच यात्रियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में तीन महिलाएं शामिल हैं और ये सभी एक ही उड़ान में यात्रा कर रहे थे।

आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, एआईयू अधिकारियों ने प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर कुआलालंपुर से आयी एक महिला यात्री को रोका। जांच करने पर उसके पास से 24 कैरेट शुद्धता की पांच कटी हुई सोने की छड़ें, जिन पर विदेशी चिह्न लगा था, बरामद की गयीं। इन छड़ों का वजन 2,460 ग्राम और कीमत 2.80 करोड़ रुपये आंकी गई थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908